# Records of Fort St. George

# LETTERS TO FORT ST. GEORGE 1739

Volume XXIV

---

MADRAS PRINTED BY THE SUPERINTENDENT, GOVERNMENT PRESS

1932

.

# Records of Fort St. George

# LETTERS TO FORT ST. GEORGE 1739

Volume XXIV

-----

MADRAS PRINTED BY THE SUPERINTENDENT, GOVERNMENT PRESS

1932

•

## PREFATORY NOTE

THIS volume contains the letters received at Fort St. George during the year 1739 and is the twenty-fourth in the series of records known as "Letters to Fort St. George."

The manuscript volume has been mended and is in a fair state of preservation.

EGMORE, 28th May 1932. P. MACQUEEN, Curator, Madras Record Office.

| ·               |       |                         | A      | NJENGO  |            |         |                       |          |
|-----------------|-------|-------------------------|--------|---------|------------|---------|-----------------------|----------|
| Nº. 48 Dated    |       |                         |        |         |            | ***     | 22 May                | 1739     |
| , 57            | ***   |                         | ***    |         | •••        | •••     | 8 June                | 1739     |
| , 01            | • • • | •••                     | ***    | ***     |            | ***     | O U UIIO              | 1100     |
| 19 <b>19</b> 19 |       |                         | E      | Sombay. | •          | 4       |                       |          |
| Nº. 39 Dated    | •••   | •••                     | •••    | a e F   | •••        | •••     | 10 April              | 1739     |
|                 |       |                         | В      | ENGALI  | 40         |         |                       |          |
| Nº. 7 Dated     | ***   | •••                     | •••    | •••     | •••        | •••     | 25 Dec <sup>r</sup> . | 1738     |
| 16              |       | •••                     |        |         |            | •••     | 7 Janry               | 1738—9   |
| 17              | •••   | •••                     |        | •••     |            |         | 26 Janry              | 1738—9   |
| 27              |       |                         | •      | •••     | •••        | •••     | 27 Febry              | 1738—9-  |
| 29              |       | •••                     |        |         |            |         | 6 March               | 1738—9   |
| 29<br>30        |       | •••                     |        |         |            |         | 6 March               | 1738—9   |
| 31              | •••   |                         |        |         |            |         | 6 March               | 1738-9   |
| 32              |       | •••                     |        | •••     |            |         | 7 March               | 1738—9   |
| 36              | •••   | •••                     |        |         |            |         | 1 March               | 1738-9   |
| 52              |       |                         |        |         |            |         | 9 May                 | 1739     |
| 75              |       | •••                     |        |         | ••         |         | 30 July               | 1739     |
| 76<br>76        | •••   | ***                     | ***    | •••     |            | ***     | 9 Aug <sup>t</sup> .  | 1739     |
|                 | •••   | •••                     |        | •••     |            | •••     | ·                     |          |
| 79<br>02        | •••   | •••                     |        | • • •   | •••        | •••     | 17 Septr.             | 1739     |
| 93              | ***   |                         | •••    | •       |            | ***     | 6 Decr.               | 1739     |
|                 |       |                         | ]      | Borneo  | •          |         |                       |          |
| No. 63 Dated    | •••   | ***                     |        |         | •••        | •••     | 13 June               | 1739     |
|                 |       |                         | Cows   | TANTIN  | 0.01.12    |         |                       |          |
| No. 20 From M   |       | otna da                 |        | TANTIN  | OF LE.     | _       | 10 June               | 1738     |
| 100. 20 110m 10 |       | iorus un                | iii cu |         | •••        | ,       | 100410                | 1,00     |
|                 |       |                         | Form   | : St. I | AVID.      |         | ~                     |          |
| No. 1 Dated     | •••   | ***                     |        | •••     | ***        | •••     | 2 Janry               | 1738—9   |
| 2               |       | •••                     | •••    |         | •••        | •••     | 9 Jaury               | 1738 - 9 |
| 3               | •••   |                         |        |         |            |         | 11 Janry              | 1738-9   |
| 9               | •••   | •••                     | •••    | •••     |            | •••     | 18 Jañry              | 1738 - 9 |
| 10              |       | •••                     | 183    |         | •••        |         | 25 Janry              | 1738—9   |
| 11              |       | •••                     | ***    |         | 1.64       |         | 27 Janry              | 1738—9   |
| 15              |       | •••                     |        |         | •••        |         | 29 Janry              | 1738—9   |
| 18              |       | •••                     |        |         |            | • , , , | 7 Febry               | 1738—9   |
| 22              | •••   | •••                     |        |         | •••        | • • • • | 28 Febry              | 1738—9   |
| 23              |       |                         |        | 4+7     |            | •••     | 28 Febry              | 1738-9   |
| 24              |       |                         |        |         | •••        | 144     | 5 March               | 1788—9   |
| 33              |       |                         |        |         | •••        |         | 4 April               | 1739     |
| 34              |       |                         |        |         |            | •••     | 4 April               | 1739     |
| 40              |       | •••                     |        | •••     |            |         | 1 May                 | 1739     |
| 43              | •••   | •••                     |        | •••     | •••        | · · · · | 24 May                | 1739     |
| 46              | •••   |                         | ***    |         | •••        |         | 5 June                | 1739     |
| 51              | •••   |                         | ***    | ***     | •••        | ***     | 28 June               |          |
| 53              | •••   | •••                     | ***    | •••     | •••        | •••     |                       | 1739     |
|                 | •••   | • <b>* •</b><br>• • • • | •••    | 321     | •••        | ***     | 3 July<br>3 July      | 1739     |
| 5 <b>4</b>      | •••   | •••                     | •••    | •••     |            | ***     | 3 July<br>14 July     | 1739     |
| 59<br>. 61      | •••   | •••                     | •••    | 1 • •   |            | ***     | 14 July<br>31 July    | 1739     |
| 61 ·            | •••   | ••••                    | ***    | •••     | •••        | •••     | 31 July<br>14 Aust    | 1739     |
| 64<br>65        | ***   | •••                     |        | •••     | <b>***</b> | •••     | 14 Augt.<br>3 South   | 1739     |
| 65<br>1728      | 80    | •••                     | • • •  |         | •••        | 788     | 3 Septr.              | 1739     |
| I738-           | -U 7  |                         |        |         |            |         | •                     |          |

### INDEX TO LETTERS RECEIVED ANNO 1739.

| Index | TO | Letters | RECEIVED | Anno | 1739—cont. |
|-------|----|---------|----------|------|------------|
|-------|----|---------|----------|------|------------|

|   | Datad  |   |  |   |   |  |   | 4 Sept <sup>r</sup> .  | 1739  |
|---|--|---|--|---|---|--|---|--|---|
| 67  | Dated  | •••   |  |   | ***   | ***  |   | - 5 Septr.   | 1739  |
| -   |  |   |  |   |   |  |   | 13 Septr.  |   |
|   |  |   |  | •   |   |  |   |  | [1739]  |
|   |  |   |  |   | •••   |  |   |  | [1739]  |
|   |  | ***   |  |   | •••   | •••  |   |  | [1739]  |
|   |  | •••   |  | •••   | •••   |  |   |  | [1:35]  |
|   |  |   | •••  | •••   |   |  | •••   |  | [1739]  |
|   |  |   |  | ST  | HPLF  | N7 A   |   |  |   |
| 73 ]  | Dated  | •••   | •••  | •••   | •••   |  | •••   | 8 March  | 1738  |
|   |  |   |  | I   | NGERAL  | £.   |   |  |   |
| 13 J  | From Mr.   | Andrew  | 78   | •••   |   |  | •••   | 6 Janry  | 1738  |
| 28  |  | •••   |  |   | •••   |  | •••   | 16 March   | 1738  |
| 38  | Mr.  | Prince  |  | •••   |   | •••  |   | 3 April  | 1450  |
| 41  |  | •••   |  |   |   |  |   | 20 May   | 1739  |
| 50  |  | •••   |  |   |   |  |   | 1 June   | 1739  |
| 56  |  | •••   | •••  |   | •••   |  | ***   | 23 June  | 1739  |
| 70  |  |   | •••  | •••   |   | •••  |   | 22 Aug <sup>t</sup> .  | 1739  |
| 77  | •••  |   | •••  | ***   | •••   |  |   | 2 Septr.   | 1739  |
| 80  |  |   |  |   |   | ***  |   | -  | 1739  |
| 86  |  |   |  |   |   |  |   | 30 Octor.  | 1739  |
| 90  |  | ···   |  |   | **1   | •••  |   | 20 Novr.   | 1739  |
|   |  |   |  | Т   | NAVIIV  | נודי   |   |  |   |
| 94 ]  | From Mr.   | Margass   | 3  | • •   |   |  |   | 11 Decr.   | 1739  |
|   |  | Ū   |  |   | 7   |  |   |  |   |
| 95 J  | From M <sup>r</sup> .  | Margas  | 3  | Ľ.  | LEDGER  | <b>Y.</b>  | _   | 10 Dec <sup>r</sup> .  | 1739  |
|   |  |   |  |   |   |  |   | 10 1/00.   | 1100  |
|   |  |   |  | <br>Form N  |   | •••  | •••   | 10 1/60 .  | 1.05  |
| 62 I  | Dated  |   |  | <br>Foвт N<br>  | (ABLBO)   |  | •••   |  |   |
| 62 ]<br>72  | Dated  | •••   | •••  | <br>Foet M<br>  | (ARLBO)   |  | •••   | 31 Dec <sup>r</sup> .  | 1738  |
|   | Dated  | •••   |  | •••   | •••   | ,<br>,   | ••••  |  | 1738  |
| 72  |  | •••   | •••  | •••   | IABLBO  | ,<br>,   | ٠.  | 31 Dec <sup>r</sup> .<br>15 Aug <sup>t</sup> .   | 1738<br>1739  |
| 72<br>26  | Dated<br>Dated   |   | •••  | •••   | •••   | ,<br>,   | ٠.  | 31 Dec <sup>r</sup> .  | 1738<br>1739  |
| 72<br>26<br>41  |  |   | •••  | <br><br>Mat   | •••   | <br>   | •••   | 31 Dec <sup>r</sup> .<br>15 Aug <sup>t</sup> .<br>4 March<br>21 April  | 1738<br>1739<br>1788  |
| 72<br>26<br>41<br>58  |  |   | •••  | <br><br>Mat   | •••   | <br><br>Lam.   | •••   | <ul> <li>31 Dec<sup>r</sup>.</li> <li>15 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>4 March</li> <li>21 April</li> <li>26 June</li> </ul>   | 1738<br>1739<br>1738<br>1738  |
| 72<br>26<br>41<br>58<br>71  | <br>Dated<br>  | ····  | ••••   | <br>Mat<br>   | DDEPOLI   | ,<br><br>  | •••<br>•••  | 31 Dec <sup>r</sup> .<br>15 Aug <sup>t</sup> .<br>4 March<br>21 April  | 1738<br>1739<br>1738<br>1738<br>1738  |
| 72<br>26<br>41<br>58<br>71<br>81                                    | <br>Dated<br>  | ····<br>···   | ····<br>····   | <br>Mat<br>   | <br>DDEPOLI<br>   | <br><br>   | ••••<br>•••   | <ul> <li>31 Dec<sup>r</sup>.</li> <li>15 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>4 March</li> <li>21 April</li> <li>26 June</li> </ul>   | 1738<br>1739<br>1738<br>1738<br>1739<br>1739  |
| 72<br>26<br>41<br>58<br>71  | <br>Dated<br><br>  | ····<br>····  | ····   | <br>Mat<br>   | <br>DDEPOLI<br><br>   | <br><br>   | ••••<br>•••<br>•••  | <ul> <li>31 Dec<sup>*</sup>.</li> <li>15 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>4 March</li> <li>21 April</li> <li>26 June</li> <li>25 Aug<sup>t</sup>.</li> </ul>  | 1738<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739  |
| 72<br>26<br>41<br>58<br>71<br>81                                    | <br>Dated<br><br>  | ····<br>····<br>···<br>···  | ····<br>····   | <br>Mat<br><br>   | <br>DDEPOLI<br><br><br>   | <br><br><br>   | ••••<br>•••   | <ul> <li>31 Dec<sup>r</sup>.</li> <li>15 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>4 March</li> <li>21 April</li> <li>26 June</li> <li>25 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>15 Sept<sup>r</sup>.</li> </ul>  | 1738<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739  |
| 72<br>26<br>41<br>58<br>71<br>81<br>87                              | <br>Dated<br><br>  | ····<br>····<br>···<br>···  | ····<br>····   | <br>Mat<br><br>   | <br>DDEPOLI<br><br>   | <br><br><br>   | ••••<br>•••   | <ul> <li>31 Dec<sup>r</sup>.</li> <li>15 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>4 March</li> <li>21 April</li> <li>26 June</li> <li>25 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>15 Sept<sup>r</sup>.</li> <li>6 Novem<sup>r</sup>.</li> </ul>  | 1738<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739  |
| 72<br>26<br>41<br>58<br>71<br>81<br>87                              | <br>Dated<br><br><br>  | ····<br>····<br>···<br>···  | ····<br>····<br>····   | <br>Mat<br><br><br><br>Nı   | <br>DDEPOLI<br><br><br><br><br>EGAPATA  | <br>LAM.<br><br><br><br>AM.  | ••••<br>•••<br>•••<br>•••   | <ul> <li>31 Dec<sup>r</sup>.</li> <li>15 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>4 March</li> <li>21 April</li> <li>26 June</li> <li>25 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>15 Sept<sup>r</sup>.</li> <li>6 Novem<sup>r</sup>.</li> </ul>  | 1738<br>1738<br>1738<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739  |
| 72<br>26<br>41<br>58<br>71<br>81<br>87<br>6                         | <br>Dated<br><br><br>  | ····<br>····<br>···<br>···  | ····<br>····<br>····   | <br>Mat<br><br><br><br>Nı   | <br>DDEPOLI<br><br><br><br>EGAPAT,  | <br>LAM.<br><br><br><br>AM.  | ••••<br>•••<br>•••<br>•••   | <ul> <li>31 Dec<sup>r</sup>.</li> <li>15 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>4 March</li> <li>21 April</li> <li>26 June</li> <li>25 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>15 Sept<sup>r</sup>.</li> <li>6 Novem<sup>r</sup>.</li> <li>18 Janry N.</li> </ul>   | 1738<br>1739<br>1738<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>8. 1739   |
| 72<br>26<br>41<br>58<br>71<br>81<br>87<br>6<br>21                   | <br>Dated<br><br><br><br>Dated   | ····<br>····<br>···<br>···  | ····<br>····<br>····   | <br>Mat<br><br><br><br>Nı   | DDEPOLI<br><br><br><br>EGAPATA  | <br>LAM.<br><br><br><br>AM.<br>  | ••••<br>•••<br>•••<br>•••   | <ul> <li>31 Dec<sup>r</sup>.</li> <li>15 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>4 March</li> <li>21 April</li> <li>26 June</li> <li>25 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>15 Sept<sup>r</sup>.</li> <li>6 Novem<sup>r</sup>.</li> <li>18 Janry N.</li> <li>6 March N.</li> </ul>   | 1738<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>8. 1739<br>8. 1738<br>5. 1738   |
| 72<br>26 2<br>41<br>58<br>71<br>81<br>87<br>6<br>21 2<br>45         | <br>Dated<br><br><br>Dated<br>From O :                                   | ····<br>····<br>···<br>···  | ····<br>····<br>····   | <br>MAT<br><br><br><br>NI<br><br>F  | DDEPOLI<br><br><br><br>EGAPAT.<br><br>PULLICA   | <br>LAM.<br><br><br><br>AM.<br><br>T.  | •••   | <ul> <li>31 Dec<sup>r</sup>.</li> <li>15 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>4 March</li> <li>21 April</li> <li>26 June</li> <li>25 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>15 Sept<sup>r</sup>.</li> <li>6 Novem<sup>r</sup>.</li> <li>18 Janry N.</li> <li>6 March N.</li> </ul>   | 1738<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>8. 1739<br>8. 1738<br>5. 1738   |
| 72<br>26 2<br>41<br>58<br>71<br>81<br>87<br>6<br>21 2<br>45         | <br>Dated<br><br><br><br>Dated<br>Dated                                  | ····<br>····<br>···<br>···  | ····<br>····<br>····   | <br>MAT<br><br><br><br>NI<br><br>F  | DDEPOLI<br><br><br><br>egapat.<br><br>?ULLICA   | <br>LAM.<br><br><br><br>AM.<br><br>T.  | •••   | <ul> <li>31 Dec<sup>r</sup>.</li> <li>15 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>4 March</li> <li>21 April</li> <li>26 June</li> <li>25 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>15 Sept<sup>r</sup>.</li> <li>6 Novem<sup>r</sup>.</li> <li>18 Janry N.</li> <li>6 March N.</li> </ul>   | 1738<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>8. 1739<br>8. 1738<br>5. 8. 1738  |
| 72<br>26<br>41<br>58<br>71<br>81<br>81<br>87<br>6<br>21<br>45<br>91 | <br>Dated<br><br><br>Dated<br>From O :<br>Dated                          | <br><br><br><br>Crompt  | ····<br>····<br>····   | <br>MAT<br><br><br><br>NI<br><br><br>F  | DDEPOLI<br><br><br><br>egapat.<br><br>?ULLICA   | <br>LAM.<br><br><br>AM.<br>  | •••   | <ul> <li>31 Dec<sup>r</sup>.</li> <li>15 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>4 March</li> <li>21 April</li> <li>26 June</li> <li>25 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>15 Sept<sup>r</sup>.</li> <li>6 Novem<sup>r</sup>.</li> <li>18 Janry N.</li> <li>6 March N.</li> <li>5 June O</li> </ul>                               | 1738<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>8. 1738<br>8. 1738<br>5. 8. 1738<br>1739  |
| 72<br>26<br>41<br>58<br>71<br>81<br>87<br>6<br>21<br>45<br>91<br>5  | <br>Dated<br><br><br>Dated<br>From O :                                   | <br><br><br><br>Crompt  | ····<br>····<br>····   | <br>MAT<br><br><br><br>NI<br><br><br>F  | DDEPOLI<br><br><br><br>EGAPAT.<br><br>PULLICA<br><br>SURAT.<br>   | <br>LAM.<br><br><br>AM.<br>  | •••   | <ul> <li>31 Dec<sup>r</sup>.</li> <li>15 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>4 March</li> <li>21 April</li> <li>26 June</li> <li>25 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>15 Sept<sup>r</sup>.</li> <li>6 Novem<sup>r</sup>.</li> <li>18 Janry N.</li> <li>6 March N.</li> <li>5 June O</li> </ul>                               | 1738<br>1739<br>1738<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>8. 1739<br>8. 1739<br>8. 1739<br>1739   |
| 72<br>26<br>41<br>58<br>71<br>81<br>81<br>87<br>6<br>21<br>45<br>91 | <br>Dated<br><br><br>Dated<br>From O :<br>Dated                          | <br><br><br><br>Crompt  | ····   | <br>MAT<br><br><br><br>NI<br><br><br>F  | DDEPOLI<br><br>egapat.<br><br>Pullica<br><br>Subat.<br>   | <br>LAM.<br><br><br>AM.<br>  | •••   | <ul> <li>31 Dec<sup>r</sup>.</li> <li>15 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>4 March</li> <li>21 April</li> <li>26 June</li> <li>25 Aug<sup>t</sup>.</li> <li>15 Sept<sup>r</sup>.</li> <li>6 Novem<sup>r</sup>.</li> <li>18 Janry N.</li> <li>6 March N.</li> <li>5 June O</li> <li>25 Octo<sup>r</sup>.</li> </ul> | 1738<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>1739<br>8. 1739<br>8. 1738<br>9. 8. 1739<br>1739  |
|   | 13 ]<br>28<br>38<br>41<br>50<br>56<br>70<br>77<br>80<br>86<br>90<br>94 ] | 78<br>82<br>84<br>88<br>92<br>73 Dated<br>13 From M <sup>r</sup> .<br>28<br>38 M <sup>r</sup> .<br>41<br>50<br>56<br>70<br>80<br>80<br>90<br>94 From M <sup>r</sup> . | 78          82          84          92          73       Dated          74           75           70           86           90 | 78           82           84           88           92           73       Dated          74           75           76           77           80           90 <tr td="">         94</tr> | 78            82            84            92            92            73       Dated           73       Dated           73       Dated           73       Dated           73       Dated           73       Dated           13       From M <sup>r</sup> . Andrews           28            28            38       M <sup>r</sup> . Prince           41            70            77            80            90            94       From M <sup>r</sup> . Margass        I </td <td>78             82             84             92             92             92             92             73       Dated            73       Dated            73       Dated            73       Dated            73       Dated            73       Dated            28             28             38       M<sup>r</sup>. Prince            70             90          <t< td=""><td>78              82              84              92              92              73       Dated             73       Dated             13       From M<sup>r</sup>, Andrews            28              38       M<sup>r</sup>. Prince             41               50                70                80                90      <td>78   </td><td>78           1 Octor,         82           20 Octor,         84           2 Novr,         88           2 Novr,         88           2 Novr,         92           30 [Novr,]         92           30 [Novr,]         92           30 [Novr,]         92           15 Dec<sup>*</sup>.         S<sup>*</sup>. HELENA.         73 Dated          8 March         INGERAM.         13 From M<sup>*</sup>. Andrews          16 March         38       M<sup>*</sup>. Prince          11 June         56           11 Dec<sup>*</sup>.         77           30 Octo<sup>*</sup>.     <!--</td--></td></td></t<></td> | 78             82             84             92             92             92             92             73       Dated            73       Dated            73       Dated            73       Dated            73       Dated            73       Dated            28             28             38       M <sup>r</sup> . Prince            70             90 <t< td=""><td>78              82              84              92              92              73       Dated             73       Dated             13       From M<sup>r</sup>, Andrews            28              38       M<sup>r</sup>. Prince             41               50                70                80                90      <td>78   </td><td>78           1 Octor,         82           20 Octor,         84           2 Novr,         88           2 Novr,         88           2 Novr,         92           30 [Novr,]         92           30 [Novr,]         92           30 [Novr,]         92           15 Dec<sup>*</sup>.         S<sup>*</sup>. HELENA.         73 Dated          8 March         INGERAM.         13 From M<sup>*</sup>. Andrews          16 March         38       M<sup>*</sup>. Prince          11 June         56           11 Dec<sup>*</sup>.         77           30 Octo<sup>*</sup>.     <!--</td--></td></td></t<> | 78              82              84              92              92              73       Dated             73       Dated             13       From M <sup>r</sup> , Andrews            28              38       M <sup>r</sup> . Prince             41               50                70                80                90 <td>78   </td> <td>78           1 Octor,         82           20 Octor,         84           2 Novr,         88           2 Novr,         88           2 Novr,         92           30 [Novr,]         92           30 [Novr,]         92           30 [Novr,]         92           15 Dec<sup>*</sup>.         S<sup>*</sup>. HELENA.         73 Dated          8 March         INGERAM.         13 From M<sup>*</sup>. Andrews          16 March         38       M<sup>*</sup>. Prince          11 June         56           11 Dec<sup>*</sup>.         77           30 Octo<sup>*</sup>.     <!--</td--></td> | 78   | 78           1 Octor,         82           20 Octor,         84           2 Novr,         88           2 Novr,         88           2 Novr,         92           30 [Novr,]         92           30 [Novr,]         92           30 [Novr,]         92           15 Dec <sup>*</sup> .         S <sup>*</sup> . HELENA.         73 Dated          8 March         INGERAM.         13 From M <sup>*</sup> . Andrews          16 March         38       M <sup>*</sup> . Prince          11 June         56           11 Dec <sup>*</sup> .         77           30 Octo <sup>*</sup> . </td |
|   |  |   |  |   |   |  |   |  |   |

ü

| INDEX TO LETTER | RECEIVED | ANNO | 1739—cont. |
|-----------------|----------|------|------------|
|-----------------|----------|------|------------|

|              |       |     |     | 'I EI | LICHEB | LRY. |      |                          |         |  |  |
|--------------|-------|-----|-----|-------|--------|------|------|--------------------------|---------|--|--|
| Nº. 47       | Dated |     |     |       |        |      | •••  | 27 May                   | 1739    |  |  |
| 60           |       |     | ••• | •••   |        | •••  | •••  | 29 June                  | 1739    |  |  |
| VIZAGAPATAM. |       |     |     |       |        |      |      |                          |         |  |  |
| Nº. 4        | Dated |     |     | •••   |        |      |      | 11 Decem <sup>r</sup> .  | 1738    |  |  |
| <b>.</b> 8   |       |     |     |       |        |      |      | 26 Decem <sup>r</sup> .  | 1738    |  |  |
| 12           |       |     | ••• |       |        |      | •••• | 9 Janry                  | 1738-9  |  |  |
| 19           |       |     |     | • • • |        |      |      | 29 Janry                 | 1738-9  |  |  |
| 25           |       |     |     |       |        |      |      | 10 March                 | 1738-9  |  |  |
| 37           | •••   |     |     |       |        |      |      | 23 March                 | 1738-39 |  |  |
| 42           |       |     |     |       |        |      |      | 1 May                    | 1739    |  |  |
| 49           | •••   |     |     |       |        |      |      | 4 June                   | 1739    |  |  |
| <br>55       |       |     |     |       |        |      |      | 15 June                  | 1739    |  |  |
| 68           |       |     |     | •••   |        |      |      | 14 August                | 1739    |  |  |
| 69           |       |     |     |       |        |      |      | 15 August                | 1739    |  |  |
| 83           |       |     |     |       |        |      |      | 23 Septem <sup>r</sup> . | 1739    |  |  |
| 85           |       |     | ••  |       |        |      |      | 8 October.               | 1739    |  |  |
| 89           |       | ••• | ••• | •••   |        |      |      | 11 Novem <sup>r</sup> .  | 1739    |  |  |
| 05           | •••   |     | ••  | •••   | •••    | •••  | ***  | ar roton.                | 1.00    |  |  |

#### TELLICHERRY.

#### PAPERS AFTER LETTERS.

- Nº. 5 Several Papers from Pegue relating to the Greivances the English suffer there.
  - 6 Translate of a Letter from Negapatam.
  - 11 Copy of the Fort S<sup>t</sup>. David General Letter to England Princess Mary.
  - 21 Translate of a Letter from Pullicat.
  - 23 Indent of Stores for Fort St. David.
  - 24 Fort S<sup>t</sup>. David Paymaster's Report of the bad condition their Main Guard Gate is in and the Estimate of the Cost of Repairing it.
  - 26 Indent of Stores at Maddepollam.
  - 36 Copy of a Letter from the Company's Vakeel at Dilly.
  - 39 Copy of the 42<sup>d</sup>. Para : of the Company's Letter to Bombay ⊕ Harrington.
  - 42 List of Wares and Stores for Vizagapim.
  - 43 Indent for Broad Cloth for Fort S<sup>5</sup>. David.
  - 46 The Report & List of Worn out Stores at Fort S'. David.
  - 54 Indents for Stores & Stationary Ware for Fort St. David.
  - 60 List of the Packet from Tellicherry.
  - 63 Papers to & from M<sup>r</sup>. Hurlock at Borneo.
  - 65 Indent of Stores for Fort St. David.
  - 69 List of Stores for Vizagapatam.
  - 73 List of Shipping from St. Helena.
  - 75 A Note on Captain Joye's Estate rec<sup>d</sup>, from Bengall.
  - 82 Papers relating to M<sup>7</sup>. Cæsar's Estate.
  - 93 Report concerning sheathing the Princess Augusta, & Copy of the 79 Par: of the Company's Letter to Bengall & Richmond.
  - 94 Copy of the Protest deliver'd Captain Kemey's by Mr. Margas.
  - 95 Copy of the Protest deliver'd Captain Bookey.

#### APPENDIX.

- A From Mr. Hubbard dat'd 18 Aug<sup>4</sup>. 1739.
- B D<sup>o</sup>. 3 Sept<sup>r</sup>. 1739.

## RECORDS OF FORT ST. GEORGE

### LETTERS TO FORT ST. GEORGE, 1738–1739

#### (VOLUME No. 24)

#### No. 1.

To the Honourable Richard Benyon Esq<sup>2</sup>. President and Governour &c<sup>r</sup>. Council of Fort S<sup>r</sup>. George.

HONBLE SIR & SIRS

This is to Inclose our Accounts of Expences for the Month of November, and Cash Account for December, Ballance whereof is Pagodas 12877. 30. 16.

- Hereunder is our List of Cloth on Hand. We are

FORT ST. DAVID

2<sup>b</sup>. JANUARY 1738-9.

LIST OF CLOTH.

| Embaled        | ••• | 269         |            |
|----------------|-----|-------------|------------|
| At the Beaters | ••• | 61          |            |
| At the Washers | ••• | 350         |            |
| At the Dyers   | ••• | 21          |            |
| •              |     | <del></del> | 701 Bales. |

HONBLE SIR & SIRS

Your most Obedient Servants

JAMES HUEBARD. Edward Croke. Thomas Eyre. Edward Habris. Roebrt Allen. Charles Floyer.

#### Nº. 2.

...

TO THE HONOURABLE RICHARD BENTON ESQ<sup>2</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GRORGE.

HONBLE SIR & SIRS

We send by this Ship Devonshire Two Bales of Dimitys containing Two hundred Pieces. Amounting to P<sup>s</sup>. 1053. 9. the Invoice and Bill of Lading for which are Inclosed; Your Honour & c<sup>t</sup>. will observe they are charged at Pag<sup>s</sup>. 5<sup>1</sup>/<sub>4</sub>  $\oplus$  Piece one with another, which is as near as possible the Amount of the Merchant's first Cost, with an Allowance of a Quarter of a Pagoda  $\oplus$  Piece for their Trouble and Risque, and the Land Custom and Dustore: We can't say the pieces are exactly alike in goodness, though they are as near so as possibly we could sort them out of a Parcel of 255 Pieces. We wish them safe to Your Hands, and hope they will Prove to Your Honour & c<sup>ts</sup>. satisfaction. We are

> Hoñble Sie & Sies Your most Obedient Servants James Hubbard [&c<sup>4</sup>.]

FORT ST. DAVID 91. JANUARY 1738-9.

#### Nº. 3.

TO THE HONOUBABLE RICHARD BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &C'. COUNCIL OF FORT S'. GEORGE.

#### HONBLE SIE AND SIRS

The foregoing is Duplicate of our last by the Devonshire which Ship is Still at an Anchor in our Road, the Wind continuing Northerly; We now inclose the Duplicate Invoice and Second Bill of Lading for two Bales of Dimitys laden on her on our Honble Master's Account.

The Ninth in the Afternoon the Princess Mary Anchor'd in our Road, by whom w[e] receiv'd your favour of the 8th. Instant, with that Ship's Charter party and other Papers inclosed; The Gunnys, Rope and Twine, laden on her were brought on Shoar Yesterday, when We also sent on board her 40 Bales of Callicoes, having given Captain Martain in Writing a Caution against Fire and keeping the Boats with Bales long on board, agreable to Your Honour &cts. directions. We-should this morning have sent on board 70 Bales more, but the Strong Northerly Winds have rais'd the Surff so high, that it was not possible for any Boats to go off: Captain Martain acquaints us he shall be able to Carry his whole Tonnage, So that he will want from hence 554 Bales which we hope to be able to supply him with by the 25th. Instant, if we have a Continuance of fair Weather, after which should the Captain request more Bales at half freight, we shall send on Board him what more he shall be able to take in, but in such a case We beleive we can't Dispatch him before the End of the Month, when the Ship is loaded we shall send on board proper Persons to take an Account of her number of Men, Guns &ct. and shall conform to Your Honour &cts. further Directions in this Article and the others, mentioned in Your Letter on the Ship's Dispatch.

Hereunder is our List of Cloth on Hand. We are with much respect

#### FORT ST. DAVID

HONBLE SIR & SIRS

11<sup>rg</sup>. JANUARY 1738-9.

Your most Obedient Servants

LIST OF CLOTH

| Sent on board the | Princes | s Mary     |      | 40        |  |
|-------------------|---------|------------|------|-----------|--|
| Embaled           |         |            | • •• | 283       |  |
| At the Beaters    | •••     |            | •••  | 75        |  |
| At the Dyers      | ***     |            |      | <b>21</b> |  |
| At the Washers    | •••     | •••        | •••  | 314       |  |
|                   |         | <b>—</b> . |      |           |  |
|                   |         | Bales      |      | 733       |  |

JAMES HUBBARD. THOMAS EYRE. EDWARD CROKE. EDWARD HABRIS. ROBERT ALLEN. CHABLES FLOYER.

Nº. 4.

To THE HONODRABLE RICHARD BENYON Eso".

PRESID<sup>T</sup>. & GOV<sup>R</sup>. & C<sup>T</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>T</sup>. GRORGE.

#### HONBLE SIE AND SIES

This comes by our Honourable Masters Ship George which We have dispatched for Ingeram, and recommended M<sup>\*</sup>. John Graham to send her to take in M<sup>\*</sup>. Joseph Goddards Bales at Maddepollam, if he is not otherwise provided with Tonnage to send them up in time, if there is room for them.

The disburstments which have been made on the George comes here inclosed, which your Honour &c<sup>\*</sup>. will Please to observe, comes to more than what you expected, however the Master will give you a particular Account, of the necessity there was for such a repair.

 $\mathbf{z}$ 

We take leave to send you by this Ship Henry Whitfield a Soldier who has so offten Deserted and enticing others to act same thing, so that We thought it very necessary to send him out of the Place.

The Miss Jenny which is to leave this Place the 20<sup>th</sup>. of the Month will bring up the few Bales We have got here, and M<sup>r</sup>. Sanderson will take his Passage on her, agreable to the permission your Hon<sup>r</sup>. & c<sup>t</sup>. has been pleased to give him. We are with the greatest Respect

HONBLE SIR AND SIRS

Your most Obedient Servants

VIZAGAPATAM 11<sup>III</sup>. DECEMBER 1738. John Sanderson. Richard Pr[ince].

#### Nº. 5.

TO THE HONOURABLE RICHARD BENYON ESQ<sup>B</sup>.

■ PRESID<sup>T</sup>. & GOV<sup>\*</sup>. & COUNCIL OF FORT S<sup>\*</sup>. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

Your Honour & c<sup>ts</sup>. favours of July 22<sup>d</sup>. and August the 21<sup>st</sup>. I have received by the Triton Gally & Ship Canterbury with regard to the first Paragraph, in Your Honour & c<sup>ts</sup>. favour of July 22<sup>d</sup>. relating to Saltpetre, as it is a prohibited Commodity, & what is brought down to Syrian, must be in the most Private manner makes the Price of it turn out to about twenty five Tec<sup>n</sup>.  $\mathcal{P}$  Hundred Viss; But was there or could there be a Grant procured from the King for the Liberty of Exporting Saltpetre and the Country without any hindrance make what they thought Proper it might be Provided at the Aldeas, where is it's Produce at about four Tecalls  $\mathcal{P}$ hundred Viss, & to what Weight there might be a Demand for.

I have Advised Captain Byers of Captain Clarke's Bond, to M<sup>r</sup>. Denny, and of my having received your Honours &c<sup>ts</sup>. orders to receive that Money here and remitt it over: But as M<sup>rs</sup>. Clarke his Widow is left sole Executrix, and she having appointed M<sup>r</sup>. Shelldrake at Bengall to have the Management of the Estate, he has wrote over to myself and M<sup>r</sup>. Byers, to remitt the whole to him, on M<sup>r</sup>. Byers informing me he did not think it was in our Power to discharge the said Bond, without M<sup>r</sup>. Sheldrake's Orders, I sent one of them received from Your Honour &c<sup>t</sup>. to Mess<sup>rs</sup>. Bennet & Comp<sup>r</sup>. desiring them to make demand of the said Bond there, at the same time advising M<sup>r</sup>. Sheldrake of it and desiring to know if he would have the Bond of Captain Clark's discharged by M<sup>r</sup>. Byers & myself.

The Carolina Sloop for which  $M^r$ . Dutton is come over has by the Conduct of the Builder been so much retarded that she will not be Able to leave this Port before the End of next Month which I am much concerned at having received Your Honour &c<sup>10</sup>. Orders to dispatch her by the 15<sup>th</sup>. of this Instant, Yet I shall Use all the diligence I can to send her away as early as possible.

The Stores sent over for the Corolina I have delivered into the Care of  $M^r$ . Dutton.

I inclose also a joint Letter from the Englishmen in this [Place] with Duplicate of a Letter to the King of Ava and one delivered to this Government, relating to an Insult received from them the 25<sup>th</sup>. September as in those Letters, is fully Remonstrated and set forth our Greivances, I shall not trouble Your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>t</sup>. with a repetition of them, but leave those Affairs to your further Consideration, as M<sup>r</sup>. Hyland and Captain Standard will be at the Coast they will be able to inform you more particularly what relates to this affair. I am

HONBLE SIE AND SIES

Your most Obedient Obliged and most humble servant

.27". DEC". 1738.

SYRIAN,

JOHN<sup>\*</sup>. SMART.

TO THE HONOURABLE RICHAED BENYON ESQ<sup>2</sup>. PRESIDENT & GOV<sup>2</sup>. & c<sup>2</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>1</sup>. GEORGE.

#### HONBLE SIR AND SIRS

We the distressed of English Nation in Syrian under the direction and influence of Your Honour &c<sup>t</sup>. & Subjects to his Sacred Majesty of Great Britain, most humbly beg to lay before you the heavy Greivances, We labour under from the Cruel oppressions of the Arbitrary Government of this Kingdom whereby not only our Properties but our Persons too are brought into the most Insecure & Precarious Situation and drive us to the Necessity of flying to Your Honour &c<sup>t</sup>. for Protection, from which alone it is that We can hope to be recovered out of our Melancholly Condition & Expect in future any Guard for the safety and Preservation of either our Lives or Effects.

And as the occasion of thus Addressing your Honour &c<sup>t</sup> is of the Greatest Importance not only to ourselves but Your Honour &c<sup>t</sup> who are largely concerned in this country & to other generous Adventurers, We make no doubt but that it will engage all your attention while we on our part offer to Your Notice the following Narrative supported with particular Facts & encline you to apply the proper Remedies for our General Releif.

Nothing is more Notorious, than that the English Nat[ion] had Granted to them by this Present King of Pegue's Grandfather very large Priviledges (a Copy of which is lodged with your Honour &c<sup>t</sup>.) which have since from time to time been violated and greatly broken in upon, so often and carried to such length's by the rapacious disposition and Maladministration of the Princes & Officers; Joined with him in the Government of this Principality of Syrian, that We can hardly say we enjoy any one of them agreable to the Intent and meaning they were at first given, For instead of a security of Our Persons, Freedom of Trade & Commerce to which We are entitled We have not only some of Us in the [m]ost Jgnominious manner been Unjustly put in Chains in the Cauza D'Fogo, But Groan under such heavy Impositions laid on our Trade [also], By the constant Charge we are at in Presents and other means for the most Trifling things we want to be done that we must deem our[lives] to be in danger as well as our Fortunes Exposed to utter Ruin, besides the great hurt & Discouragement it is to such Gentlemen who are so unhappy as to be concerned with us.

This said we are led to produce to Your Honour &c<sup>t</sup>. Instances (which we assure you are strictly true) of their having robb'd the English Nation of almost every one of those Indulgencies granted them, and in their room fixed many and Intolerable Hardships; They are

In regard to the first Article in which a spott of Ground was Assigned to the Company in Ava for their sole & proper Use, It is now entirely appropriated to the Use of Horse stables for the Armenians.

As to the second Article which gave the Company "a Grant or Licence to build any number of ships or other kind of Vessels they Pleased without Paying the Usual Customs for laying their Keels;" We assure your Honour &c<sup>t</sup>. That We can have no such thing complyed with but are obliged to pay for each Keel to the amount of Seven or Eight Viss of Silver which Liberty too must be procured from the Armenians.

The Third Article By the Present sent by the Royal George is renewed which till then had been taken from Us.

The fourth Article relating to the Liberty of Loading Timber Plank & c<sup>t</sup>. Is now entirely taken from us by the Government and sufficiently appears by the recourse M<sup>\*</sup>. Smart our Present Resident and [all] others have been and are obliged to have to the Armenians for such Liberty: They being the only Persons in whose Power it is at Present to Lay a Keel or Load a Vessel, or give the Liberty of doing of it Which is Plainly Instanced by the Application M<sup>\*</sup>. Smart was obliged to make to Coja Zachara, & Jacob, in loading the ships Galatea, Rockingham, Kent & Hodge's ship as well as that of Captain Byers and M<sup>\*</sup>. Golightly's to Coja Simon.

õ

By the Fifth Article the Prince and Government of Syrian are Divested of all Power to intermeddle with Englishmen Insomuch that they are not [allowed] to take notice of any Part of their behaviour much less of seizing and Imprisoning their Persons & Confiscating their Goods, But are ordered and directed that if any Englishman should do amiss, that he shall come under the Cognizance of the Resident only.

This being the most valuable Priviledge granted to Us and lying nearest to our Hearts We must beg leave to take more than Common notice of; In the laying before Your Honour &c<sup>t</sup>. a late very great Infringement of this Priviledge, Tending so much to the Mischief and Disgrace of those that call themselves Englishmen.

Your Honour &c<sup>t</sup>. will therefore Please to Understand that Captain Thomas Wright being obliged to Transport two Chests of spice from one House to another on the 24th. day of Septr. last, was thereupon called before the Prince and told that he had run One Chest of arms & One chest of Spice, and for which he himself must go to the Cauza D'Fogo and suffer a Forfeiture of the Goods; Captain Wright that he had left those Goods with Captain Stevens on his Departure from this Place last Voyage and was then bringing them home; upon this the Prince letting him understand, he expected a Piece of Paintings for a Present and he Promising to give it to him he set him a Liberty; On the day following being the 25th. of the same Month. he was summon'd to the Rounday where he declared as above and that he had brought Evidence to Prove what he had before told the Prince, This however Availing nothing he was there at the Rounday seized in a Publick & Shamefull Manner and hurried to their Common Prison or Cauza D'Fogo & Loaded with Irons like a Common Fellow, and a Number of their lower Officers were sent to his House [who] Forcibly broke open his Godown, took out his Goods and would have carried them off, If they had not been prevented by Captain Stevens; Mr. Smart and several other Gentlemen, while this was doing being at the Custom House clearing the Goods of the Canterbury, & hearing of these Violent Proceedings, immediately ordered the Goods again into the Godowns and retired to the Factory, where the Resident was no sooner arrived, but be summon'd all the English to meet in Arms, On which occasion We all met as well as Nawagee under the Influence of the Nabob of Gangam and Abraham Sob, as thinking themselves under the English Protection and [equally] agreived and marched with Us to the Princes house to demand the Reason of such Arbitrary Proceedings and insisted on his going to the Rounday and there declare the motives he had to do so, which he was at last influenced to do; When We arrived at the Rounday where the whole Government was met, The Prince desired to know why we came there in that manner, meaning in Arms, We told him that it was because he had without any shew of Justice and Contrary to all Preceedents and our Priviledges thrown into confinement the Body of an Englis[h]man in an ignominious manner and Seized upon his Effects and not knowing from thence, but that it might be our own Fate appeared in Arms for our Common safety; He thereupon replyed with a good Deal of Fear & by way of Excuse, That He was but Just come to the Government & Ignorant " of the manner "of behaving towards Strangers and he was led to Act so by the Evil Council he "had received from some of the Government, but should take care in future that "nothing of that kind should happen again, promising at the same time that if "any of the Englishmen, or any other stranger should Commit a fault or be guilty " of any Enormity they should be complained against to the Resident for the time " being, and he should deside and give Judgement on all affairs relating to the "English Nation, Agreable to the Priviledges granted to them under this Article." Upon receiving this answer from the Prince, althô the assurance of Burmars are not to be relyed on, and telling him We should in a few days deliver in a remonstrance to the Rounday of many other Greivances; We retired to the Factory in the same manner we went from it, without suffering the least insult or rude behaviour to be committed by any of our People, to Convince them that our Proceedings resulted not so much from any design We had of Warring with the Government, as from a Principal & fixt resolution of defending the right we have enjoying freely our Lives and fortunes.

1738-39 - 2

Nor can we have less to Complain of, Under this Head of their searching in a forcible manner even the Factory without the least Glimpse of a Cause given for such uncommon proceedings in the Month of March last in relation to some Goods which were actually Loaded [on] board a Boat & designed to be carried to the Alfantigo, but was Prevented and seized upon as Goods designed to be run, by the hasty and eager manner of the Dispatchadores going on board; This shurely cauld be deemed no fault, since they use such methods as it is impossible but they may make a handle of for such Unjust Proceedings.

From hence too arose a Shew of Inclination of researching all such Vessels as had been already visited, in order to gain, We suppose large Presents, from an Apprehension they had that We would Comply with any Terms rather than have by such means our Business retarded, which would Infallibly have been the Consequence; But We beleive their fears releived Us from this inconvenience, and is the reason they have not thought of it since.

The Sixth Article of our Priviledges Contain a Prohibition from the King of, " All Mangojees entering within the Limitts of the English Bounds without Carry-" ing with them at the same time one of the Kings Linguisters to inform the Chief "or Resident with their reason for so doing, and then to Act as He should direct "them ": But instead of Enjoying this freedom We have had it often times broke in upon among which We shall take the Liberty to avoid Prolixity to mention only one Instance which offered on occasion of the Launching of Two Sloops at the Factory, When the Officers belonging to the Cauza D'Fogo without any Previous Notice given to the Resident came in an Insulting manner and asked the Mestrees who had the direction of building those Vessels, how they dared to put them in the Water without leave first had from the Rounday? Which behaviour being directly opposite not only to the Liberty the English are allowed under this Article, but to the second and Eighth, The first of which "Granting Liberty to build as many "Vessels as the English thought Propor", & the other "Ordering the Government "to assist them all they could in the Building", Induced the Resident to Chastize them, upon which the Rounday complained to the King who sent a Hussain down to enquire into the matter, The Resident accordingly attended on the Government & gave such reasons for so doing, as were approved of by them and the Old Prince then in being.

The Seventh Article relating to the Liberty granted to the English of "Seizing " and Imprisoning all such Persons who shall be Indebted to them and keeping them in Confinement till they shall give satisfaction", hath also been greatly Preverted ; For now if We take any such Person into Custody, some of the Government immediately send for them, alledging they are Indebted to them, and if they are not immediately released, the Consequence is a full Stop to all our Business, a Particular Instance whereof happened on Dispatch of the Ceres in the Month of July 1736 by which means all Business relating to that Ship was retarded five days, besides the further hardship of not being able to get our Money from those whom the Government by these Practices keep under their Protection, for the sake not only of holding us in servitude to them, But squeezing Presents from those seemingly thus Protected out of Kindness and Friendship.

The Advantage of the Eighth Article in "Ordering the Government to be "Assisting to Us in the Building of our Vessels", is almost Lost to us in Effect, For besides what we have mention'd in the Sixth Article of this and the second, We are here to observe that although the Government do not send an armed Force to take away the People We employ in Building. Yet by their Extorting Money from such Workmen induce them to lay a higher Price on their Labour which in the End bring the Burden upon our own shoulders and not only tends to the ruin of our Fortunes by swelling the Expence of Building, but of hazarding our Reputations with those for whom We build; Who are apt to entertain thoughts on such Occasion no way to our advantage.

By the Ninth Article We have Licence from the King to Build what Brick Godowns We Please; "This it is true We are still in possession [of], But then you will please to observe that by the Governments send[ing] to, & demanding of every".

Person who Builds a Godown for the Security of their Goods or those of their Employers from thirty to a Hundred Tecalls, It is so farr embarrased that we are almost thrown out of if, [and] if We do not submitt to this Exaction of theirs We are threatned our Godowns shall be Pulled down.

We are now come to the Tenth and Last Article of the English Priviledges by which We are entituled to a "Free Liberty of Exporting of Goods from Ava and "other Places from this Kingdom down to Syrian without any manner of hind-"rance or Molestation". This is most certainly a most Valuable Priviledge as it takes into it the whole Circle of our Traffick and without which it would be the greatest Vanity to think of comming into these Parts, But the more valuable it is to us, the more we have to complain of our being entirely deprived of it, by the unnatural and underhand Practices of those who ought from the Indulgencies and many favours they have from Time to Time received from Your Honour &ct. to behave with more gratitude towards you, and with more Humanity towards the English Nation in general than to take hold of every opportunity which offers to distress them, stealing dayly from us some Immunity or other and Procuring the same to themselves: Those we now speak of, We are sorry to say are Coja Simon, Coja Zackara, Coja Aveat & Coja Moses, Who have got so much into Credit with the Government of Ava that they have Procured to themselves the whole & Sole Liberty of sending away Goods from thence and take upon them to stop all such as belong to the English and other Merchants of different Nations what time they think proper, and if they do condescend at last to let them go it is always attended with very heavy Expences arising from the sums of Money they Extort from Us and those We Employ for their Licence and exposes us to the Mischievous consequences of not only having our Business retarded to our very great Loss, But prevents our making of returns to Madrass in the Proper season, much to the disadvantage of Your Honour &c<sup>t</sup>. and others who are [lagely] (sic) concerned in this Country, Nay further their Power is grown so [ex]orbitant, That if we want to send a Boat up any of the Neighbouring rivers about Us for Wax &c<sup>t</sup>. We are obliged first to apply to Simon or Zackara before We can do it and take out a License in their Names; Thus much said We must now beg leave to offer to Your Notice the free declaration made before Us by one Saffar a Merchant with whom We have very large Dealings as well as several other Instances we are Acquainted with, for a Proof of what we now Assert.

Coja Saffar declared before Us, that he was Indebted to M<sup>r</sup>. Smart to the amount of Tecalls 18743; for the paym<sup>t</sup>. of which he had provided Goods, and had them ready on Board of Boats at Ava to send down to Syrian time enough to have loaded them on board of Vessels going to Madrass last February, but was prevented by an Embargo the Armenians above mentioned at that time laid on all Boats, so that he was obliged to stay there till the Month of Aprill before he could procure Liberty for the Dispatch of two Boats on which he was Permitted to lade Hartoll & Sticklack to the amount only of 35 Viss of Silver at the Expence of Five hundred Tecalls, He after this remained at Ava till October, notwithstanding all the Methods he made Use of for getting his Boats away sooner, nor would have been able then to have them sent down if he had not submitted to the Expence of Fifteen hundred Tecalls, the whole amount of the Goods sent by these Boats being no more than eight thousand Tecalls; He further declared that he has at this Present time sufficient in Ava to discharge the whole of his Debts, but his Agents cannot procure Liberty of bringing his Effects away, altho they have already put him to a very great expense in the endeavours they have made towards it.

• One Owannes Saffar agent for Coja Petrous Usekan in Madrass having Provided a large Quantity of Teeth in return for the Goods he carried up to Ava and was in readiness to bring them down time enough to carry with him to Madrass the last Season, was obliged after he had been at the Charge of Three hundred Tecalls to procure Liberty to bring them down, to come away & leave them behind him where the Goods remain to this day.

Another one Sultan Boy by name, Agent for Captain Timothy Tullie, having •also Provided a large quantity of Teeth in Ava, after a very great expense for Liberty was obliged to come away in the same manner and leave them behind him.

These are a few of many Instances we are capable of giving, But to avoid being troublesome have not ennumerated them presuming that what we have already offered will be sufficient to support our assertion without Wearing out your Patience with a larger detail, but shall wind up what we have further to say under this head, with a short Example of their Arrogance, which sufficiently appeared in Coja Simon's sending for the servant of the above mention'd Goja Saffar, and Peremptorily ordered him to tell him, what Quantity of Teeth he delivered at the Factory out of his Master's Ballong's? The Servant informing of him that the Quantity was but trifling, He thereupon in an angry & Haughty Tone answered "That he knew well enough what he had brought and ordered him to acquaint him who it was that dared to give him the Permission to bring any thing down from Ava"? These Instances We are led to beleive will with your Honour &c' amount to a Demonstration that all or most inconveniences & hardships our Trade and Business at Present Labour under proceeds Chiefly from the destructive Schemes Pursued by the Armenians in order Totally to supplant Us to the Advantage of themselves.

[Thus] we have presumed to lay before the Consideration of Your Honour &c<sup>t</sup>. a State of our dangerous Scituation and hope to be excused for so long a Trial of your Patience by the absolute necessity, We have been thrown into of making known to you the deplorableness of it, which has reduced us to so low a state of Despair that We cannot but with the utmost Horror look upon the approaching ruin which must be the consequence if no timely remedy is applied to prevent it by your Honour &c<sup>t</sup>. Wherein too not only ourselves will be involved but many other Gentlemen our Cre[ditors] and Employers for if We are thus miserably allowed to be torn [to p]ieces by the Wiles of Armenians who in a manner live by your Mercy [w] hat may we not expect from those who entirely Independent and wha[t] A.ccount too can be expected from Us of Your Honour &c<sup>ts</sup>. Effects under our Management.

If indeed [we] could think ourselves capable of advising Your Honour &c<sup>t</sup>. our Necessities might Perhaps have Tempted Us to Point out such Methods to be taken as are most proper to remove the Evils we Complain of, and, be further troublesome in our Information of the Extraordinary advantages might accrue from a Freedom of Commerce not only to Your Honour &c<sup>t</sup>. and those who come here by your Permission, but the Honourable United Company by as large Investments of the best Saltpetre as there should be an annual call for, But as this would be a Piece of Conduct in Us no ways agreable to that Consiousness We have of Your Superior Knowledge It is our Duty to be silent and with all Humility submitt to Your determination.

We have only to add that We take the Liberty to Inclose Copies of our Letter to the King in Relation to the Imprisonm<sup>4</sup>. of Captain Wright and what happened thereupon and of our Remonstrance to the Rounday and that We are

#### Syrian

16<sup>\*\*</sup>. October 1738.

#### HONBLE. SIR AND SIRS

Your most Obedient Humble Servants.

| F. GOLIGHTLY. | J. SMART.    |
|---------------|--------------|
| A. GLEN.      | J. BYERS.    |
| T. PRICHARD.  | C. HOPKINS.  |
| W. HOLMES.    | J. STANDARD. |
| [] [TORNBRY.] | S. HYLAND.   |

LETTER TO THE KING OF AVA DATED 2<sup>b</sup>. October 1738.

#### WE YOUR MAJESTY'S &CT.

Jonathan Smart Resident for the Honble English Company and all the English, Moors and Malabars residing at Syrian, Beg leave in the most humble manner to kay before your Majesty the following information of what happened here the "25<sup>th</sup> of September 1nst<sup>5</sup>. which We shou'd not have troubled Your Majesty with but from an Apprehension that the Affair may be mis[repre]sented, with a view to deprive us of that favour which We have so [long] enjoyed from Your Majesty and Your Royal Predecessors.

Captain Thomas Wright an Englishman under the Compy<sup>s</sup>. protection, being [sent for] by the Prince was questioned about a Chest of Arms and auother of sp[ice] said to have been Carried to His House? to which he replyed that two Chests had indeed been carried to his House at Noon day, but that there was no Arms in them, that they both contained spice which had been brought into the Country a Year ago and not being able to sell them, he had left them with a Friend to dispose of in his absence on a Voyage to Bengall; The Prince was pleased to tell him notwithstanding that, he must be sent to the Cauza D'Fogo, against which Captain Wright pleaded the Priviledge of the Company, requiring that if he must be a Prisoner, it might be in the Factory, where the Resident would be answerable for his appearance at Your Majesty's Rounday, when called upon.

Whereupon He was allowed to return to His House, about Noon the same day he was called before the Rounday & then took with him the Person with whom he had left the spice to make Oath of the same; But instead of hearing what he had to say in his defence, or Examining the Evidence He was told the story was to Long to be discursed then. That he must be sent to the Cauza D'Fogo, and the Two Chests be sent to the Alfantigo and accordingly he was immediately carried to the Cauza D'Fogo and put in Irons, his Godown forced open and the two Chests [which] both were spice as he had declared were carried by violence out of his House.

We Your humble servants above said being fully informed of all this and duely considering the great injustice of ordering an Englishman to the Cauza D'Fogo uncondemned and even Unheared contrary to the Fifth Article of the Priviledges granted them by Your Royal Grandfather and hitherto maintained by Your Majesty, the Greivous affront that it was to the English Nation, and the dangerous preceedent such [Tyran]ical proceedings might prove to our Persons and Estates, immediately assembling went in a body to the Princes house and least We [shall] be insulted as Captain Wright had been, each man carried arm [s to] defend himself but without offending any Person or Offering the [least Viol]ence, We only insisted on the Princes going to Your Majes[ty's] Rounday to hear our Complaint as We shall always look on that the proper Place to represent our Greivances in; The Prince complyed with our dem and going a near way whilst we marched about.

In the Rounday we complained of the Injury done us in the Violation of our Priviledges but withall represented in the Civilest manner, that we were not come as soldiers to offer any Violence notwithstanding our arms; But as Merchants to remonstrate cur Greivances. The Prince was pleased to acknowledge there had been an Error committed, which was to be imputed to his being new as yet in the Government, and We again made an Apology for our coming armed. We then remonstrated that We had for some Years lay under many oppressions, which We would lay before him in Writing, upon his promising to hear our complaint & do Us Justice We all returned home without Occasioning the least disturbance in the City.

We now beg leave to put your Majesty in mind of the Ancient Amity and good correspondence between Your Royal Predecessors and the Honourable English Company the Benefits that have accrued to Your Kingdom from the Commerce of the English, The good Treatment, Your Noquedabs meet with at Fort S<sup>t</sup>. George that We have good reason to beleive they often attribute to themselves the Honour

1738-39-3

which is done them only on Your Majesty's Account and lastly we hope Your-Majesty will consider Us as Your faithfull humble Servants who are ready at all times to defend these Marantime frontiers of Your Dominions against all Invasions from the sea, and to stand up in defence of Your Royal Person against all your Enemies: it is therefore with some reason We claim Your Majesty's protection and Intreat You will Issue out Your Royal Orders, that our Priviledges may, be maintained to Us as formerly.

We have only to Intreat further that Your Majesty will gra[ciously] accept a Present of War like Stores Viz<sup>t</sup>: Three Chests of Arms co[ntai] ning thirty Peices, One Barrell of Gunpowder, & Two hundred Viss of Brimstone, which We pray may be successfull in Your Warrs to the destruction of the Enemies of Your Royal Person and Government.

SIGNED BY JONATHAN SMART in behalf of the English Nation, By NAWAGEE Agent for the Nabob of Ganjam, & By IERAM SOB.

#### TO THE GREAT AND ILLUSTRIOUS KING OF AVA.

The Honourable Governour of Madrass for many Years past under the Direction of one Chief of the Company with Liberty of Your Royal Majesty and Your Predecessors to make contracts in Your Majesty's Kingdom, have by these favours to Us, intrusted our Estates in this Country, but Contrary, day by day, Months by Months, Years by Years, these Libertys are all lost, and all our old Customs, the Expences of our Shipping by the Extraordinary Presents we are obliged to give, are double to what formerly they were; We for this reason do not care to trouble Your Royal Majesty have not before wrote you on this subject, but are now to Advise if the Prince or Government Care to take Presents out of our hands, to make Story's with us Strangers, they Summon Us to the Rounday, and if not gratified put us in the Caza D'Fogo, with [three] pair of Irons; therefore I Jonathan Smart Resident in behalf of my Nation, was obliged to go to the Rounday, with the People under my Direction to ask Justice, for what reason and fault they had put one of my Nation into the Cauza D'Fogo. The Governours told me to enquire of the Prince; The Prince did nct care to go to the Rounday, for this Reason we were obliged to go to the Prince's House, and there to desire of him to go to the Rounday, to declare for what reason he had put an Englishman into the Cauza D'Fogo, at his Arrival there he Answered, I am a new Prince and do not know any thing of this Affair: I aft[erward]s enquired of the Governour's & Ouvedores the same Reason [for] which they gave no Answer.

Fu[rthe]r than this for the service of the King's ships, they take out of our hands, Timber, Plank, Iron, Masts, and all that they want for their service to return us again, when we demand a Restitution of these things borrowed of Us we are sent from one Place to another, and so put off that we can have no Restitution.

This we think much out of reason as these several things are taken out of our hands for the service of the King. This and a thousand such stories Y<sup>r</sup>. Royal Majesty know's not at all, yet we go on to serve Your Majesty in Your own Country the same as in Madrass, the good will we bear for your Majesty's service, Your Servants take care not to give you a right information of.

#### No. 6.

#### MADRASSP'TNAM

#### Aan den Wel Edelen Gestrengeen Heer

#### RICHARD BENYON

• PRESIDENT EN GOUVERNEUR VAN'T FORT ST: GEORGE, EN DE CUSTE VAN CHOROMANDELL, &CT. &CT. VAN WEGEN DE RECHT HONOBABLE ROYALE ENGELSE OOST INDISCHE COMPAGNIE, NEVEN'S DEN RAAD ALDAAR.

#### WEL EDELE GESTBENGEN HEER EN WAARDE VRINDEN.

Wÿ mogen niet na[g]aten UEdelen bekend te maaken, dat wÿ schrÿvens van Mallaabar heb[ber] gekreegen: dat 'en seekere tÿdinge ' uyt Europa over Aleppo te Bombay s[...]de gekomen sÿn, als dat in de maand Maÿ des Voorleeden Jaars den Oorlog tusschen den Kaÿser, de koningen Van Engeland, en Portugûal nevens Haar Hoog Mogende de Heeren Staaten Generaal der Vereenigde Nederlanden ter Eener Zÿde, En de Croonon Van Vrankerÿk en spangie ter Andere Zÿde soo Goed als gedeclareert was. metsgaders dat'er twee geconbineerde esquaders van eerst gemelde Mogentheenden, in Zee gestooken waaren, waarvan het eene na de Middelandse Zee, en het andere na de Spaanss West-Indien de stee vens gewent hadden. Ook hebben, wỹ uyt Persien beright, dat de Paters Capucenen te Spahan in de maand Augustus des Voorleeden jaars Van Eenigne uÿt hún ordre te Diaar beeker tydinge soudé gekreegen hebben, dat voormelden Oorlog al gede-Clareert was: bÿ aldien U: Edele eenige nadere confirmatie dien aangaande mogten bekomen, versoeken wÿ dat UEdele ons deselve gelieven te communiceeren: als meede dat UEdele addeesse gelieven te verleenen a an de Ingeslotene na Bengall Waarmede na Cordiale groete Verblyven.

> WEL EDELE GESTRENGE HEER EN WAARDE VRUNDEN.

NAGAPATNAM

IN'T CASTEEL DEN 18<sup>th</sup>. JAN<sup>RY</sup>. 1739. DIENST WILLIGE VRUND EN DIENAREN

UWEL EDELE GESTRENGE

C. L. VAN DRENTELEN. JAN MARTENSZ J<sup>3</sup>. F<sup>3</sup>. Rÿnjak Louis Grunavia A. Velge [n] JACOB MOSSEL B. V. DUIP I<sup>c</sup>. D<sup>8</sup>. AAFONSECA J. H. PANHUYS

#### TRANSLATE.

TO THE HONBEL RICHARD BENYON ESQ". PRESIDENT AND GOVERNOUR &O". COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

#### HONBLE SIE & WORTHY FRIENDS

• We cannot omitt acquainting Your Honour &c<sup>t</sup>. that we have received Letters from the Mallabar Coast with Advices that News was received at Bombay from Europe via Aleppo, that in the Month of May last a War [was] near being declared between the Emperour, Kings of England a[nd] Portugal and their Hight Mightynesses the States General on [one] side and the Kings of France and Spain on the other side; Tha[t li]kewise Two Squadrons of English and Dutch were actually [at Sea] the one for the Mediteranean the other for the Spanish West Indies.

We have also News from Persia that the Capuchin Fathers at Ispahaune had advices from some of their Order at Diaar Beeker in August last that the before mentioned War was declared: if Your Honour &c<sup>t</sup>. has any later advices than the above We desire you will be so kind to Communicate the same to Us, and to give a Conveyance to the accompanying Packet to Bengall, We are with Cordial Respects

#### HONBLE SIR & SIRS

Your ready Friends and Servants

NAGAPATNAM 18<sup>th</sup>. Ja<sup>by</sup>. 1739 N.S.

#### JACOB MOSSELL &C<sup>T</sup>. COUNCIL.

#### Nº. 7.

To THE HONBLE RICHARD BENYON ESQR. PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

Our last Adress was by the Ship Princess Mary Captain George Marti[n] whom we Dispatched to your Honour &c<sup>\*</sup>. on the l4<sup>th</sup>. Instant [from] Ingelle and hope she is safe arrived with you.

We have now to request that only one third of the Treasure th[at m]ay be ordered by our Honourable Masters for the Use of this Settlement be Coined into Rupees as the impediment to the Currency of them still continues and that the first supply may be sent us in Bullion and further as We are in Want of Money for an Investment We beg that you will spare Us as much as Your stock on Hand will admitt of and send it Us by the first good Conveyance.

We are with respect

FORT WILLIAM

25TH. DEC<sup>B</sup>. 1738.

HONBLE SIR & SIRS

Your most humble servants.

JOHN STACKHOUSE. THOMAS BRADDYLL, FRANCIS RUSSELL, JOHN FOSTER. W. DAVIS. WILL: BARWELL.

#### Nº. 8.

TO THE HONOURABLE RICHARD BENYON ESQ<sup>B</sup>. PRESID<sup>T</sup>. & Go<sup>B</sup>. & c<sup>T</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>T</sup>. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

The 24<sup>th</sup>. Instant M<sup>r</sup>. Sanderson and Family took their Passage on board the Miss Jenny Brigantine which sailed from hence that Evening.

Inclosed I have sent your Honour &c<sup>4</sup>. Dupli<sup>ots</sup>. of our last General Letter [and] Invoice and Bill of Lading for Thirty Bales of Sallampores put on board the Miss Jenny.

Whenever any thing Material occurs I shall let slip no opportunity to inform Your Honour &c<sup>1</sup>. of it; In the mean while I beg leave respectfully to subscribe myself.

VIZAGAPATAM 26<sup>TH</sup>. DECEMBER 1738. Honele Sie and Sies Your most Obedient humble servant, Richard Prince.

#### Nº. 9.

To the Honourable Richard Benyon Esq<sup>\*</sup>. Presid<sup>\*</sup>. & Goy<sup>\*</sup>. & c<sup>\*</sup>. Council of Fort S<sup>\*</sup>. George.

#### HONBLE SIR AND SIRS

• Beleiving the Godolphin is nearly on her Dispatch for Europe, We now send our General Books ending in April last, with such other Papers and Accounts as are Yearly sent Home to our Honourable Masters, and shall now take notice of what most material has occured in their affairs here since our last annual Letter Dated the 27<sup>th</sup>. of January last, under the Established Heads, having no Parra<sup>s</sup>. of the Honourable Company's Letters to reply to and first for

#### INVESTMENT.

This has been carried on all this last Year in the same manner it was the Year Preceeding and by the same Merch<sup>15</sup>. Nella Tomby and Shacup Tomby, by way of Brokerage, except in the Blue Cloth and Dimities they being allowed half a Pagodas  $\bigoplus$  Corge for the Long Cloths and a Quarter of a Pagoda  $\bigoplus$  Corge for the Sallampores for their trouble and [Risque] we would gladly have got more Merchants to have joined with them for the greater security and in hopes thereby to have been able to have Provided a greater quantity of Goods but We could not prevail upon any others to come in upon the same Terms. which they reckoned not Equivalent to the Risque; by the List inclosed Your Honour &c<sup>t</sup>. will observe that the said two Merchants have brought in 1021 Bales Embaled of which 698 have been sent to Madrass, and of the remaining 323, Part are sent and the rest ready to be sent on board the Princess Mary, besides which we have at [the] Washers and Beaters 431 Bales and at the Dyers 21 Bales, in all 14[73] Bales, which is the whole of what brought in from February last to this time.

The Unusual rainy and clouldy [sic] Weather We have had even this Month. has exceedingly retarded the Curing our Cloth otherwise we should have been able to have made up by this time Yearly as many Bales as the Princess Mary would have had occasion for : The Prices of the Cloth are the same as they were in what sent Home in January last Year, except a small increase of an Eighth of a Pagoda 39-Corge in the Salem, which we find notwithstanding our repeated Directions to our People there to be carefull in sorting it does fall off something in the goodness it was last Year, and is therefore sorted to something lower numbers than it was then however in the Main We think it a Good Cloth and hope it will be acceptable to Our Honourable Masters, and We shall Use our endeavours after ours and the French Ships of this season are sailed, to get an amendment in the fabrick of this Cloth if possible, The Chemanackpoll<sup>m</sup>. Cloth is a much more uneven and worse wrought Cloth, which, thô We often turn out much the greatest part of what is brought in Brown, Yet we find we cannot bring the Weavers to make it of a better Texture as we should not be able to get a sufficient quantity of Salem Cloth alone we in Conformity to Your directions of the 21st. of February and what wrote Your Honour &ct. from hence of the 2d. of March find ourselves obliged to take in what is tolerable of this Sort, which is for the most part a Cloth of good substance thô ill wove, it has proved of late considerably worse than in the beginning of the Year, so that we have now put a stop to taking in any more for this Season, till they alter their Looms and work it better, which they promise they will do after the French Ships are saild. We have bought this Cloth for something lower Prices lately than at first, by which means though there are much more of the lower Numbers than last Year, yet it turns out at the same Price for each Number. The Long Cloth Ordinary seems to Us to be a good sort of a Cloth and holds out to the Price last year; the Blue Cloth We agreed with the Merchants for at the Price given for that Cloth two Years ago, and We think this now provided full as good for the Cloth, and much better [d] y'd of this We sent up to Madrass in September 21 Bales, and shall Lade on board the Princess Mary 45 Bales, in all 66 Bales being nearest the quantity We were ordered to Provide in Your Letter of the 9th. of May, the Sallampores the but very few are partly brought from without and but a small part. 1738-39-4

made in our Bounds, and We have as We observed last Year but little hopes of bringing about the desirable Work of having much Cloth proper for the Company made in our Bounds, for the reasons We then gave which still subsist.

The 200 pieces of Dimitys Your Honour &c<sup>t</sup>. directed to be provided, were agreable to Your orders of the 18 of December last, sent on board the Devonshire the 9<sup>th</sup>. Instant, being the first Conveyance that offered, but the Wind having con-, tinued ever since notherly that Ship is still in sight.

Our last Contract Merchants delivered Us in November last accounts of Losses sustained by their Three last Years Contracts with the Honourable Company and their Petitions thereupon, which are entered in our Consultations of the 23<sup>d</sup>. of that Month, and We transmitted them the same day to Your Honour &c<sup>t</sup>. just as We received them they are often making Complaints to Us on this Account, and though we are apt to beleive they have Magnified their Losses much beyond the truth, particularly in the Years 1734 & 1735 Yet we cannot but think they were very considerable sufferers by their Contracts in the Year 1736.

#### **REVENUES**.

We are sorry to observe to Your Honour & that the Arrack Farm kept in the Company's Hands produced for the last Year no more than Pag<sup>8</sup>: 573. 5. 60 which is Pag<sup>8</sup>. 167. 12. 40 less than the Year foregoing, the Chief reason for this decrease is from the continued dearness there has been of Provisions, but for a more particular Account thereof We beg leave to referr to M<sup>r</sup>. Floyers report entered in Consultation of the 19<sup>th</sup>. of October, and Mess<sup>18</sup>. Croke, Eyere [sic] and Allen their Report entered in that of the 31<sup>st</sup>. of that Month; We at last prevailed with our Bound renters to take this Farm at Pag<sup>8</sup>. 800  $\oplus$  Year, which we think will be of much more service to the Honourable Company, than collecting it on their Account.

The Customs are on the whole decreased this Year Pag<sup>s</sup>: 268. 6. 20, from what they were last, the reasons for which given in the Accountants report inclosed, we beg leave to remark that there had been last Year so considerable an increase on this head as Pag<sup>s</sup>. 813. 34. 50, so that thê they a little fall short of what they then amounted to, they still come to a good deal more than they used to do some years ago, and We may assure your Honour &c<sup>t</sup>. that we are not wanting in our endeavours to promote this branch of the Company's Revenues as much as We can.

#### EXPENCES.

The Charges this Year amount to Pagodas 24246. 25. 43 which is Pag<sup>s</sup>. 243. 9. 21 more than the preceding year, for the particular exceedings or Decrease in the several Articles We referr to the Accountants report inclosed, and shall only observe that having had this last year two Company's servants more than for some years before, their Diet Money, Salary and Allowances have principally occasioned the mentioned increase; We beg leave to assure Your Honour &c<sup>s</sup>. that we shall always be carefull as far as lyes in our power to prevent the Expences swelling, and shall endeavour to diminish them whenever we have an opportunity.

#### BUILDINGS.

We have at length finished all the Buildings and Repairs ordered in November 1733, and in May and November 1737, a state of which is in our Pay Masters report Inclosed, wherein the Disbursements under the several heads are compared with the Estimates, and upon the whole there is an Exceeding of Pag<sup>s</sup>. 71. 4. 14 which We think may reasonably be imputed to the further Damages the Buildings might sustain by the several Monsoons, from the time the surveys were taken, till they could be fully compleated. It was very happy we had paved the Wa'ls of Cuddalore and that the other Repairs were nearly done before the Monsoon set in, otherwise they must have suffered greatly by the extraordinary rains which We have had this Year, which have been greater and continued longer than has been

known for these twenty Years past, notwithstanding which the Company's Buildings have sustain'd little or no Damage thereby, We shall take care to keep the Buildings in General in Constant Repair for the future, and by that means prevent them from falling into so bad a Condition as several of them were in when Our Honourable Masters directed a General Repair in the Year 1733.

#### DEBTS.

The Debts upon our General Books ending in April last, are nearly the same as they were the Year before, We have contracted no New ones, nor has any thing been recovered of the former ones, except P<sup>s</sup>. 225. 24. 4, received at Madrass of the Administrator of M<sup>r</sup>. Kobert Berriman deceased as advised in Your Honour &c<sup>ts</sup>. Letter of the 21<sup>st</sup>. February last, By the List of Debts inclosed Your Honour &c<sup>t</sup>. will observe that Sadashavarow, Vengapa Chitty &c<sup>t</sup>. Merchants, yet stand indebted upon the Books Pag<sup>s</sup>. 500, for so much stole from their Peons in the Country going to Salem three Years ago, which we have not thought Yet proper to Press them to the Payment of, for the reasons given in our Letter of the 2<sup>d</sup>. March last, as We are also yet in hopes that Money may be recovered from the Country Government.

#### COVENANTED SERVANTS.

M<sup>r</sup>. Robert Cæsar Dyed the 25<sup>th</sup>. of September last intestate, and as nobody cared to Administer, his Effects were delivered to the Paymaster and Secretary agreable to Your Honour &c<sup>ts</sup>. Orders, but the Money is not yet all collected, they inform us that by what yet appears to them, there will be but barely sufficient to pay his Debts.

#### MILITARY & PEONS.

For the State of these We referr to the accompany<sup>5</sup>. Muster Rolls, no considerable alteration has happened in this head since last Year, except that Lieutenant Amyand was sent down to succeed Lieutenant Hollond who was appointed to reside in Madrass, and his Commission was read and delivered him the 13<sup>th</sup>. of February last.

We advised Your Honour & c<sup>t</sup>. in our Letter of the 22<sup>d</sup>. of November all that concerned the French Europe shipping to that time, and shall now proceed to inform You of what advices we have had relating thereto since The ships that passed our Road the 22<sup>d</sup>. of September proved as we imagin'd the Dauphin from France Commanded by Monsieur Planches, who sailed the 24<sup>th</sup>. of the same Month for Bengall. The 5<sup>th</sup>. of October the Bourbon and S<sup>t</sup>. Gerant sail'd for France, their Cargoes being the same as are set down in our abovementioned Letter, except an addition of 32 Bales in afterwards laden on board the S<sup>t</sup>. Gerant, making the Number of Bales by that Ship 1232. On the 13<sup>th</sup>. of the same Month the Phenix Captain Butler was dispatched for France laden with 1500 Bales of Callicoes, 300 Candy of Pepper, 200 Candy of Redwood and 25 Chests of Cardimums.

The 25<sup>th</sup>. of November the Appollo Mons<sup>r</sup>. Le Metris Commander arrived at Pondicherry (having lost her Passage to Mergy) as did the La Paix Mons<sup>r</sup>. La Bouchiere the 29<sup>th</sup>. of December from Acheen; the former saild for France the 7<sup>th</sup>. of this Month, having on beard 990 Bales of Callicoes of which 600 were Long Cloth and Sallampores, and 390 Gingbams and Handkerchiefs with 140 Candy of Pepper, 300 Candy of Redwood and 20 Barrs of Gold to the Value of Pag<sup>e</sup>. 20000, They have begun to Load the La Paix having already put on Board 500 Bales of White Cloth and 1500 Bales of Blue she is designed to carry 1400 Bales.

The Portugueze Ship Tempest Milner Supra Cargo, Arrived this Morning at Pondicherry with Rice, which they Design to sell there, and we beleive will afterwards proceed to Porto Novo to take in the Bales they have made up for Europe, which We are informed are to the Number of 395.

What we mention'd in our last Years Annual Letter of that ship's being designed for the Malabar Coast was Agreable to the Advices we had then received, but it proved otherwise, and she then only touched at Pondicherry where she sold her Rice and proceeded from thence in February last to Bengall where she continued till the latter end of last Month.

We are

FORT ST. DAVID

18<sup>TH</sup>, JAN<sup>RY</sup>, 1738/9.

#### HONBLE SIR AND SIRS

Your most abedient Servants

JAMES HUBPARD. Edward Croke. Thomas Eyre. Edward Harris. Robert Allen. Charles Floyer.

#### Nº. 10.

TO THE HCNOURABLE RICHARD BENYON ESQ<sup>B</sup>. PRESIDENT & GOV<sup>B</sup>. & C<sup>T</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>T</sup>. GEORGE.

HON'BLE SIR AND SIRS

We have received Your favours of the 20<sup>th</sup>. & 22<sup>d</sup>. of January the first accompanying Pag<sup>a</sup>. 20000 sent down for the supply of our Cash, which came in Yesterday and turned out right, the other advising of the receipt of Our Annual Letter and the Books and Papers that were sent with it, and Ordering us to send a Copy of that Letter, with the papers therein referred to, in our Packet to England  $\Psi$  the Princess Mary, which We shall be carefull to do, We do not by this conceive Your Honour & de'. designed we should send our General Books also, which cannot be done as We have sent already to Madrass two sets and have only the Originals by Us.

The Princess Mary has on board 421 Bales and the Captain Assures Us he can take in but sixty more, which will be sent off early to morrow morning, after which we shall be ready to deliver him his Dispatches as soon as we shall receive them from Your Honour &c<sup>t</sup>.

We send inclosed our Accounts of Expences for last Month.

The sloop Hawk having been drove down [to Porto Novo] by the [late] bad Weather we have supplied the Master with such things as he had occasion for, the Account of which amot<sup>s</sup>. to Pag<sup>s</sup>. 36. 27. 16 is inclosed. We are

FORT ST. DAVID

25TH. JANET. 1738/9.

#### HONBLE SIR & SIRS

Your most Obedient servants

| List of Bales<br>On Board the Princess Mary | •••   |      | 421        | James Hubbard.<br>Edward Croke.<br>Thomas Eyre. |
|---|-------|------|------------|---|
| Embaled                                     | •••   | ** 1 | 70         | EDWARD HARRIS.                                  |
| At the Beaters & Washers                    | •••   | •••  | 299        | ROBERT ALLEN.                                   |
|   |       |      |            | CHARLES FLOYER.                                 |
|   | Bales | •••  | <b>790</b> |   |

#### Nº. 11.

TO THE HONOURABLE RICHARD BENYON ESQ<sup>R</sup>. PRESID<sup>7</sup>. & GOV<sup>R</sup>. & C<sup>7</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>T</sup>. GEORGE.

#### HONBLE SIR AND SIRS

We'received Yesterday Morning Your favour of the  $24^{th}$ . Instant, with Your Packet designed for England by the Ship Princess Mary and Captain Martin's Dispatches, both which we delivered the Captain the same day in the afternoon, his Ship's loading being compleated which consisted of 481 Bales from hence; This was all she could take in, though it is with her Bengall Cargo thirteen and two thirds Tons short of her Tonnage, as Y<sup>r</sup>. Honour &c<sup>t</sup>. will observe by the Account of her Tonnage, which We return to you filled up. We also inclose that Ship's Charter Party and Duplicate of our General Letter to the Company and of all other Papers sent in our Packet by that Ship, except such that accompanyed Our Annual Letter to Y<sup>r</sup>. Honour &c<sup>t</sup>. of the 18<sup>th</sup>. Instant. We hope the Inclosed List of Packing Stuff in our Bales is agreable to the intentions of Your Orders in your last Letter.

The Princess Mary Weighed Anchor at six this Morning, but the Wind being: now Southerly she is still in sight, We are with much respect,

HONBLE SIR AND SIRS

FORT ST, DAVID

Your most Obedient servants JAMES HUBBARD &C<sup>\*</sup>. C<sup>o</sup>.

27TH. JANNT. 1738/9.

PS. The Wind coming about in the afternoon to ENE, the Princess Mary stood away about SE, & is now out of sight.

> J.H. [...]

TO THE HONOUBABLE THE COURT OF DIRECTORS FOR AFFAIRS OF THE HONOURABLE THE UNITED COMPANY OF MERCHANTS OF ENGLAND TRADING TO THE EAST INDIRS.

#### HONOURABLE

This waits upon  $Y^r$ . Honours by Ship Princess Mary Captain George Martin Commander who Arrived here the  $9^{th}$ . of this Month from Madrass in order to be filled up from hence.

We this morning Compleated her loading having put on board her 481 Bales, the Invoice of which amount<sup>s</sup> to Pag<sup>s</sup>. 34258. 24. 60, and Bill of Lading are inclosed, We should have been able to have Dispatched her much sooner had it not been for unusual hard blowing Weather Accompanied with Rain, which We had for about a Week together since her Arrival here which both prevented the Boats from going off with Bales and hindred us from getting the Cloth Congied and Beat.

We have now remaining on hand Pack'd up 10 Bales, and at the Washers and Beaters 313 making in all with 698 sent to Madrass and what now on Board this ship 1562 Bales, which have been brought in since the begining of February last, besides which We are advised there is on the Road and will come in a day or two about 30 Bales more of Salem Cloth, so that We may compute the whole Quantity for the Year to the end of this Month at 1540 Bales nearest.

For what concerns the management of Y<sup>r</sup>. Affairs at this Settlement for the last Year we beg leave to referr You to our Annual Letter and Papers sent from hence to Fort S<sup>t</sup>. George the 18<sup>th</sup>. of this Month, Duplicates of which come in this Packet.

We send inclosed the Register of Captain Martins Private Trade on board this Ship, sworn to by him, the Muster Roll of the Men, Report of the Warlike Stores. 1738-39-5

. on board, Captain Martin's sailing order and his Receipts for the Packets from Fort S<sup>t</sup>. George and this Place, also a List of Packing stuff used on the Bales sent on this Ship, by order of the President and Council of Fort S<sup>t</sup>. George.

We wish this Ship a Successfull Voyage Home

#### And are

#### HONOURABLE,

Your faithfull Humble servants

JAMES HUBBARD. EDWARD CROKE. THOMAS EYRE. EDWARD HARRIS. ROBERT ALLEN. CHARLES FLOYER.«

#### Nº. 12.

To THE HONOURABLE RICHARD BENYON ESQ<sup>B</sup>.

PRESID<sup>T</sup>. & GOV<sup>B</sup>. &C<sup>T</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>T</sup>. GEORGE.

#### HONBLE SIE AND SIES

In my last of the 26<sup>th</sup>. Ultimo I advised Y<sup>r</sup>. Honour &c<sup>t</sup>. of M<sup>r</sup>. Sanderson's departure, and at the same time sent You Duplicates of what Papers he carried with him. Inclosed I have taken leave to send the Paymaster's Account for last month.

Agreable to the Orders left me by M<sup>r</sup>. Sanderson I am now using my utmost endeavours to procure Chinam.

We are at Present under no apprehensions of any troubles in the Country; The Nabob Annawardy Caun still continues at Rajahamandrum accompanyed by the two Rajahs Chitaramrauz and Nizaramrauz. We have received no Letters either from him or his Duan since M<sup>r</sup>. Sanderson left Us. I am with the greatest respect

HONBLE SIR AND SIRS

VIZAGAPATAM 9<sup>14</sup>. JANUARY 1738/9. Your most Obedient and most humble servant

RICHARD PRINCE.

#### Nº. 13.

To the Honourable Richard Benyon Esq".

PRESID<sup>T</sup>. & GOV<sup>E</sup>. &C<sup>T</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>T</sup>. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

The Ship George leaving this Place the 4<sup>th</sup>. Ins[tant] with the Honourable Company's Bales, the Copy of the Invoice & Bill of Lading now come inclosed.

By remark in the Bill of Lading  $Y^{t}$ . Hon[our] & c<sup>t</sup>. will please to observe that Nine Bales (having received some damage [in] transporting them over the Barr) were returned just before the Ship sail'd, which shall be rewashed, and sent upon the Jane, unless Y[our] Honour & c<sup>t</sup>. shall be pleased otherwise to order it.

M<sup>r</sup>. Graham pursuant to the Liberty given him by Your Honour &c<sup>t</sup>. took his Passage upon the George for Madrass, during whose absence, all possible regard shall be had the Honourable Company's Interest here. I am with all Possible Respect.

HONELE SIR AND SIRS

INGERAM 6<sup>TH</sup>. JANUARY 1738/9.

Your most Obedient & Obliged humble Servant

JOHN ANDREWS.

18

FORT S'. DAVID

.6TH. JANET. 1738/9.

#### Nº. 14.

TO THE HONBLE RICH<sup>D</sup>. BENYON ESQ<sup>R</sup>. PRESIDENT AND GOVERNOUR &C<sup>T</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>T</sup>. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

The sloop Hawk I send in Company with [the] Augusta under the Care of Captain John Standard, and inclose to Your Honour &c<sup>6</sup>. Accounts of her Costs, and what is Laden on board [her] amounting to Tecals 2794 for which Money advanced by me, I have drawn on Y<sup>r</sup>. Honour &c<sup>6</sup>. for Pag<sup>s</sup>. 931. 12. Currant of Madrass, payable to the Honble Gov<sup>r</sup>. Benyon & Mess<sup>rs</sup>. Nicolas Morse & William Monson which Bill be pleased to Honour me for, as I have fully wrote by the Augusta, I have only to add that I am

HONBLE SIR AND SIRS

Your most Ob<sup>t</sup>. Ob<sup>dg</sup>. & most humble Servant

JONATHAN SMART.

#### Nº. 15.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQR.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &Ct. COUNCIL.

HONBLE SIE AND SIES

This is only to advise, that M<sup>r</sup>. Edward Harris having some Business that requires his Presence at Madrass desires Y<sup>r</sup>. Honour &c<sup>t</sup>. will be Pleased to Permit him to go up for a few days. We are,

FORT ST. DAVID

SYRIAN'

27TH DEC<sup>®</sup>. 1738.

[ . . ] JANUARY 1738/9

HONBLE SIR AND SIRS, Your most Obedient Servants

> JAMES HUBBARD. Edward Croke. Thomas Eyre.

ROBERT ALLEN. CHARLES FLOYER.

Nº. 16.

To THE HONBLE RICHARD BENYON ESQR.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &CT. COUNCIL.

HONBLE SIR AND SIRS

This serves to inclose Invoice and Bill of Lading for seven Bales Brown Sanoes laden on the Pigue Merchant consigned to Y<sup>r</sup>. Honour &c<sup>t</sup>. account our Honourable Masters amounting to three thousand eight Hundred seventy eight Rupees fifteen annaes three Pice Current of Calcutta Rupees 3873. 15. 3. We are

HONBLE SIR AND SIES

FORT WILLIAM

[ . . ]TH. JANRT. 1738/9.

Y<sup>r</sup>. most obedient humble Servants John Stackhouse

&c<sup>r</sup>. Council.

#### Nº, 18

TO THE HONOURABLE RICHARD BENYON ESQ<sup>B</sup>. PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT S<sup>T</sup>. GEORGE &C<sup>T</sup>. COUNCIL

#### HONBLE SIR AND SIRS

We have received a Letter from M<sup>r</sup>. Sec<sup>17</sup>. Sa[vage] of the 1<sup>st</sup>. Instant, advising that M<sup>r</sup>. Harris hath Y<sup>r</sup>. Honour & c<sup>18</sup>. leave [to] go to Madrass, he accordingly sets out this Night or tomorrow morning Inclosed is our Cash Account for the Month of January, Ballance Pagodas 27711. 11. 72. We are

#### FORT ST. DAVID

7. FEBET. 1738/9.

HONBLE SIR AND SIRS

Y<sup>r</sup>. most Obedient Servants,

JAMES HUBBARD. Edward Croke. Thomas Eyre. Robert Allen. Charles Floyer.

Nº. 17.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>B</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

This serves to inclose first Bill of Exchange for seven thousand Current Rupees (Curr<sup>t</sup>. Rup<sup>s</sup>. 7000.) drawn by M<sup>r</sup>. Thomas Josu [a] More of this Place on Nicholas Morse Esq<sup>r</sup>. at Madrass payable to Y<sup>r</sup>. Honour & t<sup>t</sup>. at Twenty days sight, and in on account our Honourable Masters which you will Please to Receive and to Credit this Presidency for.

The Ships Wager and Duke of Cumberland We are now dispatching for England. We are

FORT WILLIAM

26<sup>TH</sup>. JAN<sup>BY</sup>. 1738/9.

HONBLE SIR & SIRS

Y<sup>r</sup>. most Obedient humble servants

John Stackhouse &o<sup>T</sup>. Council.

#### Nº. 19.

TO THE HONELE RICHARD BENYON ESQR.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &C'. COUNCIL OF FORT S'. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

The 9<sup>th</sup>. Instant I dispatch'd Peous to Y<sup>r</sup> Hon<sup>r</sup>. & c<sup>t</sup>. and the 13<sup>th</sup>. I received a Letter from M<sup>r</sup>. Joseph Goddard at Maddapollam requesting a supply of Five thousand 5000 Pagodas which I sent to him the next day under the Care of the usual Number of Peons. I am with due respect,

VIZAGAPATAM 29<sup>th</sup>. JANUARY 1738.9. HONBLE SIR AND SIRS

Y<sup>r</sup>. most ob<sup>6</sup>. & most humble<sup>-</sup> Servant

RICH<sup>D</sup>. PRINCE.

#### Nº. 20.

#### To THE HONOELE RICH<sup>D</sup>. BENYON ESQ<sup>2</sup>. PRESIDENT AND GOVERNOUB &C<sup>7</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>7</sup>. GROEGE.

#### HONBLE SIE AND SIES

I take the Liberty to inclose you a Letter to Padre Thomas & Coja Petrus relating to my affairs with the Deceased George Constandino and Dimitri Nicolao, which I left open for Y'. Honour &c's. perusal, as you'l observe, I have sent to both their Accounts the former I sent last year, whereby I did remain Debtor to him about 2500 Rupees, but he has pretended at the Justice to be due to him a great deal more, not having declared several Sums of Money I have paid him on his Account and has reckoned the Sale of his Chints very much to his advantage as sold here there being the Charges thereon from the Indies to this Place to be deducted; but it seems that he had not received said account, then but I hope it has been received since, and that it has made every thing Clear; as for the 2489 Rupees, which I owe to the Deceased Dimitri Nicolao, his Assigns Padre Thomas & Coja Petrus may receive the same without any impediment from my Part, from the 6210 Rupees deposite made by my Brother Janaki upon both Accounts; and the remainder 3721 Rupers, I humbly beg Y'. Honour &ct. it may be detained in Your Cash till the Month of November 1741 as I have left my Books to my own Country, and for me to go now tack thither to fetch them God knows if my Letters & Accounts by next Conveyance after my return will arrive at Madress in time of the term given to the 19th. April 1735, so I should have time likewise for a second Conveyance in Case the first should be mislaid, or if there should be Occasion to produce any proofs that I may do it, to finish said Affair. As for the Present I have given the Assigns the best account of the Deceased's Affairs in my hands, as my memory could furnish for their satisfaction, and by next Conveyance I shall write them again and send the Deceased's accounts In case those I sent before should be Lost ; But if it should happen that Your Honour &ct. should not think proper that the three Sisters should Inherit any thing of their Deceased Brother Janaki Constino's and that the Money should not remain In deposite till the time which I promise to send my accounts but that Your Worships would give the Money into the hands of the Assigns of George Constandino according to the determination made that the time should expire the 19th. April 1739. Please to be assured, what I have the Honour to write is true, that I do not owe him no more than about 2500 Rupees, In full of All Accos, between the said Deceased and self, which deducted from the 3721 Rupees, remains of my own Money Deposited into Your Honr. &ct. Cash about 1221 Rupees, for which I made my Assign Johazi Palcou to receive what will be due to me, and if should be absent to remain in your Cash till I'll write again to whom they should be paid I am most submissively.

#### HONBLE SIE AND SIRS

CONSTANTINOPLE

Your most devoted & humble Servant,

THE 10<sup>TH</sup>. JUNE 1738.

DEMETRIUS COSTUS.

#### Nº. 21.

MADRASSPATNAM.

AAN DEN WEL EDELEN GESTERNGE HEER Richard Benyon<sup>2</sup>

"PRESIDENT AN GOUVERNOCE VAN'T FORT ST. GEORGE EN DE CUST VAN CHORO-MANDELL, &C'. &C'. VAN WEGENS DE REGT HONORABLE ENGELSE OOST INDISCHE COMPAGNIE, NEVENS DEN RAAD ALDAAR.

WEL EDELE GESTRENGE HEEREEN.

JAN Roos, Van lint Zoldaat in dienst Van onse Nedarlandse Oost Indische Compagnie Zig:'snagts tusschen den 4°-en 5 uit dit Guarnisoen quabsenturt hebbende, regten Wydeze enet alle Erbeede, en gedenstig Vezocks, het van UW ' Eedele Gestrenge welbehagen mag zyn, na den zelve te dven inquireren en in UW

1738-39-6

Edele Gestrenge Limiter Devonden werdende (Werwaards wy vast voor onderstelle hy hemzel begeeven hebben) te doen opvallen, vereeheeren, en P<sup>n</sup>: brengen dezes ons daarvan Elusidatie gevon Wanneer Wy ter afhaul van dien Quant, Eions, Zenden Zellen, Waardaor lot Uws<sup>d</sup>. Gestrenge Weder Dienst altoos Zullen Veroblegeert Werden, die na Reveren te Groeten Verblyven WelEdele Gestrenge Heeren.

#### PALLIACATTA

UED: GESTR: BEREYDEVILLIGE

DEN 6' MAART, Aº 1739

VRIENDEN EN DIENAREN.

VAN LAWICK. M: DE LA VIGNE. Aden. Vosmaek. Willem Verwey. P<sup>B</sup>: V: Sommer V: Vevenes. G<sub>T</sub>: VAN VELSEN. JACOBUS LEEK.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>4</sup>. PRESIDENT AND GOVERNOUR &C<sup>7</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>4</sup>. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

6<sup>TH</sup>. MARCH 1739, NS.

Jan Roos Van Lint in the service of Our Northerland East India Company and a Souldier of this Garrison, having absented himself in the night betwixt the 4<sup>th</sup>. & 5<sup>th</sup>. Instant, We humbly intreat Y<sup>r</sup>. Honour &c<sup>t</sup>. will give the needfull orders to enquire in Your Bounds for him and if found to let him be secured till we shall send the needfull Peons to bring him hither; on the like or any other occasions Your Honour &c<sup>t</sup>. shall always find Us ready to serve You being with much respect

PULLIACAT

HONBLE SIR AND SIRS

Your most obedient humble serv<sup>ts</sup>.

VAN LAWICK. M: DE LA VIGNE. ANDR<sup>N</sup>: VOSMAER: WILLEM VERWEY. P<sup>\*</sup>: V: S<sup>\*</sup>: V: VRYENES. G<sup>T</sup>: VAN VELSEN. JACOEUS LEEK.

No. 22.

To the Honble Richard Benyon Esq".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONELE SIR AND SIRS

This serves to Advise Your Honour &c<sup>t</sup>. that We have laden on board Brigantine Mary 150 Bales of Callicoes on our Honourable Masters Account, the Invoice of which amounting to Pagodas 10708. 51. 40 and the Bill of Lading are inclosed. We are

FORT ST. DAVID

28<sup>TH</sup>. FEB<sup>RT</sup>. 1738/9.

HONELE SIE AND SIRS

Your most Obedient servants

JAMES HUBBARD. Edward Croke. Robert Allen. Charles Floyre.

#### Nº, 23.

To the Honble Richard Benyon Esqu.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

, The above is Duplicate of what sent ⊕ Brig<sup>ne</sup>. Mary. This is to inclose the second Invoice and Bill of Lading for 150 Bales laden on board that Vessell; likewise our Storekeepers Indent for Salt Petre, which We are much in want of and cannot get any here, we therefore desire Y. Honour &c<sup>t</sup>. will be pleased to supply Us therewith by the return of the Mary Brigantine.

FORT ST DAVID

28 FEERY. 1758/9.

#### We are

HONBLE SIR AND SIRS

Y<sup>r</sup>. most Obedient Servants,

JAMES HUBBARD &CT.

INDENT of Stores wanting viz<sup>t</sup>.

SALIPEIRE, Ten Candy for making Gun-powder.

FORT Sr. DAVID 25<sup>TH</sup>. FEB<sup>RY</sup>. 1738/9.

CHARLES FLOYER Storekr.

#### Nº. 24,

TO THE HUNBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>R</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &CT. COUNCIL.

HONBLE SIN AND SIRS

This incloses our Accounts of Expences for the Month of January, and Cash Account for February ballance whereof is Pagodas 26302. 6.78.

Some days ago the large Stone Architrave that supports many of the Heavy Stones of the Roof of the Main Guard Gate of the Fort was by some accident Crackt quite through so that there was much danger of all falling in, till We got it supported by Timbers, but a more effectual way of securing it is undoubtedly necessary, we therefore order'd the Paymaster to get an Estimate of the Charges the repairing it, would come to, which with his report concerning it We now inclose; His Estimate for repairing this and covering an open space of Ground to the Westward of it amounts to Pagodas 187. 15. 71, this latter Work appears to be necessary, as the Wall on which the greatest part of the heavy stones of the Court of Guard and this Architrave particularly rests, is otherwise too much exposed to the Weather, and may possibly by the Water soaking the Foundation of it in the Monsoon time have given way a little so as to have occasioned the Cracking of the Architrave bendes, that empty space being covered will make a much more proper Lodging for the Ensign upon Guard, and nearer his Duty than there is now at the Fort for him. as we therefore think the doing both these Works, proper and necessary, We desire Yr. Honour &ct. leave for Setting about them ; Hereunder is the List of Cloth on Hand. We are with much respect

| FORT ST. DAVID   | HONELE SIR AND SIRS  |
|--|--|
| 5 <sup>1#</sup> . March 1738/9.                          | Y <sup>r</sup> . most Obedient Servants                          |
| LIST OF CLOTH<br>At the Beaters 30<br>At the Washers 195 | JAMES HUBBARD.<br>Edward Croke.<br>Thomas Eyre.<br>Robert Allen. |
| Bales 226  | CHARLES FLOYER.  |
|  | ***  |

 $\mathbf{23}$ 

TO THE WORSHIPFULL JAMES HUBBARD ERQ<sup>8</sup>. DEPUTY GOV<sup>B</sup>. & C<sup>\*</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>T</sup>. DAVID.

#### WORSHLL. SIR AND SIRS

I beg leave to acquaint You, that of the Stone Roof of the fore Gateway of the Fort, the stone that serves as an Architrave to the others, over the inner entrance of it, has given way, and is Cracked through; On the first Notice of this I had a Frame of Timbers put under it to prevent any immediate Danger of it's yeilding any further which serves for the present. That M<sup>r</sup>. Baker the Gunner and myself having surveyed the Work there, We found a Single Stone Pillar for the only support on one side of the Architrave which we did not think trust worthy for so great a Weight of Stone Slabbs, as that Roof is Composed of for fear of it's splintering on any side, by any shock as from Firing the Guns on the adjoining Curtain, or indeed by the very Weight it seems but feeble for.

The best and Cheapest way We conceive of securing the support of if, would be by turning an Arch of Brickwork under it and for a further Security to the Foundation of the Heavy Roof aforesaid of that entry or Court of Guard on one side all along (which thô not enough to appear, may have yeilded perhaps enough to Coack [sic] that Stone) It were very much to be wished that an open space of about 45 foot along side it and encompassed by a substantial Wall (already built) in a line to continue the Range of Terass'd Godowns along that Curtain, were covered from the Wet Weather, near that Foundation, with a Terass Continued at the same highth with that of the others, which has long lain open an Eye sore to that Curtain, as well as for the Convenience such Godowns would be of, that would at the same time perfectly finish and compleat that Range of Terrass Buildings as at first designed. Which is therefore humbly offered to Your consideration by.

FORT S<sup>1</sup>. DAVID 15<sup>12</sup>. FEB<sup>RY</sup>. 1738/9. WORSH<sup>LL</sup>. SIR AND SIRS Y<sup>r</sup>. most Ob<sup>dt</sup>. humble Servant. THOMAS EYRE

Paym<sup>r</sup>.

ESTIMATE OF THE MATERIALS AND COOLY WANTING FOR SUPPORT OF THE STONE ROOF CRACKED OF THE FORE GATEWAY OF THE FORT; AND FOR THE BETTER SECURING OF 45 FOOT OF GODOWN WALLS ADJOINING TO IT THAT HAVE LONG LAIN OPEN AND UNFINISHED TO THAT RANGE OF BUILDING VIZ<sup>T</sup>.

|                          |          |         |     |     | Ρ. | <b>f</b> . | C. | Ρ. | f. | <b>C.</b> |
|--------------------------|----------|---------|-----|-----|----|------------|----|----|----|-----------|
| Turning an Arch under th | e Crack  | 'd stor | 1e— |     |    |            |    |    | Ľ  | ۰,        |
| Wall Bricks, 20000       | •••      | •••     | ••• | ••• | 10 | •••        |    |    |    | ,         |
| Chunam 180 Par:          | •••      | •••     |     | ••• | 7  |            | 73 |    |    |           |
| Jaggry 90 tu.            | • •••    |         |     |     | 1  | 2          | 20 |    |    |           |
| Clay P. I, Bricklayers   | P*: 2, 9 | •••     |     |     |    | 9          |    |    |    |           |
| Coolys                   | •••      | •••     |     | ••• | 6  | -          |    |    |    |           |
|                          |          |         |     | -   |    |            |    | 27 | 16 | 13.       |

| Letters to Fort St. George, 1738-39 |             |         |       |        |        |          |     |            |     |          | 25       |
|-------------------------------------|-------------|---------|-------|--------|--------|----------|-----|------------|-----|----------|----------|
| <u></u>                             | <u></u>     |         |       | -      |        | P.       | f.  | C.         | P.  | f.       | C.       |
| Terrassing & Pa                     | aving & Pla | stering | the G | łodows | [sic]- | -        |     |            |     |          |          |
| Terass Bricks                       | 23000       |         | •••   | •••    |        | 7        | 12  | •••        |     |          |          |
| Wall Bricks                         | 9000        | •••     | •••   | •••    | •••    | 4        | 9   | •••        |     |          |          |
| Chunam                              | 420 Para    | •••     | •••   | •••    | • • •  | 16       | 13  | 66         |     |          |          |
| Jaggry                              | 210 tu      | •••     | •••   | •••    |        | <b>2</b> | 9   | <b>7</b> 2 |     |          |          |
| Bricklayers a                       | nd Coolys   | •••     | •••   | •••    | ••.    | 20       | 9   | •••        |     |          |          |
| Timbers from                        | 14 to 15 fc | ot long | z 24  | •••    | • • •  | 72       |     |            |     |          |          |
| Sheathing Bo                        | ards 100    | •••     |       |        | · •••  | 25       |     |            |     |          |          |
| Carpenters Co                       | eolys       |         | •••   | •••    |        | 8        | ••• | •••        |     |          |          |
| Nails                               | •••         | •••     | ••••  | •••    | • • •  | 3        | ••• | •••        |     |          | •        |
|                                     |             |         |       |        | -      |          |     |            | 159 | 17       | 58       |
|                                     |             |         |       |        |        |          | 1   | ags.       | 187 | 15       | 7]       |
| Fort ST. DAVII                      | ) .         |         | Erro  | rs Exc | BPTED  |          |     |            |     | <u> </u> | <u> </u> |

28 FEBRY. 1739.

Ð THOMAS ETRE

Paym'.

Nº. 25.

TO THE HONELE RICH<sup>®</sup>. BENYON Esq<sup>®</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &C'. COUNCIL OF FORT S'. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

The Miss Jenny imported here the 19th. ultimo and on her came Mr. Simpson who deliver'd us your Favour of the 13th. of the same Month.

The Treasure Wares and Stores were delivered safe conformable to the Invoice. and Bill of Lading.

Mr. Simpson begs leave to Assure Your Honour &ct. that nothing shall be wanting on his part to make a considerable Investment this Year, and that he may venture to promise to provide at least five hundred Bales by Christmas next if no unforeseen Accidents happen.

We shall punctually observe and obey the orders laid down to us by Your Honour &c'. in Your Letter of the 31". March last as to the Prices and sorts of our Cloth, and that due care be taken as to the lengths & Breadths.

Mr. Pitt being sent to Uppara with five thousand 5000 Pagodas where it is necessary some European should be M<sup>r</sup>. Simpson has given him orders to provide some fine Long Cloth agreable to the Instructions laid down in the 6<sup>th</sup>. Para of Your Honour &c". Letter by the Miss Jenny.

All due regard shall be had to Your Orders with respect to the encouragement to be given to Trade, likewise the administrating of Justice, and We do promise that no Letts or Hindrances by us shall be the Cause of the place not flourishing, but We must beg leave to inform Your Honour &c'. that it is so situated that We think it almost impossible ever to make it considerable for Trade.

1735-39-7

According to Your orders we have paid M<sup>\*</sup>. Sanderson's Attorney fifteen hundred Rupees for the House bought of him but it is so much out of repair that it will cost at least 100 Pagodas to put it to rights, which We hope Your Honour &c'. will grant us liberty to do.

Inclosed comes our Cash and Paymaster's Accounts for the Moths of January & February.

The State of our Cash in Pagodas being very low we request a further Supply of Twenty thousand 20000, may be sent Us by the first good Conveyance, or else we are apprehensive we shall not have sufficient in a month more to supply Ingeram & Maddepollam Factory's. We are with the greatest respect

#### V1ZAGAPATAM

10<sup>18</sup>. MARCH 1738/9.

HONBLE SIE AND SIES

Yr. most Obedient humble Servants,

CHARLES SIMPSON. RICHARD PRINCE.

#### Nº. 26.

TO THE HONBLE RICH". BENYON ESQ". PRESIDENT AND GOVERNOUR &O". COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

#### HONBLE SIR AND SIRS

I have received Your Honour &c<sup>ts</sup>. favour of the 27<sup>th</sup>. December, I observe Y<sup>r</sup>. Honour &c<sup>t</sup>. are apprehensive least the Country Government should be tempted to borrow some of the Honourable Company's Money of me, and that it is but little in my Power to refuse them, thô I have not heard of any Instance of that Nature in this Factory, yet for your Honour &c<sup>ts</sup>. satisfaction, I shall observe Your Honour &c<sup>ts</sup>. Caution, thô I beleive when I send this month's Account, Your Honour &c<sup>t</sup>. will find 1 have made pretty large Advances to the Merchants, in whose hands I should be much better satisfied to have the Honourable Company's Money than in the Cash Chest.

The reason of my being so backward with the Cloth last Year was, that by the last of August I had no more than thirty Bales brought in by the Merchants, but I can venture to assure Your Honour &c<sup>t</sup>. this will not be the case this Year, as Your Honour &c<sup>t</sup>. may see by the list of Bales.

It is with no small concern I am obliged to advise Your Honour &c<sup>t</sup>. of my being disapoint'd of sending up my Bales this season; the 15<sup>th</sup>. Ultimo my Brig: fell down the River with one hundred Bales attended by a Sloop with one hundred more which were to be put on board as soon as she had passed the Barr, and then to return for the remainder and her Dispatches, but thô a favourable opportunity offered to pass the Barr, yet the Master could not prevail with the pilots either by promises or threats to carry him over, and as she had the Honourable Company's Bales on board, he dared not undertake it himself though he had frequently sounded the River, and had people on board that brought him in, In the sloop: He came up last Night and told me he judged it too late to attempt it this season, and must therefore wait till July; when, if your Honour &c<sup>t</sup>, think proper I will sent up all the Bales I can which I compute will be at least 400. this is all the Account I can give your Hononr &c<sup>t</sup> of this Affair.

Inclosed are my Accounts for December, January and February, and Copy of my Books for last Year.

The Fouzdaar of Narsapore gives me some Trouble at present by stoping the Cloth at the River He refused to accept of the Present I offered him demanding one equal to what I sent the Nabob; I shall expostulate with him upon this unreasonable Demand, and if that will not do I must write to his Master at Mazlipatam.

, I am with the greatest respect

#### MADAPOLLAM

тне 4<sup>тв</sup>. Максн 1738/9.

#### HONBLE SIB AND SIRS

Y<sup>r</sup>. most Obedient humble servant Joseph Goddard.

LIST OF BALES. White Embaled 194 ... ... D<sup>o</sup>. Brown ... 83 . . . ... D°. unsorted about 43 ... ... Bales 320...

.P S.

Inclosed is Indent of Stores

#### J. G

INDENT of Stores wanted at MADAPOLLAM for the Year 1739.

| Medium Paper  |     | ••    |       |     |       | 10 Quire.      |
|---------------|-----|-------|-------|-----|-------|----------------|
| Demy          | ••• | •••   | •••   | ••• |       | 10             |
| Post          | ••• |       |       |     |       | 10             |
| Fools Cap     |     |       | •••   |     |       | 10             |
| Pencils       |     |       |       |     |       | 4              |
| Scissars      |     |       | •••   |     |       | 2 large pair.  |
| Quills        |     |       |       | ••• |       | 200            |
| Penknives     |     |       |       |     | •••   | 2              |
| Ivory folders |     |       |       |     |       | $\overline{2}$ |
| Hones         | ••• | • • • | •••   |     | • • • | Ĩ              |
| Ink Glasses   | ••• | ***   | ***   | ••• | •••   | 3              |
| Ink Papers    |     | ***   | •••   | ••• | •••   | 6              |
| Half hour G   |     | •••   | • • • | *** | •••   | 1              |
|               |     | •••   | •••   | ••• | •••   |                |
| Gunpowder     | ••• | • • • | •••   |     |       | 25 lb,         |
| Lead Shott    | ••• |       | •••   | ••• | •••   | 25             |
| Flints        |     | •••   | •••   |     |       | 50             |
| Powder Hornes |     | •••   | •••   | ••• | • • • | 3              |
| Tarr          |     | •••   | •••   | ••• |       | 1 Barell.      |
|               |     |       |       |     |       | Tourse Change  |

JOSEPH GODDARD.

#### Nº. 27.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>2</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

We have received your Honour &c<sup>ts</sup>. favours of the 20<sup>t</sup>. 22<sup>d</sup>. and 26<sup>th</sup>. Ultimo and the 2<sup>d</sup>. Inst<sup>t</sup>, As also the Packets directed to us from our Honourable Masters, and that superscribed to M<sup>r</sup>. Stackhouse, which on opening We found addressed to us from the Gentlemen at Bombay.

The Packet directed to Mynheer Sichterman &c<sup>1</sup>. Council was immediately forwarded to them.

We have also received the Bullion and Treasure sent us on the Ships Wakefield. Devonshire & Narcissus, and the Tutenaigue by this last Ship is now landing, The Mercury being in the River we expect her up hourly.

We have laden on this Sloop five hundred and fifty Bags of Saltpetre and what other Stores she could take in amounting to as  $\mathcal{P}$  Invoice inclosed Rupees six thousand four hundred and three, three Annaes 6403. 3. — and by the Belvidera Sloop, Ships Wakefield and Narcissus, We shall send a sufficient quantity of Petre to compleat the Kintledge of two Ships.

The President returns thanks for the Compliment your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>t</sup>. has paid him and joins with us to assure you of our best Wishes for all immaginable prosperity to Your Settlement to which we shall always be ready to contribute what is in our Power We are

FORT WILLIAM

27<sup>TH</sup>. FEB<sub>RY</sub>. 1739

HONBLE SIR AND SIRS

Yr. most humble servant

THOMAS BRADDYLL. FRANCIS RUSSELL. JOHN FOSTER. WILLIAM DAVIS. WILLIAM BARWELL. JOHN HALSEY.

#### Nº. 28.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

I am now to acknowledge the receipt of Your Honour &c<sup>ts</sup>. favour of the 2<sup>d</sup>. Instant as likewise the Stores on Account of the Honourable Company for which the Accout Current Vizagapatam shall have due Credit.

When  $M^r$ . Prince Arrives here shall deliver him the Cash and an Account of all such things as relate to the Honourable Company's affairs here.

I am with the utmost Esteem

#### HONBLE SIR AND SIRS

Your most Obedient and most obliged.

Humble servant. JN°. ANDREWS.

Nº. 29.

TO THE HONBLE RICHARD BRNYON ESQ<sup>B</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

On this Ship Narcissus we have laden seven hundred Baggs of Saltpetre, on our Honble Masters Account amounting to Current Rupees 7355 as # Invoice and Bill of Lading inclosed.

INGERAM 16<sup>th</sup>. March 1738/9. This quantity with what we have already sent you on the Sloops Calcutta and William and the ships Wakefield make up two thousand Four hundred Bags which we Presume will be sufficient to Kintlage two Ships and is agreable to Y<sup>r</sup>. Honour &c<sup>ts</sup>. request.

, We have only to add that We are with most respect

FORT WILLIAM

HONELE SIR AND SIRS

**Т**НЕ 6<sup>тн</sup>. МАКСН 1738/9.

Y<sup>r</sup>. móst humble servants Thomas BraddylL.

> John Foster. William Barwell. John Halsey.

#### No. 30.

To the Honble Richard Benyon Esq<sup>2</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &C'. COUNCIL OF FORT S'. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

We have further to add to what already wrote you under this days date that having landed the Tutanegue  $\mathcal{P}$  Ship Narcissus, We find it short Viz<sup>t</sup>.

| Invoiced P <sup>s</sup> . |        |       |              | 0   |     |                   |      |    |    |
|---------------------------|--------|-------|--------------|-----|-----|-------------------|------|----|----|
| Received                  | 5227   | • ••• | •••          | ••• | ••• | "                 | 3182 | 21 | 12 |
| short                     | 13 Pie | ces   | <b>115</b> - | ••• | ••• | M <sup>ds</sup> . | 16   | 18 | 4  |

which we advised that you may enquire into it at Your Port. The Tutanegue P Mercury is not yet landed. The Treasure on all the Ships came out right. We are

FORT WILLIAM

6<sup>TH</sup> MARCH 1738/9.

HONBLE SIR AND SIRS

Yr. most Humble Servants

THOMAS BRADDYLL.

JOHN FOSTER.

WILLIAM BARWELL. John Halsey.

#### Nº. 31.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>8</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

#### HONELE SIR AND SIRS

This only serves to inclose Invoice and Bill of Lading for four hundred and fifty Bags of Saltpetre with one thousand Gunneys and thirty two Jarrs Mustard Seed Oyl laden on the Sloop William M<sup>r</sup>. Alexander Wood Master on Account our Honourable Masters and amounting to Current Rupees 5325.

We are

FORT WILLIAM

6тн Максн 1738/9.

Hoñble Sir and Sirs Your most Humble servants Thomas Braddyll. Francis Russell. John Foster. William Davis. William Barwell.

JOHN HALSEY.

Nº. 32.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>2</sup>. PRESIDENT AND GOVERNOUR &C<sup>7</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>7</sup>. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

We request Your Honour &c<sup>t</sup>. will please to send us Ten Bales of ordinary Popinjay Broad Cloth by the first Conveyance that shall offer having a Present Occasion for some to oblige the Government. We are

#### FORT WILLIAM

7<sup>TH</sup>. MARCH 1738/9.

HONBLE SIR AND SIRS

Your most humble Servants

THOMAS BRADDYLL.

John Foster. William Davis. William Barwell. John Halsey.

No. 33.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &C. COUNCIL OF FORT S<sup>r</sup>. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

• This is to inclose Invoice & Bill of Lading for 151 Bales of Callicoes laden on •board Brigantine Mary on our Honourable Masters Acco<sup>†</sup>. the Invoice amounts to Pagodas 10816. 31. 40, We wish this Vessel safe to Your Honour &c<sup>†</sup>. and are

FORT ST. DAVID

4<sup>11</sup> APRIL 1739.

HONBLE SIR AND SIRS

Your most Obedient Servants

JAMES HUBBARD. Edward Croke. Thomas Eyre.

ROBERT ALLEN. CHARLES FLOYER.

Nº. 34.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>B</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

The foregoing is Duplicate of what we wrote your Honour &c<sup>t</sup>. by the Mary Brigantine; This Incloses the Duplicate Invoice and Second Bill of Lading for 151 Bales laden on board her on our Honourable Masters Account.

We have received two Letters from M<sup>\*</sup>. Secretary Savage inclusing Invoices and Bills of Lading for Ten Candy of Salt Petre sent us by the Mary, which has been safely delivered Us.

We have also received your Honour &c<sup>ts</sup>. favour of the 20<sup>th</sup>. ultimo giving us leave to set about the Repair of the Main Guard and additional building which we had recommended in our Letter of the 5<sup>th</sup>. last Month and are preparing to set about that work accordingly this incloses our Accounts of Expences for the month of February, & Cash account for March ballance whereof is Pag<sup>s</sup>. 14910. 11. 18.

Our Merchants Nella Tomby & Shacup Tomby have represented to Us that notwithstanding all the Care they can take, they find it impossible to prevent bad Debts with the Country Brokers, that one of the Chemanackpollam Brokers, is run away 450 Pagodas in their Debt, of which they have no hopes of getting anything, that another that brought in the Cloth for dying is broke and able to pay nothing who owes them 80 Pagodas, that four other Brokers owe them 1135 Pagodas, who have by the Weavers spending the Money advanced [them] for making of Cloth and running away proved to be in ill circumstances, and they doubt they shall lose the greatest part of that Money, these loses or others of y°. same kind they represent to be unavoidable, and that the French Mercht<sup>s</sup>. as well as all others that provide Cloth, have met with their share of them they therefore tell Us that they cannot continue to provide any Cloth for the Company if they must stand to all loses and risques for so small an allowance as Half a Pagoda P Corge of Long Cloth ; They also add that it is expected the Moors after they have done with Tanjore will visit Worriapollam, and they hear that several Moratta Horse are coming into the Misore Country to which Salem belongs, and in both these Cases the risque of both sending up Money to those Places, and of what shall be in the Brokers and Weaers hands there, will be much greater than usual, which they mention as a further reason why they can't pretend to go on in bringing in Cloth, unless the risques are , run by the Company, or that they are allow'd a Higher Premium, and the lowest

we found after a pretty long discourse with them that they would be satisfied with was a Brokerage of one Pagoda  $\mathfrak{P}$  Corge for their Trouble and risque. We have thus laid before your Honour &c', what represented by our Merchants, and beg Your Directions thereupon.

Inclosed is our Storekeepers Indent for Stores wanting, which we desire Your Honour &c'. will be pleased to supply Us with, by the first opportunity.

Hereunder is a List of our Cloth on hand.

FORT S'. DAVID 4 April 1789. We are with much respect HONELE SIR AND SILS Your most Obedient hum. Servants JAMES HUUELARD &C<sup>1</sup>.

List of Bales.

At the Washers ...  $10\frac{1}{2}$ At the Beaters ...  $206\frac{1}{2}$ 

217 Eales.

# **R0. 35**.

TO THE HONOURABLE RICHARD BENYON ESQ<sup>2</sup>. PRESD<sup>3</sup>. & GOV<sup>2</sup>. &C<sup>3</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>3</sup>. George.

# HONELE SIE & SIES

Inclosed Y<sup>\*</sup>. Honour &c<sup>\*</sup>. will receive Account Costs disbursed by me, in building the Henourable Company's Sloep Carolina, Invoice of Rice and List of Freight. The occasion of her so late Dispatch from hence Cap<sup>†</sup>. Dutton will give Your Honour &c<sup>†</sup>. the reasons for; the ballance of her Costs I have drawn for on your Hon<sup>\*</sup>. &c<sup>†</sup>. being three thousand and seventy Pagodas twenty four fanams and sixty Cash, payable to the Honourable Richard Denyon, Nicholas Morse and William Monson Esq<sup>\*\*</sup>. for which Sum be pleased to Honour me.

The first of february, I was summen'd to the Rounday, when the Prince and Government, presented me with a Petition, requesting that as the Kings ship was destitute of a Pylot, to navigate her to Madrass, and as this Port with that of Madrass, were in Amity together I would assist them with a European to take the Command of her from hence, not knowing what inconveniencies might in future Ensue should I refuse them, I have ventured to take the liberty to grant Captain Reeves Jobbins, to Command the King's Ship S'. Zackara : also desiring a Pilot for the Ship Hartford, which he declared belonged to M'. Stratton, I agreed to M'. Anderson's taking the Command of her ; this ship comes under English Colours. I inclose to Your Honour &c'. the Petition I received from the Hounday.

The Government at this Place at present behave themselves quietly, but how . long it may Continue I cannot answer for. I am

Stelan

1078. MARCH 1755.9.

HONELE SIR AND SIRS

with the greatest respect,

Tr. Honour &c".

most obedient obliged and most humble servent

JONATEAN SMART.

Letlers to Fort St. George, 1738-39

# Ne. 36.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>B</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

The foregoing is Duplicate of ours & the Calcutta Sloop.

This incloses Invoice and Bill of Lading for seven hundred Bags of Salt Petre-Laden on the Wakefield Captain Henry Cleave amounting to Rupees seven thousand six hundred seventeen, eight annaes 7617. 8. which we wish safe with your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>t</sup>. and are

| FORT WILLIAM   | HONBLE SIR AND SIRS  |
|--|--|
| 1 <sup>sr</sup> . MARCH 1739.  | Your most humble Servants  |
| P.S.<br>Inclosed is Copy of a Letter<br>receiv'd from Dilly which<br>contains the last advices of<br>the Progress of Thomas Cooley Cawn<br>in this Empire. | THOMAS BRADDYLL.<br>FRANCIS RUSSELL.<br>John Foster.<br>William Davis.<br>William Barwell.<br>John Halsey. |

# COPY OF A LETTER FROM ANOOPE CHUND, THE COMPANY'S VAKEEL AT DILLY DATED JANUARY 31st. 1738/9.

Some time since I wrote your Honour a Letter by Cossids to inform you of the Mogull's March against Naudir Cooley Caun, in order to releive Lahore beseig'd by him, and this is to advise you of the Prince's Arrival the 28<sup>th</sup>. Instant at Kharoend, near Carnalla, where 3 of the Mogull's Omarahs now reside, who refuse to obey the orders they have receiv'd from him to proceed onward in their March.

Chicklas Caun and Comaradean Caun lately consulted together about attacking Nabob Caun Douram, Ameer al Omarah, and it's beleived there will be a Battlebetween them this Evening or tomorrow.

I cannot say much to you of the Present situation of Lahore, the Merchants having received no Letters from thence, (except one from Laul Bhaury, just arriv'd) these four or five days past, occasion'd by the close siege laid to that Fort by Naudir Cooley Caun, which rendered it impossible to stir out of the Place. This Letter advises of the surrender of Lahore, Takeerja Caun, the Subah, not having been able to make a further resistance possession being taken of the City, Naudir Cooley Caun dispatch'd one Part of his army for Dilly and the other to remain on the road thither The substantial Merchants there are going with their Families and Estates to Agra for safety; The Mogull's Officers have also sent their Families and Estates to the other parts of the Kingdom where they hope to be secure. Dilly in her present state gives Us an Idea of the Conflagration at the End of the World, every thing appearing here in the utmost Confusion [and] disorder.

The Merchants now being about to Dispatch their Cossids, I take the opportunity of sending you what News I can just now Collect; If another Conveyance should offer in 4 or 5, Days I shall have much more to write You.

Jaukeerya Caun has wrote Comaradoan Caun that Caun Douran has been the sole Author of these proceedings. The Mogull will not proceed on his Journey. Burhaunal Mulhuck is Arrived at Agra, He has taken all Caun Dourans Jaggeira into his Possession, and has turned out all his Amildas. It will now be soon decided who shall be our King. The inhabitants of Dilly have no hopes of saving themselves or their Estates, and therefore can only rely on God for their Protection.

1738-39-9

#### Nº. 37.

To the Honele Richard Benyon Esq".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &OT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

#### HONBLE SIR AND SIRS

In our last to your Honour &c<sup>t</sup>. of the 10<sup>th</sup>. Instant We acquainted you with every thing we thought needfull concerning the Honourable Company's Affairs at this Settlement, and at Present have only to advise you that M<sup>r</sup>. Prince agreable to the Orders given him in your Honour &c<sup>ts</sup>. Letter of the 2<sup>d</sup>. March sets out this Evening for Ingeram.

We are

23<sup>n</sup>, MARCH 1738/9.

**VIZAGAPATAM** 

HONBLE SIR & SIRS

Your most Obedient hum Serv<sup>is</sup>.

CHARLES SIMPSON. RICHAED PRINCE.

# Nº. 38.

TO THE HONELE RICHARD BENYON ESQ". PRESIDENT AND GOVERNOUR &O". COUNCIL OF FORT S". GEORGE.

HONBLE SIR & SIRS

This comes to acknowledge the receipt of your favour of the 2<sup>d</sup>. March, as likewise to Advise of my Arrival here the 29<sup>th</sup>. of the same Month; M<sup>r</sup>. Andrews the next day deliver'd me up the Honourable Company's Cash and at the same time acquainted me with the Directions M<sup>r</sup>. Graham had receiv'd from you concerning the Investment which I shall strictly regard, and if our Merchants perform as they promise at present I doubt not but your Honour &c<sup>t</sup>. will receive satisfaction therein.

I have Contracted with Cushum Counia & Dorset Lingaua for 450 Bales for the Year, to bring in after the rate of fifty Bales every Month and to redu[c]e their Ballances at the end of the Year, to what was formerly allowed them to keep in their hands and I hope by pursuing this method and a due Encouragement given the Merchants we may (if nothing Intervenes) reasonably expect a Considerable Investment. Thus far I must beg leave to assure Your Honour &c<sup>t</sup>. that in whatever station you shall think proper to place me I shall always Act to the best of my Capacity for the Interest and Advantage of my Honourable Masters.

I am with the utmost Esteem

INGERAM

HONBLE SIR AND SIRS

Your most obedient humble servant

RICHARD PRINCE.

#### Nº. 39.

TO THE HONELE RICHARD BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &O". COUNCIL OF FORT S'. GEORGE.

HONBLE SIE & SIES

Your favour of the 16th. February last came to hand the 4th. March following.

Our Honourable Masters ship the Harrington Arrived here the 7<sup>th</sup>. Instant whom we shall Dispatch in a few days for Canton with what Pepper can be spared and from thence she will be Dispatched for Great Britain.

.34

3<sup>»</sup>. April 1739.

The New Ship built here at the request of Your Presidency is now Dispatch'd to Your Honour &c<sup>t</sup>. she is named the Princess Augusta burthens Two hundred and thirty Tons, and We beleive will answer your purpose, she goes under the Command of Captain George Goring whose Merit having recommended him to Our Choice we shall be glad his Conduct may deserve your Confirmation, Her two officers were employ'd in the unfortunate Ship Anglesea may likewise deserve your 'Notice; The Accompt of her Cost as soon as made up shall be duly transmitted you and Your Presidency be debted accordingly.

We have laden on board her on the Account of Our Honourable Masters two hundred and thirty Bales of Cotton consigned to your Honour &c<sup>t</sup>. to be disposed off at your Discretion, or to be sent down to the Bay as you shall judge most advantageous.

Enclosed you have Copy of a paragraph in the General Letter from the Court of Directors concerning the Sussex one of their returning Ships from Canton.

Inclosed is List of what Coffree Slaves we could possibly spare and who are sent to your Presidency upon the Resolution, We should have gladly supplied an equal proportion of Males had not the urgent Necessitys for them on this Place obliged Us to detain them: of which we shall advise Our Honourable Masters. We are Respectfully.

BOMBAY CASTLE

10<sup>TH</sup>. APRIL 1739.

HONBLE SIR & SIRS

Your most humble servants

STEPHEN LAW. CHARLES RIGEY. CHARLES WHITEHILL. JN: GEEKIE. THOMAS STONESTREET. JN<sup>o</sup>. Morley. W. Sedgewicke.

Copy of the 42<sup>n</sup>. Paragraph of the Honourable Company's General Letter to Bombay & Ship Harrington dated 21<sup>st</sup>. July 1738.

"Our Ship Winchester arrived from China the 2<sup>d</sup>. Instant and brought us an "Account that the Captain Officers and most of the Men belonging to the Ship "Sussex left her, apprehending she wou'd sink by reason that on the 9<sup>th</sup>. of March "in the Latitude of  $28D - 17^{m}$ . south, and  $52D - 25^{m}$ . West from Java Head in a "storm she sprang a Leak, and Cut away her Main and Mizen Masts; notwith-"standing which sixteen Men remain'd on board, and when she left the Win-"chester which was on the 11<sup>th</sup>. March, they had set the foresail, and Foretop sail, "and [. . .] the Wind, being then about one hundred Leagues of Madagascar "and althô Captain Gostlin and the Officers seem to be of Opinion the Ship would "go to the Bottom that Night, We are not without hopes, that as the Men chose to "venture their lives in her, they might be able to proceed to Madagascar, and that "then Captain Bagwell in the Resolution met with her, or that as the Wind was "favourable, they would make for your place, and in either Case We depend due "care has been taken to Refitt, Man, and send her home to Us, and if the Ship has "arriv'd with you, We hope you have given the Men all the Encouragement and "good Usuage, that so much Bravery and resolution deserves, for which they may "be assured, We shall Amply reward them, you must advise our other Head Settle-"ments of this unhappy affair.

# Nº. 40.

TO THE HONOURABLE RICH<sup>D</sup>. BENYON ESQ<sup>2</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT S'. GEORGE.

#### HONBLE SIE & SIES

We have receiv'd your favour of the 14<sup>th</sup>. Inst<sup>t</sup>. wherein Your Honour &c<sup>t</sup>. are pleased to consent to allow Our Merchants a Brokerage of one Pagoda  $\mathcal{P}$  Corge, for the reasons they represented to Us & which we acquainted you off in our Letter of the 4<sup>th</sup>. Ultimo, the truth of which we see no cause to doubt off, we shall agreable to your Directions, take all the care we can that they charge us no more for the first Cost of the Cloth than it really stands them in.

We have likewise receiv'd M<sup>r</sup>. Secretary Savage's Letter of the 23<sup>d</sup>. Ultimo advising that twenty thousand Pagodas would be sent Us by Peons the day following, also Your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>t</sup>. favour of the 24<sup>th</sup>. accompanying that remittance, which arriv'd the 28<sup>th</sup>. in the Evening and [turn'd out] right.

Inclosed are our Accounts of Expences for the Month of March.

Hereunder is a List of our Cloth on Hand.

M<sup>r</sup>. Edward Mitchell desires Your Honour &c<sup>ts</sup>. permission to go up to Madrass for a few Days.

We are with much respect

FORT S'. DAVID

1er. MAY 1739.

HONBLE SIR AND SIRS

Your most Obedient servants

| LIST OF        | CLOTH.      |
|----------------|-------------|
| Embaled        | 50          |
| At the Washers | $\dots 212$ |
| At the Beaters | 35          |

JAMES HUBBARD. EDWARD CROKE. THOMAS EYRE. EDWARD HARRIS. ROBERT ALLEN. CHABLES FLOYER.

No. 41.

To THE HONBLE RICH<sup>D</sup>. BENYON ESQ<sup>B</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

297 Bales.

HONBLE SIR & SIRS

I have receiv'd Your Honour &c<sup>ts</sup>. Letter of the 2<sup>d</sup>. Ultimo, with Invoice and Bill of Lading for Packing Stuff, receiv'd by the Sloop Experience, for which your Presidency shall have due Credit.

Inclosed is my Journal Parcels and Cash accounts for last Month.

I am with much respect

MADEPOLLAM

21st. April 1739.

HONBLE SIR AND SIRS Your most obedient humble servant,

LIST OF BALES LAST YEAR.

| White Embaled                             | ••• | ••• | ••• | 194 |
|---|-----|-----|-----|-----|
| Brown D <sup>o</sup> . Ord <sup>y</sup> . |     |     |     | 79  |
| Fine D <sup>o</sup> . unsorted            | ••• | ••• | ••• | 4   |
| This Year White                           | ••• | ••• | ••• | 20  |
| At the Washers                            | ••• | ••• | ••• | 40  |

JOSEPH GODDARD.

337 Bales.

### No. 42.

TO THE HONELE RICH<sup>D</sup>. BENYON ESQ<sup>E</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

#### HONBLE SIR AND SIRS

The Sloop William imported here 22<sup>d</sup>. Ultimo and deliver'd us Your favour of
the 17<sup>th</sup> of the same with the Treasure for this place, which was agreable to the Invoice & Bill of lading inclosed, and the next day she saild for the Bay.

Our Nabob has order'd a Batta to be taken on our Pagodas, on pretence that they are of a Lower touch than last Years which will be no small detriment to our Investment, but his true reason for doing this, is to put the profit of it into his own Coffers, I have desired Mess<sup>18</sup>. Prince and Goddard on the Account to send their Vakeels to the Nabob who is at Rajamundrum, ours being with him to Use their Endeavours to have it taken off but as it is to his advantage, We are doubtfull of the success.

There is a flying report about the Country that twenty thousand Morattee Horse are endeavouring to pass the Mountains by Margalo with a design to plunder the whole Country which they cannot Effect without the Consent of that Rajah, our Fortifications and Gun Carriages are in so bad a condition that should any ruptures happen we are but very little able to make any great defence; of the truth of which I beg leave to referr your Honour &c<sup>t</sup>. to M<sup>r</sup>. Sanderson, who is well acquainted with the Condition our Fortifications and the rest of our Buildings are in therefore request you will signefy your pleasure to Us relating thereto.

Some small time past our Vakeel from Rajamundrum hinted to Us that Thomas Cooley Caun had taken Delly which put the Nabob and his whole Campinto a very great consternation but it has not been confirmed since but upon the occasion he thought proper for to Issue out his Orders to raise more Men and has Dispatch'd two thousand foot and fifty Horse who a few days past Arriv'd in our Mangoe Garden to Guard Chic Cacull.

We now send up our Cash and Paymasters Accounts for the Month of March and April likewise a List of Wares and Stores wanted here.

We are with great respect

VIZAGAPATAM,

1<sup>sr</sup>, May 1739.

HONBLE SIR & SIRS Your obedient humble servants CHARLES SIMPSON.

ACCOUNT OF SALLAMPORES BROUGHT IN SINCE THE 19TH. FEBRY. Embaled

| Washed<br>At the Washe | 6<br>ers 55 | <br>15 |
|------------------------|-------------|--------|
| Brown                  | 76          | 13     |
| Corge                  | 141         | 8      |

A LIST OF STORES AND WARES WARTED AT THIS FACTORY V12".

| Broad Clo  | th Sup  | f. fine |     | Scar | let 6    | Pieces | Viz <sup>t</sup> . |
|------------|---------|---------|-----|------|----------|--------|--------------------|
| Green of t | he best | ; sort  |     |      | <b>2</b> |        | •                  |
| Blue       | •••     | •••     | ••• | •••  | 2        |        |                    |
| Yellow     | •••     |         | ••• | •••  | <b>2</b> |        |                    |
|            |         |         |     |      |          | 6 Piec | es.                |

| A LIST OF STORES AND      | WARE.   | S WANT |       |   |
|---------------------------|---------|--------|-------|---|
| BRUAD CLOTH fine          | •••     | •••    | 8     | carlet 12 Pieces Vizt.  |
| BROAD CLOTH Ordinary      |         | , •••  | ***   | Red 12 D°.  |
| BROAD CLOTH Ordinary      |         | •••    | • • • | Green 12 D°.  |
| BROAD CLOTH Middling      | •••     | •••    | •••   | Green 3 D°.   |
| BROAD CLOTH Middling      | •••     | •••    |       | Yellow 3 Do.  |
| PERPETS Ordinary          | •••     | •••    | •••   | Red 5 Do.   |
| Dº.                       | •••     | •••    | •••   | Green 5 D°.   |
| GOODS FOR PACKING-        |         | •      |       | and the second |
| Gunneys                   | •••     | •••    | •••   | 500 Pieces.   |
| Twine                     |         | •••    | •••   | 6 Candy.  |
| Velvers                   |         |        |       | •   |
| Chrimson                  |         |        | •••   | 10 Yards.   |
| Green                     | •••     |        | •••   | 10  |
| Black                     |         | •••    | •••   | 10  |
|                           |         |        |       | — 30 Yards.   |
| PETTY MERCHANDIZE-        |         |        |       |   |
| Telliscopes               |         |        | •••   | 6   |
| GENERAL STORES-           |         |        |       |   |
| Half hour Glasses         | •••     | •••    | •••   | 12  |
| Wood Oil                  | •••     | •••    |       | 4 Jarrs.  |
| Europe Locks              | •••     | •••    | •••   | 6   |
| GUNNERS STORES-           | ۰.      |        |       |   |
| Cartouch Boxes new        | •••     | •••    | •••   | 100, each of 1 doz<br>Cartouches.   |
| Europe Cordage of 5,      | 6, 7, 8 | Inches | •••   | 4 Coils.  |
| Armory Stores-            |         |        |       |   |
| Drum Lines                | •••     | •••    | ***   | 12  |
| Drum Heads                | •••     | •••    |       | 12  |
| Drum snares               | •••     | •••    | •••   | 6   |
| ANCHORS of 6, 7, 8, 9, 10 | 0 hundr | eds 10 | D۹.   |   |
| GUNPOWDEB Country         | •••     | •••    | •••   | 10 Candy.   |
| ATAM                      |         |        |       | CHARLES SIMP  |

VIZAGAPATAM THB 1<sup>er</sup>. May 1739.

CHARLES SIMPSON.

### No. 43.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON Esq".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

# HONBLE SIR AND SIRS

We have receiv'd Your favour of the 14<sup>th</sup>. Inst'. directing us to let you know, when we have any Quantity of Goods ready embaled, in order that the Honourable Company's Ships Princess Augusta might be sent to carry them up, this is therefore accordingly to advise Your Honour &c'. that we have now embaled 156 Bales, and the other Cloth we have on hand is as by the List hereunder. which is bringing forward daily and We shall embale of it as we judge something more than 100 Letters to Fort St. George, 1738-39

Bales a month We inclose an Indent for Broad Cloth for Cloathing our Military which we desire Your Honour &c<sup>t</sup>. to send us by the Company's Ship when you shall please to send her down. We are

HONBLE SIR AND SIRS FORT S'. DAVID Your most Obedient Servants [24] MAY 1739. LIST OF CLOTH ON HAND JAMES HUBBARD. B les. Edward Croke. 156 of w<sup>ch</sup>. of Embaled .... THOMAS EYRE. last yrs. Clothe 25. EDWARD HARRIS. 321 At the Beaters ... ROBERT ALLEN. 179호 At the Washers ... CHARLES FLOYER. 368 Bales.

INDENT OF BROAD CLOTH WANTING FOR CLOATHING THE Military VIZ'.

| ORDINARY Blue |     | ••• |     |     | ••• | 1 Bale. |
|---------------|-----|-----|-----|-----|-----|---------|
| ORDINARY Red  | ••• | ••• | ••• | ••• | ••• | 5 D°.   |

FORT ST. DAVID 24TH, MAY 1739.

# EDWARD CROKE Warehousek<sup>r</sup>.

#### Nº. 44.

TO THE HONELE RICHARD BENYON ESQ.

PRESIDENT & GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

Honele Sir & Sies

The last time I had the pleasure to address your Honour &c<sup>t</sup>. I acquainted you with the quantity of Bales our Merchants had contracted for as they have not yet been backward in bringing in their Cloth and every day prom[ised] to amend the quality of it I am in great hopes they will be able to make good their Engagements. We have now lying in the Nellipilly Godown seventy eight besides the Nine Bales of M<sup>s</sup>. Grahams that were left behind.

Since the Report that has been made of Thomas Cooley Caun's taking Delly the Rajahs have made considerable demands upon our Nabob Annawardy Cawn looking upon this as a favourable juncture to gain restitut[ion] for their Ancient Prerogatives, and as Vizaramrauz alone [has] twice the Forces of the Nabob should he attempt to remove to Chicacul as has been talked of for some time it is very probable they will oppose his March (unless he complies with their demands) which must consequently put the whole Country into Confusion. We had also an account last night of a Skirmish between the Phousdar of Massulapatam & a Party of Rashwarrs, the former being surpriz'd in the Night, was obliged to retire into Massulapatam with the Loss of Five or six hundred Men; as it is uncertain how long we may remain quiet in these pa[rts] [I shall] be glad if your Hon<sup>r</sup>. & the glassed to favour me with your Orders in regard to the Honourable Company's Effects, in the mean while should any disturbances arise I shall endeavour to secure them in the best manner I am able. Records of Fort St. George

As we have not yet receiv'd the Warehousek<sup>rs</sup>. Account of Cloth sent from hence in January last, I request Your Honour &c<sup>t</sup>. will be Pleased to send it us by the first oppurtunity.

I am

INGERAM,

20<sup>TH</sup>. MAY 1739.

HONBLE SIR & SIRs Your most Obedient and most humble servant

RICHARD PRINCE.

#### Nº. 45,

To the Honele Richard Benyon Esq.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &<sup>ct</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>t</sup>. GEORGE.

#### HONELE SIR & SIRS

I am glad of any opportunity to acquaint your Honour & c<sup>t</sup>. Council that I am arriv'd on the 5<sup>th</sup>. of June in the Ship Duke of Lorrain at Puliicat, Our Ships Company very sickley, having buried my Chief Mate M<sup>r</sup>. Lardner who was with Captain Hoadley and fourteen other People in my Passage and now on board about sixty People that's sick of the Scurvey: That we cannot Possibly work the Ship to get into Your Road without Your Honour & c<sup>t</sup>. with Please to send Us seventy People to assist Us to work the Ship; Off of Zeloan we had for five days such stormy Weather, and strong Weather, that We could not fetch into Your Road and very glad to fetch in any where; Left the Downs [ in the month ] of Nov[ember], have not put into any place in our Passage. Passengers only Miss Patinson, Two Black Servants Soldiers Seven all Sick 5 dead of the Scurvey, I shall very readyly pay whatever may be the Expence of these peopel [sic] and shall be obliged always to be,

# DUKE OF LORRAIN

IN PULLIACAT ROAD 5<sup>th</sup>, JUNE 1739.

HONBLE SIR & SIRS

Your most humble servant WILLIAM CROMPTON.

P.S.

P This opportunity I send all Your Hon<sup>r</sup>. & c<sup>t</sup>. Letters and all I have for the Gentlemen.

#### No. 46.

TO THE HONBLE RICH". BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUE &OT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

# Honele Sie & Sies

We have receiv'd a Letter from M<sup>r</sup>. Secretary Savage of the 29<sup>th</sup>. Ultimo, inclosing Invoice and Bill of Lading for Broad Cloth sent on board the Princess Augusta for this Settlement, which Ship is not yet arriv'd.

We now send inclosed our Accounts of Expences for the month of April and, Cash Accounts for April and May, the ballance of which last is Pagodas 16801. 5. 7.

Letiers to Fort St. George, 1738-39

We also inclose Our Storekeepers Account of Stores Decay'd, worn out and lost by weight this last Year, with Mess<sup>18</sup>. Eyre and Harris's report concerning the same, which We desire Your Honour &c<sup>18</sup>. liberty to write off, to Proffit and Loss as usual.

Hereunder is our list of Cloth on Hand. We are with much respect

### . FORT ST. DAVID

HONBLE SIR AND SIRS

5<sup>rn</sup>. June 1739.

LIST OF CLOTH.

Your most Obedient servants JAMES HUBBARD &C<sup>T</sup>.

Embaled156 of which 25 of last years Cloth.At the Beaters48At the Washers213----- 417 Bales.

To THE WORSHIPFULL JA<sup>8</sup>. HUBBARD Esq<sup>r</sup>. Deputy Gov<sup>B</sup>. &c<sup>1</sup>. Council of Fort S<sup>r</sup>. David.

WORSH<sup>LL</sup>. SIR & SIRS.

Agreable to an Order of the 29<sup>th</sup>. Ultimo, We have Survey'd the several Articles of Stores, mention'd in the List then delivered into Consultation as Worn out and Decay'd; And accordingly We find them so, and unfit for further Service.

And those short of Weight may be allow'd as the common Effects of Rust Waste, and Leakage, by the many droughts of the Year as Occasion calls for them.

We are

FORT ST. DAVID

15тн. Мау 1739.

WORSH<sup>LL</sup>. SIR & SIRS Your most Obedient servants, THOMAS EYRE.

EDWARD HARRIS.

FORT ST. DAVID APRIL THE 30TH. 1739.

AN ACCOUNT OF STORES LOST BY WEAR, RUST, ROTT, BROAKAGE, WASTE &CT. AND IN THE MANY RETAILINGS, DRAUGHTS OF THE YEAR AMOUNTING TO P<sup>s</sup>. 81-26-25, ARE AS FOLLOWS VIZ<sup>T</sup>.

|                  | m.             | lb.        | ,                |                  |       |                |     |          |       |    |       |           |           |    |
|------------------|----------------|------------|------------------|------------------|-------|----------------|-----|----------|-------|----|-------|-----------|-----------|----|
| IRON, Europe.    | 6              | 1 <u>1</u> | viz <sup>t</sup> | •                |       |                |     |          |       |    |       |           |           |    |
| - <del>-</del> . |                | Ċ.         | M.               | lb.              |       |                | Ρ.  | F.       | C.    |    |       |           |           |    |
| Bolt Iron        | •••            |            |                  | 10               |       | •••            |     | 12       | 67    |    |       |           |           |    |
| Flat Barr        | •••            | 1110 all   | 3                | $20\frac{1}{2}$  |       | •••            | 2   |          | 6     |    |       |           |           |    |
| Square Barr      | •••            |            | 1                | $8rac{3}{4}$ .  | •••   | •••            |     | 25       | 45    |    |       |           |           |    |
| Double Barr      | •••            |            |                  | $\frac{1}{4}$ .  |       | •••            |     |          | 14    |    |       |           |           |    |
| Rod Iron         | •••            |            | -                | $8\frac{1}{2}$ . | ••    | •••            | -   | 6        | 10    |    |       |           |           |    |
| Double Head      | ed             |            |                  |                  |       |                |     |          |       |    |       |           |           |    |
| whott            | •••            | _          |                  | 3 <u>1</u> (     | ). m. | lb.            |     | <b>2</b> | 42    | P. | F.    | C.        |           |    |
|                  | -              |            |                  |                  | 6     | 11             |     | •==_     |       | 3  | 11    | 24        |           |    |
| IRON, Country    | •••            | •••        | •••              |                  | - 1   | $6\frac{1}{4}$ | ••• | •••      | •••   |    | 16    | 25        |           |    |
|                  |                |            |                  | _                |       |                |     |          | -     |    |       | 3         | <b>27</b> | 49 |
| SALTPETRE        | •••            |            | 4                | 23               | •     | •••            | ••• |          | •••   |    | •••   | 3         | 14        | 6  |
| BRIMSTONE        | •••            |            | 1                | $6\frac{1}{4}$   | •     | •••            | ••• |          | • • • |    | •••   |           | 22        |    |
| BENGALL BUTTE    | B              |            |                  | 187              | •     | •••            |     |          | •••   |    | • • • | teriorate | 27        | 13 |
| 17               | 38 <b>-3</b> 9 | - 11       |                  |                  |       |                |     |          |       |    |       |           |           | 19 |

Records of Fort St. George

|   | <b></b>  |  |  |                                       |                   |
|---|--|--|--|---------------------------------------|-------------------|
|   | m. lb.   |  |  |                                       | C.                |
| <b>RED WOOD</b> ·   | $12\frac{1}{2}$<br>seer.   | ••• •••  | •••  | 2                                     | 60                |
| Orl Bengal  | $- 40\frac{1}{2} \dots$ Gallons.   | •••• •••   |  | 31                                    | 54                |
| ARRACK Battavia<br>GENERAL Stores C. m. Steel Europe<br>Nails No. 2<br>D <sup>o</sup> . 3<br>D <sup>o</sup> . , 1<br>D <sup>o</sup> . 4<br>D <sup>o</sup> . 7<br>D <sup>o</sup> . 8 | 101  | $\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$ | <br>6 52   | 3 22                                  | 50                |
| Do. 9   | $\frac{20\frac{3}{4}}{$  | -[31]  | 5 31 9   |                                       |                   |
| LINSEED OYL          Wood OYL          COIR          LEAD          ARMORY Stores.   | 3 Gallons<br>18 Seer<br>9 lb.<br>3 lb.   | ····   | $ \begin{array}{r} - 2 & 35 \\ 1 & \\ - & 4 & 69 \\ - & 3 & 2 \\ \end{array} $ |                                       | ·                 |
| Bayonet Piece new 1   | Lost by a solide   | er Deserting   | s  | 2 20 10                               |                   |
| GENERAL STORES-   | 3 worn out<br>8 Rotten<br>2 Dº.  | •••  | <br><b>3</b> 9 54<br>29 63   | 23 3 12                               |                   |
| W. Lantborns.<br>T. Dº.<br>Powder Hornes<br>Coier Hauser<br>I<br>Twine Bengal   | 1 broke<br>6 D°.<br>2 D°.<br>2 worn out<br>1 D°.<br>b.<br>00 Rotten<br>52 broke & lost | ····<br>···<br>···                                   | $\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$                           | 4 8 37<br>15 5 8                      | 2                 |
| ARMOURY STORES-<br>Drums 4 Viz <sup>t</sup> .<br>3<br>1<br>4 broken   | •••<br>•••   | 9 <u>15 43</u><br>2 <u></u>                          | 11 15 45   |                                       |                   |
| Gun Stocks 20 broke   | & rotten   | • • •  | 4 11 42  | - 15 27                               | 5                 |
|   |  |  |  | 1 m. mm 44.0. mm 44.0. <b>40</b> 0000 |                   |
|   |  |  |  | Pagods.                               | 81 26 2           |
|   |  | · 4  | Errors e   |                                       |                   |
|   |  |  | <b>CHARLES</b>   |                                       | ek <sup>r</sup> . |

# No. 47.

To THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>B</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR & SIRS

Inclosed we take the liberty of transmitting our Packet for the Honourable • President and Council of Bombay which we request you will please to forward thither in the most safe and expeditious manner possible.

On the 23<sup>d</sup>. Ultimo imported our Hoñble Masters Ship Resolution from Bombay, in Company of the Kirty Chund, Princess Augusta, Hallifax, Cæres and Grandison, Moggy and Rachell Brigantines and the Princess Augusta Sloop, all which saild for Your Coast and Bengall between the 24<sup>th</sup>. & 27. On the 27<sup>th</sup>. arriv'd the Mary from Bombay, and Sail'd the 1<sup>st</sup>. Inst<sup>t</sup>. for China as did the Prince of Orange from Surat the 28<sup>th</sup>. Ultimo and sail'd the same day for Bengall. Our Honourable Masters Ship Harrington arriv'd from Bombay the 1<sup>st</sup>. Instant & left Us "for China the 6<sup>th</sup>. We have not to add but that we are

TELLICHERRY. 27 MAY 1739.

# HONBLE SIR & SIRS

Your most Obedient and most hum. Servis.

W<sup>M</sup>. WAKE. W<sup>M</sup>. JEYNSON. JA<sup>8</sup>. VERELST. W<sup>N</sup>. WEST.

No. 48.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR & SIRS

On the 13<sup>th</sup>. March We receiv'd Y<sup>r</sup>. Hon<sup>r</sup>. &c<sup>ts</sup>. favour of the 16<sup>th</sup>. February acknowledging the receipt of ours of the 21<sup>st</sup>. of October with the Packets then sent.

On the 27<sup>th</sup>. Ultimo Imported our Honourable Masters Ships Resolution, Princess Augusta, & Princess Louisa Sloop, all which sail'd hence for Your Port, on the 29<sup>th</sup>. and We hope Arriv'd safe long ere this.

As it is the most expeditious way of sending our Advices to the Honourable President &c<sup>t</sup>. Council of Bombay, We now take the Liberty of troubling Your Honour &c<sup>t</sup>. with a l'acket directed for them, and which We request may be forwarded with the utmost expedition.

Anjengo

22<sup>D</sup>. MAY 1739.

We are

Honble Sir & Sirs

Your most Obd<sup>t</sup>. humble servants

CHARLES WHITEHILL.

J. SALISBURY. THOMAS PATTLE.

RICHARD SANDERS.

THOMAS LANE.

### Nº. 49.

To the Honble Richard Benyon Esq<sup>2</sup>. President and Governour &c<sup>7</sup>. Council of Fort S<sup>2</sup>. George.

### HONBLE SIR AND SIRS

The Sea Horse by stress of Weather has had the Misfortune to overshoot her Port and is fell into Ganjam which made it the 23<sup>d</sup>. of last Month before • Your favour of the 28<sup>th</sup>. April came to hand, that inclosed Duplicate of what wrote by the Sloop William likewise Invoice and Bill of Lading for Ten thousand Pagodas sent on the Sea Horse which the Captain was forced to Land the Ship being so leaky as We are informed that the Government is troublesome we thought it for our Honourable Masters Interest to send Doctor William Gibson with twenty five Peons and a Corporal with him to Guard the Treasure which he had orders on his arrival to send over land; and to Prevent any Molestation we thought proper to send a small present for the Phousedar of Itchapore to the amount of fifteen Pagodas, which we hope Your Honour &c<sup>t</sup> will approve of as it was unavoidable.

Last Night Your Honour &c<sup>ts</sup>. favour of the 14 May came to hand and in Obedience to Your Orders have sent You the Whole Account of what Cloth we have in our Godowns to this Day inclusive which is under mentioned and we hope by the Ultimo of July to have at least one hundred and fifty Bales in all ready for the Ship Your Honour &c<sup>t</sup>. shall please to send to take them in, and by the same Conveyance request a further supply of Ten thousand Pagodas and thirty thousand Rupees, which We expect will be sufficient for all the Settlements. likewise Twenty [Can]dy of Europe Iron.

M<sup>r</sup>. Joseph Goddard having desired a supply of Five thousand, we have sent it him, with a sufficient number of Peons to Guard it.

Herewith comes our Account Cash and Paymaster's Accounts for May, and we are with great respect.

# VIZAGAPATAM

4<sup>TH</sup>. JUNE 1739.

HONBLE SIR & SIRS

Your most Obedient hum. Servant

CHARLES SIMPSON.

| ACCOUNT S      | ALLA | MPORES | Bro <sup>1</sup> . | IN  |
|----------------|------|--------|--------------------|-----|
| Embaled        |      | •••    |                    |     |
| Washed         | •••  |        |                    | 60  |
| Brown          | •••  |        | •••                | 128 |
| At the Washers | •••• | •••    |                    | 82  |
|                |      | Corge  | )                  | 270 |

Nº. 50.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>R</sup>. PRESIDENT AND GOVERNOUR &O<sup>T</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>T</sup>. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

Yesterday I receiv'd your Honour &c<sup>ts</sup>. favour of the 14<sup>th</sup>. May, and as we have no Vessel at present in our Biver that is fit to carry our Cloth to Vizagapatam, I have endeavoured to inform myself as much as possible (during the time) in respect to the several Roads, and am now of opinion Coringa will be the safest and best Place to transport the Honourable Company's Bales on Board the Princess Augusta, There is no objection to be made against this Place, but the damage which the Cloth may Receive from bad Weather in conveying it over land from Nellipilly to Coringa, the Distance being about five Miles, as to the Expence of the Land Carriage it will amount to but a triffle as Your Honour &c<sup>t</sup>. have already observed.

We have in all eighty six Bales of Cloth, fifty eight Bales White, and twenty eight Bales half Washed, and by the latter end of July I expect we shall have about fifty or sixty more.

As nothing of Importance has offered since my last, I beg leave most respectfully to subscribe myself.

### Ingeram

1<sup>st</sup>. JUNE 1739.

HONBLE SIR AND SIRS

Your most Obedient and most humble servant

RICH<sup>D</sup>. PRINCE.

No. 51.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>R</sup>. PRESIDENT AND GOVERNOUR &C<sup>T</sup>. CCUNCIL OF FORT S<sup>r</sup>. George.

HONBLE SIR AND SIR3

We receiv'd the 23<sup>d</sup>. Instant your favour of the 19<sup>th</sup>. accompanying the remittance of Pagodas 20000 which turned out right.

Yesterday in the Afternoon the Honourable Company's Ship Princess Augusta Anchor'd in our Road, by which we receiv'd Your Honour &c<sup>ts</sup>. favour of the 24<sup>th</sup>. of May, directing us to return that Ship with what Bales we could get together by the first of July, as she arrived so late We can hardly send on board her by that time, the Cloth we have already embaled which is 258 Bales, and there being besides at the Beaters about seventy Bales which will be ready for sorting by Mcnday We propose therefore to Keep her till that time, to sort them up and send them also on board [her a]nd shall Dispatch her back to Your Honour &c<sup>t</sup>. on Tuesday morning next, which We hope will meet with Your approbation, We are with much respect

Fort S<sup>r</sup>. David 28<sup>th</sup>. June 1739. HONBLE SIR AND SIRS

Your most Obedient servants

JAMES HUBBARD. EDWARD CROKE. THOMAS EYRE. EDWARD HARIS [sic]. ROBERT ALLEN. CHARLES FLOYER.

No. 52.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQR. PRESIDENT AND GOVERSOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GRORGE.

HONELE SIE & SIES

Your several favours by the Ship Sarah Gally and the Calcutta, and William Sloops under date the 6<sup>th</sup>. 14<sup>th</sup>. and 17 . Ultimo we have receiv'd. 1738-39-12 On examination We find the Tutinague receiv'd by the Mercury (and which was not all Landed when we last adress'd You) comes out short Vizt.

| Inv: peices 5054 wt. |         |     |     | ••• |                   | 3156 5  |   |
|----------------------|---------|-----|-----|-----|-------------------|---------|---|
| Receiv'd 5051        | <br>*** | ••• | ••• | ••• |                   | 3145 27 | 0 |
| <br>Short 3 Pieces   |         |     |     | ••• | Md <sup>s</sup> . | 20 18   | 8 |

which difference We shall Demand from the Owners here.

In counting over the Rupees receiv'd by the Sarah Gally, We find one Rupees short in tale in Chest N<sup>o</sup>. 1 and likewise one Rupees short in tale in Chest N<sup>o</sup>. [2] By the Calcutta Sloop. The Bullion & Redwood came out according to Invoice as well on her as on the William Sloop.

The several supplies of Bullion and Rupees which Your Honour &c<sup>t</sup>. have been pleased to send Us this Year came very Seasonably for the better carrying on our Honourable Masters Investment here.

We observe Your Honour &c<sup>ts</sup>. Remarks to the Resident at Pegue concerning the Sloops built there, and his Answer The several Papers you sent Us are agreable to these he Transmitted to Us with the Sloops. We have taken the same Steps with You in writing to Bombay for what more Sloops We want for this River, and on the like occasions shall do so in future.

Inclosed We send Your Honour & t. Your Account Current with our Presidency as the same stands in our General Books the Ballance of which Current Rupees Two Million one hundred fifty eight thousand seventy three, five annaes & three Pice 2158073 (5. 3) is Transferred to Account Current London as usual.

As we cannot form so exact a Calculate as We could wish of the value of each Madrass Bale accounting the different Species of Goods one with the other, We therefore request for our better guidance in lading any of our Honble Masters Ships which may proceed from hence to be filled up at your Settlement to Compleat their Cargoes for Europe that Your Honour &c<sup>t</sup>. will be pleased to favour us therewith by which means the Cargoes of those ships which consist of the Goods of each Presidency will come out nearer in value to those. We dispatch directly from hence, by our lading a quantity of more or less valuable Goods on them here And this favour We are induced to Ask from your Honour &c<sup>t</sup>. Our Honourable Masters having remarked on the great difference that frequently happens in these Ships Values. We are with great respect.

FORT WILLIAM

9<sup>18</sup>. MAY 1739.

HONBLE SIR & SIRS

Your most humble servants

THOMAS BRADDYLL. FRANCES RUSSELL. JOHN FOSTER. WILLIAM DAVIS. WILLIAM BARWELL. JOHN HALSEY. WILLIAM BUCKNALE.

Nº. 53.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONELR SIR & SIBS

This serves to Advise that we have loaded on board the Honourable Company's Ship the Princess Augusta 309 Bales of their Callicoes, whereof twenty five are of our last Years Cloth, the Invoice of which amounting to Pagodas 1857. 20. 20 is inclosed, the other 284 Bales are what Embaled of this Years Goods, The Invoice of the Contents of which and the first Bill of Lading for all are inclosed.

We inclose likewise Our Stewards Acco<sup>t</sup>, of Provissions &c<sup>t</sup>. Supplied this Ship at the Captain's request amounting to Pag<sup>s</sup>. 17. 4. 25. We are with much respect

## HONBLE SIR & SIBS

Your most Obedient Servants

FORT ST. DAVID 3<sup>D</sup>. JULY 1739.

JAMES HUBBARD &CT.

# Nº. 54.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>8</sup>. PRESIDENT AND GOVERNOUR &C<sup>7</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>7</sup>. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

The foregoing is Duplicate of what we wrote Your Honour &c<sup>t</sup>. by the Ship Princess Augusta. This incloses Duplicate Invoices and second Bill of Lading for 309 Bales of Callicoes laden on board that ship on our Honourable Masters Account.

We also inclose our accounts of Expences for the Month of May and Cash Account for June Ballance whereof is Pag<sup>s</sup>. 26102. 24. 45.

Hereunder is our List of Cloth on hand.

We send inclosed Indents for Stores and Stationary Ware wanted here, which We desire Your Hononr &c<sup>t</sup>. will be pleased to supply us with.

We are

| Fort ST. DAVID               |     |     |            | HONBLE SIR AND SIRS         |
|------------------------------|-----|-----|------------|-----------------------------|
| 3 <sup>RD</sup> . JULY 1739. |     |     |            | Your most Obedient servants |
| LIST OF CLOTH                |     |     |            | JAMES HUBBARD.              |
|                              |     |     |            | EDWARD CROKE.               |
| At the Beaters               | ••• |     | 24         | THOMAS EYRE.                |
| At the Washers               |     | ••• | 224        | EDWARD HARRIS.              |
|                              |     |     |            | ROBERT ALLEN.               |
|                              |     |     | 248 Bales. | CHARLES FLOYER.             |
|                              |     |     |            | •                           |

INDENT for STATIONARY WARE wanting in FORT ST. DAVID for the Year 1739.

| Royal Paper           |        |     | • • • | ••• | ••• | 2  Reams.             |
|-----------------------|--------|-----|-------|-----|-----|-----------------------|
| Demy                  | •••    |     |       |     | ••• | <b>2</b>              |
| Medium                |        |     | •••   |     | ••• | 4                     |
| Fine Post             |        | *** | •••   |     | ••• | 6                     |
| Fools Cap             |        |     | •••   |     | *** | 6                     |
| •                     |        |     |       |     |     | discussion and manage |
|                       |        |     |       |     |     | 20 Reams.             |
|                       |        |     |       |     |     |                       |
| Quils                 | •••    | ••• |       |     | ••• | 2500                  |
| Penknives             | •••    | ••• |       |     | ••• | 12                    |
| Ink Glasses           | ***    | ••• | •••   | ••• | ••• | 12                    |
| Red Tape              |        |     |       |     |     | 10 m                  |
| neu rape              | • • •  |     | •••   | ••• | ••• | 12 Pieces.            |
| Black Lead P          |        | ••• | •••   | ••• | ••• | 12 Pieces.<br>20      |
| Black Lead P<br>Hones |        |     |       |     |     |                       |
| Black Lead P          | encels | ••• | •••   | ••• | ••• | 20                    |

Records of Fort St. George

INDENT for STATIONARY WARE wanting in FORT ST. DAVID for the Year 1739-cont

|   | Sand Boxes    |     |     |     | ••• | ••• | 6              |
|---|---------------|-----|-----|-----|-----|-----|----------------|
|   | Ink Powder    |     |     | ••• | ••• | ••• | 24 Papers.     |
|   | Ivory folders |     |     |     | ••• | ••• | 6              |
|   | Sealing Wax   |     |     | ••• |     |     | 6 lb.          |
|   | Pounce        |     |     |     | ••• | ••• | 2 D°.          |
|   | Tourito       | ••• | ••• | •   |     |     |                |
| a | DINT          |     |     |     |     |     | CHARLES FLOYER |

FORT Sr. DAVID 30<sup>\*\*</sup>. JUNE 1739.

INDENT for STORES wanting in FORT ST. DAVID.

Secry.

| Ancho<br>Grapn   |     | •••  | •••         | <br><br>3 | <br>of 2 q <sup>re</sup>          | 6   | <del></del><br>From 21<br>Viz.<br>8 q <sup>rs</sup> | ∞ 10 ·<br>6   |
|--|-----|------|-------------|-----------|-----------------------------------|-----|---|---|
| ·<br>D°.<br>D°.  | ••• | •••• | ••••<br>••• | •••       | 4 Inc<br>4 <u>1</u><br>5 <u>1</u> | hes | •••   | ıь.<br>250<br>500<br>250                            |
| Bolt I<br>Fort S <sup>2</sup> . David<br>3 <sup>2</sup> . July 1739. |     |      | •••         | •••       | •••                               |     |   | 2 Candys.<br>ndys.<br>es Floyer<br><i>Storekr</i> . |

No. 55.

TO THE HONELE RICHARD BENYON ESQ.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

# HONBLE SIR AND SIRS

Having Adressed ourselves to Your Honour &ct. on the 4th. Instant when We acquainted you with the number of Bales might be reasonably expected ready for the Ship intended Us in July which is the most We can Venture to promise as We are daily obliged to turn out great quantities.

Last night our Peons came in from Ganjam with the Chest of Treasure Your Honour &c'. ladend on board the Ship Sea Horse, which comes out according to Invoice, at the same time arrived Two Cossids from Bengall with a large Packet which We now send by fresh Peons, the others being not able to Travel any further.

By a Jentue Boat we receiv'd Your Hon'. &cts. favour of the 27th. of May the 11th. Instant which inclosed Duplicate of Your General Letter of the 14th. Ultimo with Invoice and Bill of Lading for 500 Gunneys which were deliver'd safe and we request a further supply of three Candy of Twine, which is all the Packing stuff we have occasion for.

We have deliver'd the Peons according to Yr. Orders a seald Bulse containing five Madrass Pagodas and in obedience to Your Commands We shall keep things in the Order we can likewise make a Calculate of the Necessary charges the Fortifications [&c'.] will be at in Repairs, and lay it before Y'. Hon'. &c'. [for Your] approbation.

Yesterday we had a request from Mr. Richard Prince for Five thousand Pagodas which will be complied with tomorrow, He likewise informs us that the French have had remittances from Pondicherry to the amot, of seventy thousand Pagodas, and that they have ready in their Godowns six hundred Bales of Cloth of

several sorts & the like number they expect by December they having no regard to the Lengths, Breaths or Sortments of their Goods, which is a very great prejudice to the Investments both at Uppara and Ingeram.

The Nabob still continues at Rajamundram in suspence waiting for the return of his Peons from Golcunda with Delly news, it not being as yet confirmed which keeps the Rajahs from rising being all ready for a revolt upon the first favourable , occasion that Offers, being what at present Accrues We respectfully are

HONBLE SIR AND SIRS

Your most Obedient humble Serv<sup>TS</sup>.

15 JUNE 1739.

VIZAGAPATAN

CHARLES SIMPSON.

# No. 56.

To the Hoñele Richard Benyon Esq<sup>B</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR AND SIRS

I have now an opportunity of acknowledging the Receipt of Your Honour &c<sup>ts</sup>. favour of the 9<sup>th</sup>. Instant, and at the same time to Advise you that we are e[ntirely] free from the troubles, which we had lately cause to apprehend, We should meet with from the Country Government, The Rajahs being gone to Comilly has left our Nabob at Rajahmundram quiet and easy in full possession of all the Country round about Us.

Being in want of Cash to carry on the Investment I wrote to M<sup>r</sup>. Simpson, desiring him to send me a supply of Five thousand 5000 Pagodas which I this day receiv'd, agreable to my request.

Having receiv'd the Account of Cloth taken in at Madrass, our Books shall be closed and Copies thereof Transmitted Your Honour &c\*. as soon as possible. I am with the greatest respect

INGERAM 23<sup>p</sup>. JUNE 1739. Honele Sir and Sirs Your most Obed<sup>t</sup>. and [most] humble Servant Richard Prince.

# No. 57.

TO THE HONELE RICHARD BENYON ESQ". PRESIDENT AND GOVERNOUR &OT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR & SIRS

On the 23<sup>d</sup>. Ultimo we troubled your Honour &c<sup>t</sup>. with our Original Packet for Bombay requesting you would be pleased to forward it thither by Pattamar Express; We now send Duplicate thereof and beg leave to repeat the same in respect thereto. We are

ANJENGO

HONBLE SIR & SIRS

8<sup>th</sup>. JUNE 1739.

Yr. Honr, &c\*s. most Obd<sup>t</sup>. & most humble servants

THO<sup>8</sup>. [PATTLE]. THO<sup>4</sup>. LANE.

49

1738-39-13

#### Nº. 59.

To THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

# HONBLE SIR & SIRS

I have receiv'd your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>is</sup>. favours of the 1<sup>st</sup>. and 14<sup>th</sup>. May. The Master of the Brign<sup>ns</sup>. tells me that the reason why the Pilots would not carry the Vessel over the Barr, was that they would not venture least the Wind should fail them before they got over the Barr, and then the force of the Breakers would set her upon the Shoals; 'tis impossible to pass this Barr if the Wind is to the Southward of the East or West and if it should, it should prove favourable the Pilots will not attempt it but upon the Flood, and with a leading Gale. I cannot pretend to say how much the Pilots are influenced by the Phousdar of Narsapore, but I have never had any Opinion of his Sincerity. In fifteen days I shall begin to embark the Bales on board her.

The Letters inclosed in your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>16</sup>. Letter of the 14<sup>th</sup>. for Vizagepatam and Ingeram were immediately forwarded according to order.

I am with the greatest respect

MADEPOLLAM

26<sup>тн</sup>. Јиле 1739.

LISS OF BALES.

| White embaled<br>Brown D <sup>o</sup> . | <br>••• | $\begin{array}{c} 250 \\ 83 \end{array}$ |
|---|---------|--|
| At the Washers                          | <br>••• | 27                                       |
|   | Bales   | 360                                      |

Honele Sir & Sirs Y<sup>r</sup>. most obed<sup>t</sup>. humble servant

JOSEPH GODDARD.

No. 59.

To THE HONELE RICHARD BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &C". COUNCIL OF FORT S'. GEORGE.

## HONELE SIR & SIRS

We have receiv'd your favour of the 10<sup>th</sup>. of July which came to hand the 12<sup>th</sup>. Instant.

We shall according to your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>ts</sup>. directions pass all such cloth as Gopol Chitty shall bring into our Bounds, on Account his Contract with your Honour &c<sup>t</sup>. through our Mettas in the same manner as is done with the cloth brought in by our Merchants.

We are of opinion with your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>t</sup>. that in order to enable our Merchants to bring in greater quantities of Cloth it will be necessary to make the advances to them larger, and more particularly so at this time when you have been pleased to direct us also to provide some fine and Middling Cloth and Handkerchiefs, and therefore agreable to the Liberty you give us we have now paid them ten thousand Pagodas more, which makes their advance in all thirty thousand Pagodas, which We hope will be sufficient.

We have spoke to our Merchants to set about providing Long Cloth fine and Middling as near the Prices you mention of Pag<sup>s</sup>. 75 for the Fine and Pag<sup>s</sup>. 45 for the Middling as possible, which We understand to be designed for the Price the Cloth is to stand in [one] with the other when brought into the Bounds including the Land Custom & Dustore and allowance to the Merchants, thô afterwards wb[en] it is sorted White, the higher numbers will be consequently more and lower numbers less, this We ta[ke] to be the intentions of your Honour &c<sup>10</sup>. orders

•50

Letters to Fort St. George, 1738-39

on this head, but should we be mistaken therein You will be pleased to set us right in this matter in your next favour; as we beleive it will be the best way to agree with the Merchants upon Brokerage upon these Goods as well as the Salem and ordinary cloths, we have discours'd them on that head, and they insist upon one Pagoda  $\mathcal{P}$  Corge for the [ir] allowances for the Middling, and one and three quarters for the Fine cloth, which is the lowest they say they can take, concerning which we beg Your Honour &c<sup>ts</sup>. [direc]tions. They assure us they [*sic*] risque they run in trusting the Weavers and Country Brokers for the Fine Goods is much greater than for the others and the Ballances that will necessarily be in their Hands will be more difficult to be got in, so that they cannot without great Hazard of losing thereby undertake to bring in the Fine Cloth at a Lower Brokerage.

We have receiv'd the two Musters of Soote Romals, and shall as soon as possible set about providing the Five thousand pieces you are pleased to order, We have not yet come to any agreement with the Merch<sup>ts</sup>. on this Head which when we do We shall Adyise Y<sup>r</sup>. Honour &c<sup>t</sup> of, and We shall take care to give directions that the Cloth be kept up to, in goodness, and the Dye be of as bright a Blue or better if possible.

We shall agreable to our Honourable Masters permission set about the Building a New Powder Magazine to go on far with it this year, both as the Monsoon is approaching and that we have not at present nor can be able yet to procure any tolerable quantity of Chunam, We shall take all the care we can that this Building when done shall not exceed the estimate it was computed at if possible.

We shall agreable to your Honour &c<sup>ts</sup>. orders pack up all our Bale Goods as well Ord<sup>17</sup>. as Fine for the Future in Wax Cloth, of which We have not at present enough for 50 Bales, but We are endeavouring to get some made here for that purpose.

Hereunder is a List of Cloth on hand.

Fort ST. DAVID 14 July 1739.

LIST OF CLOTH. At the Beaters ... 79 At the Washers ...  $222\frac{1}{2}$ 

Bales  $301\frac{1}{2}$ 

Honble Sir & Sirs Your most Obedient servants,

We are

JAMES HUBBARD. EDWARD CROKE THOMAS EYRE. ELWARD HARRIS. ROBERT ALLEN. CHARLES FLOYER.

Nº. 60.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>R</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &Cr. COUNCIL.

HONBLE SIR & SIRS

On the 27<sup>th</sup>. past month We dispatch'd to you our Packet for the Presidency of Bombay as We now do another, requesting you will please to order it to be forwarded thither with all possible Expedition.

Not having any material Advices we beg leave to subscribe ourselves.

Tellicherry 29<sup>18</sup>. June 1739.

HONBLE SIR & SIRS Your most Obedient & hum Serv<sup>ts</sup>.

> WILLIAM WAKE. WILLIAM JEYNSON. JA<sup>s</sup>. VERELST. W<sup>m</sup>. WEST.

LIST OF THE PACKET TO MADRASS PRESIDENCY, THE 29<sup>12</sup>. JUNE 1739.

N°. 1 Pres<sup>t</sup>. Letter under the above date.

2 Duplicate of the 27<sup>th</sup>. May.

3 A Packet to be forwarded to the Presidency of Bombay.

4 Ditto ...

5 List of the Packet.

J. BYFELD Secry.

of Bengall.

#### Nº. 61.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQR.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE

HONBLE SIR & SIRS

We have receiv'd your favour of the 18<sup>th</sup>. Instant wherein Your Honour &  $e^t$ . are pleased to approve of our allowing our Merchants one Pagoda  $\mathcal{P}$  Corge for the Middling Long Cloth, and One Pagoda and three quarters on the fine.

We have conform'd to your Honour & $e^{ts}$ . directions in paying M<sup>r</sup>. Michell's allowances here to the last of June.

We inclose our Accounts of Expences for the Month of June and Cash Account for July the Ballance of which is Pagodas 6123. 20. 77. so that We shall have occasion for a further supply, which We desire Your Honour &c<sup>t</sup>. to send us as soon as conveniently you can.

We are Advised by our People at Salem that one Nanjan Chitty is come lately thither from Seringapatam who has taken at Farm of the King of Misore the Coinage of fanams and making of Cloth at Salem, and that he talks of raising the Price of fanams from  $24 \frac{5}{3}$  the highest they were at lately, to  $22\frac{3}{4}$  P Pagoda, and he insists that all cloth that is made there be sold to him, or that he be paid an allowance upon it, which some People that are buying cloth there have already settled with him at 2 Pag<sup>s</sup>. or  $2\frac{1}{2}$  P Corge, by all [these] means the Cloth will be rais'd considerably in [price Our] People have not yet complied with these exactions, and are endeavouring to stave them off ; but it will be impossible to Avoid them long, as others are fallen into them ; We should be glad of your Honour &c<sup>ts</sup>. directions how we should Act in this matter.

Last night passed by a large Ship. with French Colours and a Pendant, which We suppose to be from France, but as yet have had no Advices.

Hereunder is a List of Cloth on hand. We are with much respect.

| FORT ST. DAVID              | HONBLE SIR & SIRS           |
|-----------------------------|-----------------------------|
| 31 <sup>st</sup> July 1739. | Your most Obedient Servants |
| LIST OF CLOTH               | JAMES HUBBARD.              |
| Embaled $\dots$ $52$        | EDWARD CROKE.               |
| At the Beaters 102          | THOMAS EYRE.                |
| At the Washers 210          | Edward Harris.              |
|                             | ROBERT ALLEN.               |
| Bales 364                   | CHARLES FLOYER.             |
|                             |                             |

## Nº. 62.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQR.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

# HONBLE SIR AND SIRS

By the Galatea who imported here the 11<sup>th</sup>. Instant We were Honour'd with your Letter of the 7<sup>th</sup>. October last with the Papers therein mention'd, and this only

waits on your Honour &c<sup>4</sup>. to acquaint you that the Marlbrô Captain Thomas Smith, arriv'd here from London the 5<sup>th</sup>. Instant, and in the General Letter from the Honourable Court of Directors, We are order'd to send her to Borneo to get a Ca[rgo of] Pepper, concordant to which We shali Dispa[tch her as] soon as she is able to proceed. At present many of her Crew are still very ill of the Scurvey having had a seven months passage from England without touching any where; in the mean time M<sup>r</sup>. Hurlock being returned on the Galatea, and according to your orders taken into Council, We have appointed him Supra Cargo, and sent him by this conveyance, with M<sup>r</sup>. James Wheeler to Assist him. He is furnished with Instructions to Contract for a Cargo of Pepper for the Marlbrô, and get it in readiness against her arrival at Benjar, which will answer the same end, as if that Ship had proceeded sooner. We have given him orders to inform your Honour &c<sup>t</sup>. with his proceedings there, and what view He shall find to procure a Cargo for next Years Shipping.

The Scarborough Anchord in our Road the 27<sup>b</sup>. by her We have receiv'd twenty Bales of Long Cloth, and sundry particulars as  $\mathcal{P}$  Invoice from the President and Council of Bengall, and We hope to Dispatch her at the end of January.

The Queen Caroline saild for England the 23<sup>d</sup>. October last, with three hundred and ninety seven Tons of Pepper.

As to other occurrances since the departure of the George, We defer giving your Honour &c. An Account of them, till we have the opportunity of the Honourable Company's ship. We are

HONBLE SIR & SIRS

FORT MARLBOROUGH

31st, December 1738.

Y<sup>r</sup>. most humble servants

Robert Lennox

&c<sup>t</sup>. Council.

# Nº. 63.

TO THE HONELE RICHARD BENYON ESQE.]

PRESIDENT AND GEVERNOUR &or. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR & SIRS

Conformable to my Instructions do lay before your Honour &c<sup>t</sup>. for your perusal a full account of my proceedings since my Arrival at Benjar, which comes inclosed, as also Copy of the Instructions deliver'd me by the Deputy Governour & Council of Fort Marlbro, unto which I beg referrence, wherein your Honour &c<sup>t</sup>. will find all the Transactions and Occurrences explain'd to the utmost of my Power, beseeching your excuse for the same.

The Supra Cargoes of the Walpole having receiv'd instructions from the Honourable Court of Directors, to endeav our to make pass Current the New Mill'd Dollars, therefore they accordingly did acquaint the Sultan with the Company's Orders, but by some misunderstanding or only a pretence to quarrell, the Sultan insists upon their having 60,000 New dollars as also that they must change the Dollars of Benjar, which sum he says they informed him to be on board the Walpole, when it is evident they are in possession of only seven Chests being to the amount of about 28000; upon which difference he thought proper to prohibit their Weighing off any more Pepper; But as I was not out of the Sultan's Esteem, did weigh and deliver them 480 Pecul, and upwards, which when the Sultan came to h[ear did] also forbid my weighing unless the Supra Cargoes [wo]uld condesend to Ask his Pardon upon ver[y resonable] terms for only this triffing difference that has happen'd which We thought not proper to comply with, knowing they cannot dispose of their Pepper on hand untill next year, unless to the English, therefore think it a good opportunity to bring them to reasonable terms, by both Ships resolving to leave the Place which We assured them we would immediately put in execution unless they did Accommodate Affairs; at first they seem'd indifferent as to our stay, saying We might proceed as We thought proper, but when they 1738-39-14

found We was in earnest, by seeing Us pack up all our necessaries and loaded them on board our Boats, they came & asked what proposals we intended to make, when We told them We only desired to trade free, and Settle a lasting Correspondence in behalf the Honble Company, but to have dishonourable terms imposed upon Us, never will be complied with They accordingly have agreed to the propositions, [and] they are to begin and Weigh tomorrow; By the best information; beleive they will procure to the amount of 3000 Pecul.

As I stay for next Crop, (provided I obtain a full loading out of the same,) here will be remaining not above 3000 Pecul, which quantity I shall endeavour to engage the Sultan, that it may be reserved for the China Ship next year, but as the promises here are not to be much depended upon. In case I should meet with a disappointment of a full Cargo, will return for Bencoolen in order to compleat her Loading, so if Your Honour &c<sup>t</sup>. think proper to order more than the usual quantity of Saltpetre by the Bengall Ship I believe it will not [ be ] any way combersome at Bencoolen if there sh[all not ] be any immediate occasion for it, But of [ it your Hon ]our &c<sup>t</sup>. will be the best Judges.

Enclosed comes a Bill of Lading for 100 Slabs of Lead, the weight I cannot inform you of having no place to weigh it, therefore shall not Debt Fort Marlbrô for it, but leave it untill they at Marlbrô are certain how much it turns out, and then they may Debt Y<sup>r</sup>. Presidency for the exact sum; which I hope you'l approve of, and shall exert myself as much as possible in the trust which is reposed in me, that I may deserve the approbation of my Honourable Masters, as also that of Your Honour & c<sup>ts</sup>. I am with due respect

# HONBLE SIR AND SIRS

TATAS

13<sup>TH</sup>. JUNE 1739.

Y. very Obedient and most humble Servant

JOSEPH HURLOCK.

To M<sup>B</sup>. JOSEPH HURLOCK.

SIR

The Honourable Court of Directors having Consigned to us the Marlborough Captain Thomas Smith Commander to be forwarded to Borneo in order to keep up a Commerse with the Benjareens, and to procure a Cargo of Pepper; To which end they direct that We appoint some of their servants here whose Capasity and Fidelity can be relied on, to transact this affair with a probability of Success; We have thought proper to make choice of you; and as your prudent management herein will greatly recommend You to their Honours favours, We hope you will use Y<sup>r</sup>. utmost endeavours to accomplish the Design [upon which you] are sent; and which We shall explain to you in the following Instructions; We enjoin you to a carefull observance of them and to take such further measures as you shall find convenient and inducive to the Honourable Company's Interest.

The Galatea being bound on a trading Voyage to Borneo, We have judged it necessary to send you by this Conveyance to contract for the Price of Pepper and to precure a Cargo for the Marlboro, whom We shall Dispatch to you as soon as Her Crew is recovered, and the ship in a Condition to proceed; On her will be consigned to you the Treasure with a Garbling Mill and other Necessaries. In the mean time we now deliver to Your Charge sundries for Presents and \$ 1000 for defraying your Charges & supply other Occurrencies, We have also put on board the Galatea some [. . . ] and Provisions for you the whole as  $\Im$  particulars in the Invoice annex'd amots. to \$ 3440-1-58 which is left to your Oeconomy. Distribute the Presents in the best manner to be of Force and to have the desired Effect.

As you are but lately returned from Benjar, you will already be acquainted with the Men in Power to whom it is proper to make application, and We have herewith given you a Letter to Sultan Tomjce Doollah, who has wrote us by Datto

-54

Amass in very obliging terms; Behave courtiously towards him, and all the Mallays in general, with whom you shall have any Dealings, in order to facilitate an intercourse hereafter and to establish a good Confidence with them.

From the treatment which the Prince of Wales and Jane have met with last season we except you will with little difficulty obtain a Loading for the Marlborough at the same rates as those two Ships; But if by some unforeseen event the Price of Pepper should be enhanced either through a large Demand from China or other Vessels who may happen to be there before you which however We see no cause to apprehend as you will arrive so early; there is no remedy left but to purchase all you can upon the best terms procurable, for the Disappointment of a Cargo would fall very heavy on our Honourable Masters We must therefore leave the Conditions to Your discretion. But in such case let the Sultan know that the [Benjar]een will concurr to render the Trade recipro[cally] profitable.

Therefore represent to the Sultan that if he designs to promote a lasting Corespondence with the English it is requisite to put them on some certainty that no difficulty arise in future, when our ships come there; To which end use the most enducive argum<sup>ts</sup>. to persuade him to grant a Chop wherein the Price of Pepper be stated and a promise inserted to keep it all for our shipping, assuring him the Honble Company will annually send two Ships in Case he will engage for their Lading and ascertain a reasonable Price.

As one of the ships (if you succeed in your request) will be orderd to touch there in Her way to China, and will commonly arrive [some time] in April; agree if poss [ible to] have the Pepper kept for Her on readiness that she meet [with no] retardment.

The Season for gathering the Pepper Crops, being the same at Benjar as here, where We usually have it all receiv'd by the end of September, it is of the gratest consequence for the Dispatch of our ships to obtain from the Sultan, that it be all brought out of the Country in such a time that the Ship which will be hereafter sent from hence may be able to return by the end of January, when she can save her Monsoon, and avoid the great charge of Demorage, besides other material inconveniencies which would attend the detention of a ship a whole Year round; We therefore particularly recommend this to Your Care.

We have herewith given you a Copy of the General Letter receiv'd by the Marlborough which you must carefully peruse, and take due notice of the Directions therein [set down] which being very explicit and containing eve[ry thing] that is necessary for your further Instruction We referr you thereto, and shall only repeat some of the Heads of some of them for your more ready remembrance.

If possible get the Pepper Garbled clean before you weigh, the dust must be destroy'd; see that it be dry and Adjust the weight with their Dolchin that you get 132 lb to a Pecul.

You must not pay any Money before hand and only send up for as much Money at a time as you have present occasion for, allways set a good Guard to Convey it, as also to carry down the Pepper.

Keep a regular Diary of all Transactions and by the Galatea send [a copy] of it to the Honourable President and Council [of Fort] S<sup>t</sup>. George acquainting them what Probability [there is for pr]ocuring Pepper for next years shipping.

We have Appointed M<sup>r</sup>. James Wheeler to Assist you, and in Case of an Accident happening to You to succeed in the Management of the Honourable Company's Business.

As We are informed since the Arrival of the Scarborough there are some Country ships design'd from India this Season for Benjar; We have thought proper to prohibit their making any purchase of Pepper till you have procured a Loading for the Honourable Company's Ship, wherefore you are to acquaint the

Supra Cargoes of such ships with our orders, and in case they have not due regard thereto, then Deliver them a Protest in behalf of our Honourable Masters for all damages they may sustain from the interruption and hindrance given to their Commerce.

Captain Mylne having Petition'd Us for leave to receive the [pepper] left in Debts last season, being about three hundred and fifty Pecul, We have granted his request in consideration that he was servicable to the Company last year. As he is strictly enjoin'd by his owners not to interfere where the Company's Interest is concerned, we are of opinion he will punctually obey their orders, and not make any Contract without your permission, and in every thing else We desire you will assist him, and as He is a Man of Experience and well acquainted with the manner of transacting Business amongst the Mallays, We desire that you will take his opinion, and advise with him in all Affairs of consequence.

Captain Mylne having agreed to carry the Lead mention'd in the Invoice Fr[eight] free to Madras, if you cannot Dispose of it at Borneo [send]<sup>6</sup> Bills of Lading for it and send o[ne to] the Honourable President and Council of Fort S<sup>t</sup>. George.

We have sent with you the Honourable Company's Sloop Boneta who will bevery usefull to you at Benjar.

Be guided in all respects by the Cautions & orders given in the Honourable Company's Letter, but as the Marlbrô will not be able to go home this season, when the Pepper is all on board, deliver the Captain sailing orders for Fort Marlborough, directly and expressly forbid him to Touch at Batavia in his return from Benjar; as we shall pohibit it in his going to Benjar unless there should be an absolute necessity for it.

Inform yourself concerning the contract made with the Dutch, and the reason why they have not continued sending there, and take that opportunity to insinuate to the Sultan, that if they have not fulfilled their part of the engagement in fetching away the Pepper he also is freed from his obligation [and] may sell it to whom he pleases.

But [if he would] make any proposal of putting himself under the Honourable Company's protection and desire their assistance against his Enemies avoid as much as you can discoursing on that Subject, but if he continues pressing let him know that you will make a representation of it to the Company and that you must wait their answer before you can give him any Assurances of it, because their Intentions are only to trade with him in a Mercantile way; In the mean time tell him if he enters into an agreement to supply them with Pepper, their shipping, which will be there at times will be sufficient to deter the Macassors, and other Neighbouring Ma[llays] from attempting to be troublesome to him for We believe [he is] not apprehen[sive] of being attacked by the Dutch themselves.

The Honourable Company's design being to settle and confirm a friendly enter; course in those Parts, as it many [sic] be a means to encrease their Traffick to India-In order thereto endeavour to persuade the Sultan to send some Person in his confidence in hopes from the good treatment they shall meet with here, they will be made sensible that We have no other intentions then to promote a Trade which will be mutually Advantageous.

We have not put any quantity of Picked Dollars as you have informed us common plain Mexico are current there if they Appear but fair, but as We shall not be able to get them above a Year longer, let them see some of the new milled Coin that they may be prepared for them, and enquire what other Money they take in. Payment that We may Procure it in future. We are

HONBLE SIR & SIRS

Your Loving ffriends

FORT MARLE'ROUGH 31st. DECEME. 1739.

ROBERT LENNOX. WILLIAM RIGG.

CHA<sup>8</sup>. BARECT. WILLIAM COLES.

Letters to Fort St. George, 1738-39

A DIARY OF ALL TRANSACTIONS AND OCCURRENCES AT BENJAR KEPT BY JOSEPH HURLOCK SUPRA CARGO OF SHIP MARLBOROUGH CAPTAIN SMITH COMMANDER, FOR AFFAIRS OF THE HONOURABLE UNITED COMPANY OF MERCHANTS OF ENGLAND TRADING TO THE EAST INDIES.

Sail'd from Fort Marlborough on the Galatea Cap<sup>t</sup>. R : Mylne,

Arriv'd in Tomborneo Road.

M<sup>r</sup>. Wheeler and self left the ship, & proceeded for Tatas, where We arriv'd the 15<sup>th</sup>. in the afternoon, and went immediately to Caice Wergo the Shabander, acquainting him of our arrival, at the same time desired be would send an express to the Sultan at Cayatongee, with information of our being come here from the Honourable Company, also when He would have Us wait on him.

The Messenger returned from Cayatongee with orders to conduct us as soon 17 as possible [un] to his Majesty.

This day was entirely [employ'd] in preparing the Presents from the 18 Honourable Company, designed his Majesty &et. Pangarans at Cayatongee. 19

At noon set out for Cayatongee.

Arriv'd at Cavatongee at 5 this morning after a great deal of fatigue, at 10 Mr. Wheeler and self went to his Majesty with the Letter and Present, which were given him in the Name of our Honourable Masters; He seem'd very well -local thorowith also gave Us a hansome reception and fired 9 Guns. The pleased therewith also gave Us a hansome reception and fired 9 Guns. Letter was publickly read, and he told me he must more circumspectfully peruse the Contents before he could give any answer, therefore as He had provided a Lanting for Us during our stay here, We took our leave & departed.

Ha[d] an audience to his Majesty, when He told me that the Letter pressed a speedy Dispatch from this Port, which he was affraid could not be obtain'd [ . . ] We expected a ship Load of Pepper for that a China [ship from Ba] tavia had consigned a great sum of Money to several [ . . . ] Inhabitants of this Place to be invested in Pepper before the Arrival of the Junks from China therefore he beleiv'd 2000 Pecul is the most that is not engrosed as yet by the aforesaid People, for as they reside here the year round undoubtedly they have an infinite advantage over all Europeans, by collecting the Pepper at the dead season of the Year, We told his Majesty that in Case the Honourable Company was disappointed of a Cargo now, he might be assured they would never attempt to come here again, nor did they in the least ever surmise of carrying on a Commerce to Benjar any more had it not been for the incouragement of an invitation from Pang<sup>n</sup>. Singo Saree and Goostie Anapa sent to Bencoolen about 4 years past, therefore I beseech'd his Majesty would consider no time could be lost for that I expected the ship Marlborough, the Governour and Council of Bencoolen intending to Dispatch her as soon as possible for Bengar; He told me I should return to the Lanting, and tomorrow He would appoint a proper Person to settle the Price of Pepper with me, so [He took] my leave.

Went to his Majesty again and asked if He had or would now constitute a Person to settle the Price of Pepper, which he complied with immediately and order'd Caiee Wergo the Shabander of Tatas now present to conferr with me; His Majesty asked me what could be the reason the Dutch have not for these three Years past come here, when I made answer undoubted they found the Contract they was under with his Majesty not to answer their expectations and after much discourse relating to the Dutch for not fulfilling their part of the agreement I replied consequently all obligations from his Majesty are void without being apprehensive of any danger to accrue by disposing of the produce of his Country to any other Nation he pleased. I desired his leave to return for Tatas that I [might] speedyly conclude on the Price of Pepper which He [gave us] so I paid my Respects & sett out for [Tatas].

Went to Caliee Wergo]'s House requesting He would fix the Price of Pepper [He said he] would consult with Pangaran Marta first and then we should meet there. nevertheless He asked how much I dare give Pecul, to which I answer'd 5 Dollars clear of Customs.

1738-39-15

57

1738/9 JANUARY.

2¤.

12

13

JANUARY 230,

24

22

JANUARY 26

Was summon'd to Pangaran Marta's House where was assembled Caiee Wergo and several of the leading Men, who said this meeting was to hear at once the most I would venture to give for Pepper, when without any Hesitation I declared that 6 Dollar a Pecul including Customs was the most I do really design to give; The Pangaran made answer that 7 Dollars is the Price the Merchants are resolved to insist upon, which with his Majestys Customs makes 8 Dollars, for says He the Merchants bought it at  $5\frac{1}{2}$  Dollars  $\mathcal{P}$  Pecul in the Country, therefore they expected some proffit, also as the Junks are dayly expected they said very probable the price would still rise and after abundance of arguments to induce them to my terms, found it impossible to succeed in a conclusion at present, therefore freely told the Pangarans that if no abatement could [bs made] of the Merchants unreasonable Demands by the Sultan interfering to oblige them to compliance with the Price I offer, did assure him that the Company would not continue this trade any longer upon such an uncertainty further that as the Ship Marlborough was not arrived as yet, I would Dispatch the sloop to Bencoolen with Advise of here being na probability of procuring that Comodity on reasonable terms, which information would stop the ship from coming here, for the vast charges which a Ship of her burthen is at, would fall very heavy on the Honble Company in case she should be disappointed of a full Loading, when such timely notice to the Governour & Council of Bencoolen would prevent that Loss by their loading her there with Pepper [the produce] of Sumatra, at a much cheaper rate than what I have offer'd here already, the Pangaran told me not to be uneasy or to hasty and [said] I still had hopes for in whatsoever Company [I may be] they assured me of the great inclination His Majesty had to settle a lasting Correspondence & Commerse with the English in preferrence to all other Nations, this had some influence on me not doubting providing this report be true, (which in some measure I beleiv'd by the Sultan intimating the same to me several times himself,) that to confirm His protestations certainly He would give his Consent to any reasonable request, so beg'd the Pangaran &ct. to consider of this affair and desired his assistance by laying the case open before his Majesty, thinking a representation from themselves might vasly sway him more than all I myself can possibly say, then return'd to the Lanting.

FEBRUARY 12 Having had frequent conferences with Caiee Wergo, without obtaining any satisfaction in relation to the price of Pepper for the Merchants [still] insisted upon 7 Dollars besides Customs the said Caiee Wergo intimated that in case I would allow him a Premium of [one Suca]  $\mathcal{P}$  Pecul, He would promise to procure a Chop at 6 Dollars clear of Customs, to which proposal I agreed, provided He would insure me 6000 Pecul, also to get a Chop at the same rate for the future with a certain quan[t]ity specified that we may not be thus perplex'd with such Bashars as I have already met with to no purpose, for I assured him that without such an agreem<sup>t</sup>. from His Majesty, the Honble Company never will maintain this Trade; The Premium of I suca being no more than  $4\frac{1}{6}$   $\mathcal{P}$  Centhope my Honourable Masters, will not esteem it an imprudent step, considering the vast Interest the Chinese have here, and their Junks being dayly expected.

19

Arriv'd a China Junk from Canton, [Carry] ing about 5000 Pecul, Her Cargo I perceiv'd Cons[isted] of a great deal of Coarse China [of]divers sorts, also [flower'd] silks work'd with Copper [thread also] Copper Thread; they brought no money, but waited [for it to] be sent from Batavia. We [..., ] immediately on the News of a Junk being of the Borr desiring

We [. . . | immediately on the News of a Junk being at the Barr, desiring He would go with me up to Cayatongee that we might succeed in obtaining a Chop, He agreed by all means to go up, but then he advised me as absolutely proper to desire Pangaram Marta, to accompany us upon which I did then go to Pangaran Marta beging the favour of his Company up to the Sultan hoping thereby his Assistance would be of great service in my present state of Affairs? He said nobody sooner would oblige me in my request than himself, provided He had not a work of necessity to accomplish in 8 days time, which was his Wife being lately dead; according to the Custom of the Country as a great Man must make an Entertainment of 3 Days for the People of Tatas his Friends and then He would set out if I could stay till then I agreed to it, but hoped He would not exceed that time.

58

Being very impatient to go up to Cayatongee went to Caiee Wergo and asked him if it would not be better to go up tomorrow, and desired the Pangaran to follow at the time appointed, He said the Pangaran would be of great assistance to Us, but [never]theless He would go tomorrow; accordingly I waited on Pangaran Marta informing him that with his leave I would set out for Cayatongee tomorrow the hoped my going first, would not stop him, which he promised should • not.

According to Appointment Caie Wergo with Mr. Wheeler & Self proceeded on 24 our Journey to Cayatongee Pangaran Marta promising to follow us in a Day or two.

Arriv'd at Cayatongee and sent to His Majesty requesting audience but could 25 not be admitted untill Pangaran Marta was come.

This Evening Pangaran Marta arriv'd & stop'd at the Lanting We lived in,  $\mathbf{27}$ when He promis'd to introduce us to His Majesty on ye. morrow.

At 11 in the forenoon We went before the Sultan & reminded him [of the] long time we had been here without succeeding in any [one Point] [ was sent here for, or finding any probability of meeting with success therefore humbly requested he would condesend to settle the Pr[ice now] and give a Chop, for that I find it impracticable [to settle] this affair at Tatas with the Merchants &ct. they still presisting in the same strain of 7 dollars & Pecul, which Price I convinced His Majesty with the most prevailing argument I was Master of would never be given by any Europeans for undoubtedly the Chinese can give a higher price for that commodity than Us, when they buy it in barter for China Ware -&c<sup>t</sup>, and not ready money because they can raise the Price of their Merchandize according as they find the Merch<sup>ts</sup>. insist for their Pepper, therefore the China trade can be of no Advantage to this place; since they export the Pepper of this Country only in exchange for Goods; When We bring good silver to truck for the produce of the Country, which will enrich the place, therefore hoped His Majesty would esteem the intercourse with the English, much preferable to the trade carried on by the Chinese, besides the Honourable Company's intentions is only to cultivate a free & open Commerse, which may prove advantageous both to his Majesty and [the] Company, & not to use Compulsion or seeking any underhand Dealings whatsoever all which He acknowledged to be true according to his Private opinion therefore as His inclination He said was to encourage the English to trade here, He [could] Consider whether or no such a Chop as I desired can be granted, and would give me an answer in a day or two, so we returned him many thanks and took leave.

Waited on his Majesty to know whether He was resolved to favour me with -a Chop, for that I should be ashamed when the Company comes to find that in six Weeks I have not obtaind one point towards the end I was sent for, to which He answered He w as willing to give me a Chop, but all the Merchants [petition'd] him not to give a Chop under 8 Dollars P Pecul, therefor I thought this a g od opportunity to inform him the Governour of Ben coolen design ued to send him a large pair of Guns [by the Marlbrô] which I would give him in Case He would comply with my request; He said I might depend upon an answer in 3 days therefore took my leave & return'd to the Lanting.

Caiee Wergo came to our Lanting and Advised me to give the Sultan 20 Peculs MARCH 20. of Lead, which He beleiv'd would have it's proper Effect I told him our Presents had been very large already, but nevertheless provided 20 Pecul of Lead would Compleat our affairs to satisfaction I promised to conform to his request.

This Morning his Majesty sent to call us, we attended accordingly, and inform'd him We hoped his Majesty would conclude on the Price of Pepper now for that We had been here 8 days waiting impatiently for his pleasure, He told me He would give a Chop at 6 Dollars but then He said the Merch<sup>ts</sup>. could not afford to sell at that rate, therefore If I would wait the geathering of next Crop I might be assured of a full Loading, though as the Tapping Pepper is not as yet engros'd, He would take Care [it] should be me and no body else, I desir'd to know

59

MARCH 1

4

28

23ª.

how much that might be, He said that the whole produce would be between 1500 & 2000 Pecul, therefore finding no probability of procuring a full Loading out of the Present Crop, unless I gave 8 Dollars P Pecul, and even then it would be a very great doubt whether I could have it, because the Junks would give more and always out bid me, also the Marlbrough being out of time to return for Europe this year, for which by Charterparty sbe is allowed 4 Months Demorage, which 4 Months with the 4 Months she is allowed to stay in India, without Demorage will be the 6 of August. she not arriving at Fort Marlbrô before the 6 December, therefore as the Pepper of next erop, will be ready [to w] eigh off by the middle of August, think it more for my [Hon]ble Masters Interest to wait for next Pepper season than to give the great [Price] of 8 Dollars, which in a Ship's Cargo amounts to a grea[t sum] besides the bad president for the future, also [I was promised] a Chop for the Com<sup>ys</sup>. Ships that may come hereafter at 6 Dollars clear of all Customs; upon these Conditions only, consented to stay and in appearance shall then obtain a compleat Loading, the Sultan promised to Send the Chop, to Caiee Wergo, therefore desired his leave to return to Tatas and departed.

Caiee Wergo Arrived at Tatas with the Chop which he brought to our Lanting and deliver'd it me, for which I thank 'd him He pressed me to sell the Lead at 4 Dollars Pecul, but I insisted upon 6 for a long time, when at last agreed for 5 Dollars accordingly supplied Captain Mylne with an order to send Lead.

Eighty slabs of Lead came in the sloop from on board the Galatea, therefore as the Shabandar was to buy it ask'd leave to put it under the Charge of the Custom House People which they Complied with.

Another Junk arriv'd from Limpo in China, having much the same Merchandize to dispose of as the Canton Junk.

Ship Marlbrough Arriv'd by which came a Packet containing a Letter from the Governour & Council of Bencoolen, with Invoice and Bill of Lading for 11 Chests of Treasure & e<sup>t</sup>. the Letter is hereafter enter'd, but have not seen whether <sup>2</sup> the Treasure turns out right, having no conveniency for it.

# To M<sup>R</sup>. Joseph Hurlock

SUPRA CARGO OF THE SHIP MARLBROUGH AT BENJAR.

#### Sir

Inclosed is Invoice and Bill of Lading for Eleven Chests of Treasure Consigned to you by the Marlbro Captain Thomas Smith Commander, for Account of the Honble Company being to purchase a Cargo of Pepper for this Ship according to the Instructions deliver'd [you] to which again We recommend a Punctual observance [we have] also sent a Garbling Mill with [. . .] and other Necessary Utensils and 1500 Gunny Baggs [. . .] amounting to \$44225. 2. 94

# FORT MARLBROUGH

22°. JANUARY 1739.

The Captain not being in a Condition to sail till the 31<sup>st</sup>. January We did not send off the Treasure till then and the Bills of Lading inclosed are dated accordingly.

MARCH 12 Caiee Wergo came and told me he would not stand to his bargain in buying the Lead, I told him He engaged me to sell all, and now not to perform his agreement was not right or like the dealings of a Merchant, besides 80 slabs is already come up and is at the Custom House, also expect more by the sloop, which if he does not take, I must see & sell it to the Junks or any body else that will buy, but I told him such Actions are not to be made a practice of.

8

MARCH 6

10

- 11

SIR Your loving Friends Robert Lennox. WILLIAM RIGG.

CHARLES BARBUT.

WILLIAM COLES.

We are

M<sup>r</sup>. Wheeler self with Captain Smith went to Cayatongee.

Waited on the Sultan to acquaint him the Ship Marlbrö was Arriv'd, therefore hoped he would hurry the Tapping Pepper down that I may ship it on board, thereby shall shew my dilligence to the Company, the said Pangaran Singo Sarree who resides there having quarrell'd with his people in a gross manner by using extortion and compelling them to sell their pepper at a Low price therefore have rise in rebellion and stoped up all the riverletts that no Boat can pass, so that untill He sends orders himself, no Pepper can come down which he [designs] to do in a day or two, I beg'd he would not fail, [He desired] to know when He could have the Guns I promised him as the Ship is now come, so apprehending the Governour forgot to [send them] and knowing what a noise it would cause in case [I should] let him know they were not in the Ship, thought it better (as Captain Smith offer'd me his Gunroom Guns) to say He should have 'em as soon as possible, accordingly gave Captain Smith a receipt for a pair of Gunroom Guns they being pretty old, hope I shall not be blamed; We return'd to our lanting after taking leave.

Desired His Majestys leave to return to Tatas which He granted and We set MARCH 20 out immediately; 120 slabs of Lead more came by the Sloop.

As Caiee Wergo would not buy the Lead, was oblig'd to sell it by small quantities, so going to weigh off some for Pangaran Serio at the Custom House, found 61 Slabs short, so immediately I went to Caiee Wergo acquainting him that from the Custom Hs: was gone so many Slabs of Lead, which I said could not be carried away unknown to the Custom House People, therefore as these People were under His Direction, thought him the most proper Person for Me to Apply for Assistance, in this affair He answer'd it was not in His power to recover it, or to fix it upon any person, for it was not their Business to take care of the Lead, and if I insisted upon it's being impossible to carry away the Lead at the Custom House, without the connivance of the People there, He said was actually the same as to charge Him with the Theft, I said not, for I do not in any manner mean so, He still stood me out it is the same as He said, and abused me, so took my leave and said I hoped the Sultan would give me Justice.

Caiee Wergo being conscious of His fault (for by good information He himself imploy'd the People of the Custom House to carry the Lead away) He went to Cayatongee with an intent to incense the Sultan against the English, but me in particular, likewise desired the Sultan to permit him to take [his own] satisfaction by Murthering me, the Sultan not [gran]ting his request, He to the utmost of [His power] did say I was a Lyar for accuseing him falsely [of theft ot] the Lead, with abundance of Scandalous aspersions; His Majesty sent down word that I should be upon my Guard, and as for the Lead He would see return'd.

Arriv'd the Walpole Captain Charles Boddam, Mess<sup>18</sup>. John Misenor and Larcoe APRIL 15 [sic] Hide Supra Cargoes from England bound here with orders to procure a Cargo of Pepper, I shew'd them my Instructions. and the Hon'ble Company's General Letter Warlbrough, which they Perused and then produced their Instructions from the Hoñble Company where they have order'd their Supra Cargoes to Act in concert with their Covenanted Servant here Resident, which they promised punctually to observe on their part as I did also in regard to any assistance they required, the Sultan being expected in a few days down here thought it proper to wait, & I could introduce Captain Boddam &c<sup>t</sup>. before him.

Captain Boddam &c<sup>t</sup>. had their first Audience before the Sultan acquainting him of their being come directly from England with orders to purchase a loading of Pepper hoping His Majesty would give them a Cargo, with a speedy Dispatch, He promised to send a Messenger into the Country to see if any Pepper besides that of the tapping is remaining unpurchased by the Merchants here, for the Pepper of tapping He told Captain Boddam &c<sup>t</sup>. was already promised me; as for obliging His Subjects to sell their Pepper which they have on Hand at Tatas, He would never consent to as they will be such great sufferers in Case they are compelled to dispose of their Pepper to the English.

1738-39-16

6l

17

18

22<sup>d</sup>.

23ª.

Captain Boddam, Mess<sup>18</sup>. Misenor, Hide and Self being mett together they shewed a Paragraph of their Instructions wherein [the] Ccompany order'd them to demand whatsoever Pepper I [might] have agreed for, therefore I desired they would write me [a letter] requesting by [view] of the Company's orders what I have or may have promi[sed and] which they did consent to and wrote me the following [Letter.]

Copy of the Second Paragraph of the Instructions given to Captain Charles Boddam, John Misenor and Lascoe Hide.

In our orders to Bencoolen aforesaid the Persons sent upon the Ship Marlbrough were directed to remain at Benjar till another Ship Arriv'd, if invited thereto, and therefore in case you find them there Resident you must act in concert with them, for the promotion of our Interest, giving them your best advice & assistance & for that purpose, and on their having procured a Stock of Pepper before hand You may demand the same for your Use, paying them the Cost & charges.

## To M<sup>B</sup>. JOSEPH HURLOCK,

Sir

Our Honourable Masters having given Us the above written Instructions, for the Interest and better managem<sup>t</sup>. of their Affairs at Borneo in Case We should find any of their servants here from Bencoolen, we think it our Duty to acquaint you therewith and doubt not but you will observe their Orders in delivering to us whatever Pepper you have already agreed for or shall be able to procure during our stay here, untill We have fully compleated our Loading, By virtue of which Orders we now demand the same, desireing Your best assistance that We may sail hence on or before the 15 July next, which is the time Limitted by our Honourable Masters; Your compliance with this We are of opinion will be greatly for their Interest & We desire your answer. We are

> SIR Your [most] [hu]mble servants. CHARLES BODDAN. JOHN MISENOR. LASCOE HIDE.

TATAS

23<sup>D</sup>. APRIL 1739.

APRIL 23°. The following is my Answer to the Letter receiv'd from Cap<sup>t</sup>. Charles Boddam Mess<sup>14</sup>. Misenor and Hide.

> To Captain Charles Boddam Mess<sup>28</sup>. John Misenob & Lanscog [sic j Hide.

# Gentlemen

As we are all concerned in the same Interest of our Henble Masters the United Company of Merchants of England trading to the East Indies, I shall always promote it as much as possible in every respect therefore in the second Paragraph of your Instructions which you have deliver'd me, I observe you are orderd in case you found any of their servants here Resident, to demand whatsoever quantity of Pepper they might have collect'd beforehand, to be deliverd you on their Account but certainly they expected that the Ship Marlborough wou'd have been Dispatch'd for Europe before you could possibly have Arriv'd here and then as the Honoble Company did give orders in their Letter that the Persons so sent to provide the Ship Marlbrough's Loading to continue here in Case it should be thought safe to collect a Cargo for their China Ship which should arrive this Month, but the said Ship Marlbrough not arriving at Bencoolen before the 6<sup>th</sup>. December last and most of her Ship's Crew violently sick, that she was not able to proceed to Benjar [unti]II the 31<sup>th</sup>. January following and anchor'd in [Born]eo road the 11<sup>th</sup>. Ultimo, therefore the season for her ret[urni]ng to Europe this Y[ear is] past that she

cannot attempt to go Home before the [latier part] of August, so that the Pepper which I am prom[ised of last growth] is in part of her Loading, but as His Majesty declares He cannot Load Her with last years Produce humbly think it for my Honourable Masters advantage to wait for next Crop, as it is also the Sultan's earnest desire for me so to do which will be ready to weigh off the Middle of August, and then I have good reason to expect A compleat Cargo, in which Case I am ready to resign the Pepper, which is promised me of the last season, to be loaded on your Ship, as you all conceive it is for the Honourable Company's benifit, and shall with the utmost diligence give you all the Assistance I am capable of in regard to their Affairs not doubting Gentlemen but We shall with a Common and general consent agree to Assist each other, that our Transactions may prove benificial to our Honourable Employers & also deserve their approbation, which is entirely the View of.

23<sup>d</sup>. April 1739.

#### Gentlemen

#### Yr. most humble servant

### JOSEPH HURLOCK.

Captain Boddam &c<sup>t</sup>. and self waited on his Majesty when they desired me to ask, whether or no the Messenger sent in the country was returned? His Majesty answered no, but that in a short time was expected; He said He was sorry that he could not load the Walpole without she waited for next season, which they told him was not in their power to agree to without a manifest breach of the Company's orders, then as I had agreed to give up the Tapping Pepper (which the Sultan promised me) [u]nto the Walpole made [an offer] of it to the Sultan, that He might also be sensible We designed no underhand dealings, with which He seem'd pleased, & said he was gla[d] to find I so readily consented to relinquish the Tapping Pepper for without I had so done He was Affraid the Walpole would have obtain'd very little, We desired he would permitt us to weigh by scales, and if He pleased would set about making Catty weights allowing a Pecul to be 2200 Spanish Dollars, He bid us make the Catty Weights, and let him see them; I having Lead up at the Factory unsold deliver'd Captain Boddam a Pig & a half to make them.

At 9 this evening went to Pangaran Marta's with Capt<sup>a</sup>. Boddam Mess<sup>a</sup>. Misenor Mar 20. and Hide, with whom had a private conference acquainting him that We see the Chinese dayly pass by our Lauting with great Boat Loads of Pepper, carrying it on board their Junks, which sight is very unpleasant to us, especially because I came here a long time before them & cannot perceive the least likely hood of getting any, only by faint promises, which are not to be relyed on? He said the Pepper that the Junks now take in, is what has been engrosed by the Inhabitants last Year with the Money sent to Batavia, also they bought it at such a Price that they cannot afford to sell it at 6 Dollars clear of Customs, But the Sultan He said would certainly perform His promise of giving the Walpole all the Tapping Pepper, & as much more as possibly He could collect together without oppression to His subjects, for that He never would consent to, We desired He would interceed with his Majesty to Divide last Crop between the English and Chinese, for although here be two ships this year, in reality is no more than one for as I stay until next Crop, consequently the Marlbrô must be as a Ship for next year, therefore hoped they would load the Walpole as a Ship for this season, without making any difficulty? He inform'd us the Chairman has given His Majesty a [hanso]me Present, that they may be at Liberty to sell their [Pepper to] the Junks, therefore He advised Captain Boddam Mess<sup>a</sup>. Misenor and Hide to soften [his] Majesty by a Considerable Present, then He would [immediately] back it, with His own person, and speak as m[uch] as possible in our favour ; upon which We departed.

The Supra Cargoes of the Walpole, acquainted me that Cap<sup>t</sup>. Mylne having MAY 17. inform'd them that the Governour of Madrass had ordered him in His instructions not to interfere with the Pepper Trade in case any of the Company's Ships should be here untill they had got a compleat Loading, upon w<sup>ch</sup> as they find no probability of obtaining, accordingly they wrote to Him, requesting all the Pepper He has contracted for, which in His Answer He says is to the Amount of 350 Pecul that was Licenced for Him to receive from the Governour and Council of Bencoolen, but that He thinks their request most reasonable also obliged to them for the manner of making it. & if they would in conjunction with me demand the same mentiond = quantity of Pepper, He is obliged to deliver it, as also His inclination lead Him to it, as they think it for the Honourable Company's Interest; therefore the[y] required my Consent and did agree to write the following Letter.

#### TO CAPTAIN MYLNE.

SIR

We have rec<sup>d</sup>. Y<sup>r</sup>. Answer to ours of the 6 Inst<sup>t</sup>. wherein you inform us you are to receive Three hundred & fifty Peculs of Pepper by Licence from the Deputy Govn<sup>r</sup>. & Council of Fort Marlbro & referr us to M<sup>r</sup>. Hurlock's instructions on that<sup>o</sup> Head which We have perus'd, & find you have permission from them for the said quantity, but we cannot believe that the Deputy Gov<sup>r</sup>. & Council of Fort Marlbro, would have given you such a Licence had they known the scarcity of that Commodity here, the Ship Walpole being now on Demorage in Tomborneo Road, & no probability of getting 1/3 part of her loading, therefore as you think the Company's ought to have the preferrence & our request to be most reasonable also acknowledge Y'self to be obliged to deliver the said 350 Peculs should We demand it in Conjunction with the Resid<sup>t</sup>. M<sup>r</sup>. Hurlock. We now do demand the same in the Name of our Honourable Masters & are ready to pay the Cost & reasonable Charges. We are.

Sir

|             | Your most humble servants, |                            |  |  |
|-------------|----------------------------|----------------------------|--|--|
| TATAS,      | JOHN MISENOR.              | CHA <sup>8</sup> . BODDAM. |  |  |
| 8 May 1739. | LASCOE HIDE.               | JOSEPH HURLOOK.            |  |  |

Receiv'd Cap<sup>t</sup>. Mylne's answer to the Letter sent him the 8 Inst<sup>t</sup>. as follows. [sic].

To M<sup>R</sup>. JOSEPH HUBLOCK RESIDENT

& MESS<sup>RS</sup>. BODDAM, MISENOR & HIDE SUPRA CARGOES OF THE WALPOLE.

GENTLEMEN

MAY 9

I receiv'd your Letter wherein you demand in the Company's Name the 350 Pecul of Pepper I am permitted by the Deputy Gov<sup>r</sup>. &c<sup>t</sup>. Council of Fort Marlbro to load at this Port, thô I think I might with Justice insist on the Deputy Gov<sup>rs</sup>. permission to me to be sufficient authority to load this pepper yet I give obedience & shall comply with Y<sup>r</sup>. demand, in r[e]gard that I doubt not but the Honble Court of Directors will do me Justice. I am with respect

GENTLEMEN

TATAS,Yr. very obedient servant914. May 1739.ROBERT MYLNE.

MAX 11 The Sultan sent for me who inform'd me that He being very willing to make the [New] Mexico's Pass Current (as they cannot be counterfeited or clip'd without being perceiv'd) as I had told bim the Old could not be procur'd above a Year or two more & that even with a great deal of difficulty, therefore as He was inclined to something towards it this next season, because He being apprehensive that it cannot be done immediately desired me to exchange what Dollars I have brought as they are the Old Mexico, with the supra Cargoes of Ship Walpole for the Milled Dollers which He would to take in payment of Pepper for the Marlbro's.

Loading to which I consented considering the advantage it will be to the Company if this Trade is continued, because they take no other Money [in] than Spanish Dollars His Majesty desired also that [small] Estimates such as Quarters, Eighths and sixteenths [must] be sent him; I pr[omised] to acquaint the Company with his request, and [they] might rest assured they would redily, consent to this [& also to] any reasonable thing else He would require, provided it would strengthen a good Correspond<sup>ee</sup>. which is the Honble Company's entire

inclination, to promote in a fair Mercantile manner. The Lampo Junk broke ground to go over the Bar, she having got on board

May 16 by the best information above 3000 Pecull.

The Canton Junk having gott much about 3000 Pecull went down the River to lay without the Barr.

Here being a Boat now going to Bencoolen thought it a good opportunity to send the following Letter to the Deputy Gov<sup>r</sup>. & Council of Fort Marlborough, they may not be uneasy at my long stay here.

TO THE WORSHIPFULL ROBERT LENNOX ESQ<sup>B</sup>. DEPUTY GOVERNOUR &CT. &CT. COUNCIL.

WORSHIL, SIR & SIRS

As in all probability this will arrive with you, before I myself can have the pleasure of rendering an Account of my proceedings since my Arrival here, shall therefore inform you of each particular according to order as they did pass beging your excuse for the same.

January the 12<sup>th</sup>. arriv'd in Tomborneo Road the 13<sup>th</sup>. following left the Ship and proceeded up to Tatas & obtain'd an audience of the Sultan at Cayatongee, the 20th. acquainting him with the design I was sent here for, He replied that for me

to expect a full Loading out of last Crop, could not be procured because the Chinamen here have actually bought up the most part for the Junks, who they say will be here next Month, therefore He beleived 2000 Pecul is the most that was not as yet engrosed by the aforesaid People, I took all opportunities to convig n ce His Majesty that in Case the Honble Company was disappointed in a Loading now He must not expect the English will Trade here any more [on] such an uncertainty [so that] if His Majesty would encourage the English trade it now [beh] ov'd him to give a proof of His good inclinations, by giving Us a compleat Loading and Collecting [the s]ame together with all possible speed that the Marlborough [may] not stay long for I do expect Her in a few days, accordingly He appointed Caiee Wergo the Shabander of Tatas to treat with me, and settle the Price of Pepper, so I return'd to Tatas the 26th. and had a meeting at Pangaran Marta's where after a great many arguments declared 6 Dollars a Pecul including Customs was the most I dare give, the Pangaran made answer the Price which the Merchants insist upon is 7 Dollars which with Customs amounts to 81, Caiee Wergo in all the Conferences we helf [sic] together always inform'd me the Merchants still insisted upon 7 Dollars which certainly afford'd me little hopes of getting it for less, untill Caiee Wergo intimat'd to me that in Case 1 would allow him the Premium of one Suca P Pecull, He would engage to get a Chop at 6 Dollars clear of all Customs, to which proposal I agreed to provided He would insure me 6000 Pecull, also to obtain an obligation from His Majesty to supply the Company's ships at 6 Dollars for the future which He promised to perform, if pospible. accordingly went with Caiee Wergo the 24th. february up to Cayatongee & had a second audience of the Sultan, beseeching him to settle the price of Pepper, for, that without He would condecend to fix it himself I positively beleiv'd it would never be finish'd, when after several meetings His Majesty promised to send the Chop for Pepper at 6 Dollars by Caiee Wergo, who would be down at Tatas in a day or two, therefore after returning Him thanks I desired His leave to return for Tatas, which was the 4<sup>th</sup>. March ; The 6<sup>th</sup>. Caiee Wergo return'd and brought the Chop at the price aforesaid, the 11<sup>th</sup>. following the Marlborough Arriv'd with the Packet, how the Silver &ct. will turn out 1 cannot inform you having no convenience to weigh it, so that when I begin to Load I sha[ll

1738-39-17

send] for such a quantity of Money as will Discharge the amount of Pepper bought and no more; by strictly keeping to the orders in the Honble Company's Letter & Marlbrô in every respect. The 17<sup>h</sup>. went [again up] to Cayatougee with M<sup>r</sup>. Wheeler & Captain Smith to a [cqu]aint His Majesty of the arrival of the Ship and to press Him to load Her as soon as possible for that in 20 Days more she will Commence Demorage; He peremtory told me that He could not give me of last Crop above 1500 or 2000 Pecul at the most, and that is at Tapping &ct. places adjacent up in the Country, which He would dispatch Vessels for as speedy as possible, But that if I could stay here untill the gathering of next Crop which would be ready to weigh off the middle of August I should have a compleat Loading, now as here is no likelyhood of getting a Cargo out of the Pepper on hand, and the Marlbro being out of season to return to Europe this Year, for which by C[h]arter Party She is allow'd 4 Months demorage, which 4 Mos. will be the 6th. August ensuing, upon which consideration only I consented to stay, for next Crop, and in all appearance shall have a full Ship, therefore hope you'l approve of proceedings herein. April 15th. Arriv'd the Walpole Captain Charles Boddam Mess<sup>18</sup>. John Misenor and Lascoe Hide Supra-Cargoes with orders to provide a Cargo of Pepper for the China Market; they shew'd me their Instructions, wherein the Company directed them to Act in concert with me, which they have perfectly complied with; The 22<sup>d</sup>. Cap<sup>t</sup>. Boddam &c<sup>t</sup>. had their first audience of the Sultan, acquainting him of their Business, when His Majesty replied that He could not engage for any Pepper this Year, besides what He had already promised me, which would be about 2000 Pecul and that is all which is not bought up by the Chinese, and some few other Merchants which He would not opress, for opression, it will be if He forced his subjects to sell [and] when the Chinese give 8<sup>1</sup>/<sub>4</sub>. The 23<sup>1</sup>. Captain Boddam &c<sup>t</sup>. de [liver'd] a demand for whatever Pepper I have already p [romised m]e and shall be able to provide [during] their stay here which is limitted to the 15<sup>th</sup>. July, [Now I am] determined to stay for next Crop & in hopes of getting a full Loading then, did readily relinquish the Title I have to the Sultan's promise, hoping it will be thought for my Honourable Masters Interest.

In the General Letter by the Ship Marlboro I observe the Honble Company will send another Ship from Europe this Year in the same manner they did the Marlbro last, therefore it may happen that Sne will arrive with you, befor[e] I can in Person inform you of the prospect she has of procuring a Cargo provided she is sent here, think it my Duty to acquaint you by this Conveyance that as the Yearly produce of Benjar is computed at about 10,000 Pecul, and that I stay for a full loading out of the same, then here cannot be remaining at the most above 3000 Pecul which I beleive you'l think not worth while sending for, especially as the Honble Company, will send another Ship to China by way of Benjar next year, for which Ship I intend to leave Letters here directed to the Supra Cargoes of the said Ship for their Guidance in several things, that may facilitate their business here.

Captain Mylne is not as yet sail'd, but designs to quit this place as soon as possible He can make an end of his affairs which He expects to compleat in a short time by whom I shall write to the President & Council also transmit a Copy of my Diary &c'. for their Perusal.

By the best information, I understand the Pepper will be all gathered and dry by the beginning of August so shall use all possible means to have it brought down with all Expedition, and am with due respect

> Worsh<sup>LL</sup>. SIR & SIR'S Your most humble servant

TATAS

]7<sup>TH</sup>. MAY 1739.

JOSEPH HURLOCK.

MAY 20 Hearing that the Sultan intends to go up to Cayatongee on the morrow thought it proper to see him before He departed accordingly sent, but Y<sup>\*</sup>. Messenger brought answer that He has very much business on Hand at present, therefore He would not admit of our having an audience, upon which I sent the Dattoo and He also was refused admittance, so that We dispared of seeing him before He went up, untill

the Shabander Caiee Wangso Deeta (Caiee Wergo the Old Shabander being turn'd out) came from the Sultan at Night about 11 O' Clock to call the Supra Cargoes of the Walpole and me, when We all waited on Him, first wishing him safe to Cayatongee, and then We desired to know who would be the Persons deputed for us to apply to, in his absence? When he told us Pangaran Marta and the Sbabander, are the Persons order'd to transact affairs with Us; Upon which We told him the Walpole has been upwards of a Month already, and not got quite 100 Peculs of Pepper on Board yett, which We hoped He would take into Consideration, by issuing out orders to bring the Pepper down from Tapping with all possible speed, for the Walpole's stay here is limitted and cannot be exceeded upon any pretence also We desired He would put a stop to the Chinamens weighing off Pepper, at the rate they have for this long time? To all which He replied, First that the Tapping Pepper should come down as soon as possible, which we might weigh off at pleasure, but that as for the Pepper on Hand which the China Junks are weighing off Belongs to Merchants that will not sell for less than the Junk Price, which if we could give possible we might have some more than promis'd but the great difference of 6 and  $8\frac{1}{4}$  be [sides] the bad precedent, made us, not comply with His proposal [in] rel[ation to] that provid'd We did offer the Price aferesaid, We are [also] [cer] ain the Chinese would give mo [re] [still] also affraid it would prove of such consequence that in the future they would always insist on that Price; [desir'd] He would permit our weighing with Scales where no We also deceit can be practiced, for that by the Dotchin imperceptibly we are liable to be imposed upon unperceptable and by the Scales only desired a quarter of a Catty for the turn thereof which We hoped We would make not objection against, He made answer that the scales being so very exact, Ha beleiv'd a quarter of a Catty would seem so much, that it would cause disputes, therefore to avoid all Contests, He recommended to take and give once, then no further difficulties could be thought of. so rather then Use the Dotchin Agreed to His Majestys proposition; Captain Boddam &ct. requested He would favour them with a Chop (such as I had before interceeded for) with the quantity of Pepper mention'd that He designs to give the Company's Ship annually at 6 Dollars clear of Customs, also specify therein that He will Load the Company's Ships before the Junks if any should be here, for the Expence of Demorage runs very high for a Ship and the Junks are not upon Wages, for which reason We hope He will give us the preferrence on this Head / To which He said as for a Chop He would give, But then in return He expected the Company would protect Him from His Enemies, which could not be done He said without the Ships lay within the Rivers mouth. We assured Him that the Ships being in Tomborneo Road, was a guard and a great check to any attempt these Eastern People could have in agitation against him, besides all the Company's Vessels are of too great a Burthen to come over the Barr with safety, then He said the Company could doubtless get small Ships, which can come over without Danger, so finding His discourse bent upon this subject made reply that in Case He [were] to make any such proposals to the Company they must be laid before our Honour<sup>ble</sup>. Masters for their approbation it not being in our Promise an [y suc]h thing, I also desired His Majesty would prohibit the [Chinese] engrosing the produce of next Crop, that I may meet with no impediment of obtaining a speedy Dispatch.

The Supra Cargoes of the Walpole and self went to Pangaran Masta's requiring his Assistance to bring the Pepper as soon as possible to the Scales that the ship Walpole, might have a speedy Dispatch from this Place, also hoped He would interceed with the Sultan to stop the Junks weighing off any more, for that they willout all doubt have gott very near 6000 Peculs between them, which if His Majesty will not gratify us in but still permitt the Chinese to load on, then what obligation could there be due from the Company, for the Pepper which the Chinese cannot take on board, upon which the Pangaran said He would immediately prohibit the Chinese weighing off any more, untill the Sultan's pleasure is further known.

Went to Caiee Wangso Deete beging the favour as He is one of the Persons 24 appointed by the sultan for Us to apply to; He promised to give Us all the assistance He is capable of when after returning Him thanks went back to our Lanting.

MAY 22º,

The Supara Cargoes of the Walpole and self went to Pangaran Marta's in order to Hear the Sultan's answer, to the Message sent to Cayatongee the 23<sup>a</sup>.? When He inform'd us His Majesty has promised the Junks to weigh off as much Pepper as is already contracted for provided no Tapping Pepper was included, for that He entirely reserv'd for the English, then We intimated to the Panga<sup>in</sup>. that in Case I had not relinquish'd the Sultan's promise of the Tapping Pepper to the Walpole, in all appearance she would have got none, when the Success the Company expected their ships would meet with from the Invitation sent to Bencoolen, certainly exceeded what We find now, and which when thely are Advised of it is a great doubt whether or no they will send a ny more ships finding that Benjar promises are not to be rely'd on; His answer was in the o[Id strain] that His Majesty would not be guilty of oppression [to His] [su]bjects, by obliging them to sell their pepper at a loss also [He] [...] Sultan designs besides that of Tapping, to give the produce of Mandit another Country, but how much that would be is not certain, We told him that the Chinese under a cloak of the Sultan's permission to receive the Pepper they. agreed for, may take all that is in Benjar, for the Merchants being as ready to sell as the Chinese are to buy, it will be with little or no trouble to get it although their Money be out We being very well inform'd it is the annual Castom for the Merchants to send Pepper upon freight, or sell it to be paid the ensuing year, in such merchandize as the Merchants think proper at a fixt rate; The Pangaran told us such contracts are impossible to be concealed from every body, therefore He would see particular care was taken to prevent such underhand dealings, We return'd him many thanks and went to our Lantings it being about the Hour of Nine at Night The Pangaran told us the Chinese have 90 Pecul of Pepper on board a Prow, which He said should be deliver'd Captain Boddam &ct.

May 27

MAY 29

28

Upon enquiry concerning the 90 Pecul of Tapping Pepper which should be deliver'd Captain Boddam &c<sup>t</sup>. Hear that it belongs to the Sultan's Treasurer, who will not deliver it without further orders.

Being creditably inform'd a great deal of the Tapping Pepper and Amandit Pepper, has been deliver'd the Chinese notwithstanding the Sultan's orders to the contrary and the Prow that has the 90 Pecul did Privately goe down in the Night which very much surprized us all, but was soon acquainted with the whole affair by Pangaran Marta, who told us althô our affairs [was] committed to His care, yet He finds his Authority not [sua] sive enough to see justice done us, that He is asham'd to [see] the Chinamen convey away such quantities of Pepper the produce of Places which He [does] not care to mention, but as He cannot give satisfaction [in this] Affair He has sent His son up to Cayatongee to[advise] the Sultan either to enlarge His power or take that which He has already empowerd him to execute; He advis'd Us to send a Petition to the Sultan that this grievance may be redress'd, which We all approv'd off & thought it very requisite, therefore it was agreed I should get a Petition drawn up in Malays Charecters.

The Supra Cargoes acquainted me that by Private information they heard the Pangaran's son is return'd with full power to assist Us, therefore still think it proper to send the Petition, which being ready sent it to the Pangaran for his approba<sup>n</sup>: and to forward it with all speed up to Cayatongee, if He thought fitt it being as follows.

THE HUMBLE PETITION OF CAPTAIN CHARLES BODDAM, MESSE<sup>3</sup>. JOHN MISENER, LASCOB HIDE AND JOSEPH HURLOCK, UNTO SULTAN TOMJEETALLAH.

Sheweth

That although Y<sup>r</sup>. Majesty was pleased to promise the whole produce of Tapping Pepper to J: Hurlock and that of Amandit to Captain Boddam &c<sup>t</sup>. yet a great deal of the said Pepper as We are very well inform'd hath been weigh'd off to the China Junks & 4 Prows deep loaded already sent down to them in Tomborneo Road, also a fifth fill<sup>s</sup>. up, therefore Y<sup>r</sup>. Petitioners have cause to apprehend the Company's ships will be depriv'd of that little which Your Majesty agreed to

68

give them, unless the Chinese are immediately prohibited weighing any more, for which reason as it will be for the Honour of your Country, also shew your Majesty's justice & candour to Foreign Merchants, We beg your Majesty's compliance to our request that the Chinese may weigh no more, and whatever hath been already weigh'd to them being the produce of Tapping and Amandit may be return'd to Us and Y<sup>\*</sup>. Petition [ers.] shall ever wish your Majesty success & prosperity.

&ct.

# Nº. 64.

To THE. HONBLE RICHARD BENYON ESQR.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &CT. COUNCIL.

HONBLE SIR & SIRS

We have receiv'd Your favours of the 4<sup>th</sup>. 6<sup>th</sup>. and 9<sup>th</sup>. Instant, the first accompanying a supply of P<sup>s</sup>. 20000, which Arriv'd here the 8<sup>th</sup>. of this month and turn'd out right.

Your second favour is an Answer to what We wrote your Honour &ct. the 31st. July in relation to Nanjan Chitty's pretensions at Salem, concerning which Your Honour &ct. are pleased to leave that affair to our Conduct, what We then men-Honour act. are pleased to leave that and to our contact, what we men-tion'd, that some People had already yielded to Nanjan Chitty's exactions, and had settled with him to allow him Pag<sup>8</sup>. 2 or  $2\frac{1}{2}$   $\mathcal{P}$  Corge, chiefly related to what We were then inform'd Ponapa Chitty's Agent had done in a Parcel of Cloth He had bought; notwithstanding which We were in hopes by resolutely opposing Nanjan Chitty's demands, to have oblig'd him to drop them, and in consequence thereof, that We should be able to get Cloth on the same terms as before, in order to which We sent one of our Merchants to Pondicherry to discourse with their Merchants on the Subject and endeavour to persuade them from complying with Nanjan Chitty, they readily agreed to his proposals, and both their Merchants & ours thereupon wrote to their People at Salem, to bring away the Money they had there directly, unless they were suffered to provide Cloth by the Brokers as usually, and by no means to buy any Cloth of Nanjan Chitty; Upon receipt of these Letters at Salem our People & the Brok[ers] went to Nanjan Chitty & acquainted him w[ith the] orders they had receiv'd upon which He gave them leave to [go on] with their Business as before, they thereupon changed their [Pag<sup>a</sup>.] into fanams at the old rate of 24 7/8 and 25 Pagoda & imm[ediately s]et the Weavers to Work, so that they apprehended no further molestation, & accordingly wrote to our Merchants to send more money, which they were preparing to do, but on the 11th. at night one of our Peons arriv'd here from Salem, sent express by our People there to acquaint our Merchants that Nanjan Chitty had put a full Stop to the providing our Cloth, having order'd the Brokers and Weavers to make no Cloth for any body but himself, excepting what Pieces were now in the Looms, and told our People, Ponapa Chitty's and the French Agents, not to pay any more money to the Brokers for Cloth; This stop in our business our People advise they hear is occasion'd by Gopal Chitty having by means of Sasashalum at Pondicherry acquainted Nanjan Chitty that He has made a Contract at Madras for Pagodas 100,000, which money He would send to Nanjan Chitty, and therefore desired him to get all the Cloth He could for him; This Sasashalum is a particular Merchant at Pondicherry that makes a Contract by himself, and our Merchants when lately there did not talk with him, but only with the Old French Merchants, hearing that no 9 Caul Cloth was put in his Contract, and therefore beleiv'd He had nothing to do at Salem; Our People also add that at the same time Nanjan Chitty put a Stop to the providing Cloth, He called in all the old fanama, and order'd none to pass but the new fanams of his own Coining, 1738-39-18

and those at 231 P Pagoda. Thus We have laid before Your Honour &ct. what we have heard concerning the Interruption of our business at Salem, and if what our Merchants have advised us is true, Gopoll Chitty appears to have shewn but little regard to your Honour &ets. directions to him to act in Concert with our People in opposing Nanjan Chitty's exactions. The rise of the Fanams and the cloth being all engrosed into one Hand, must certainly occasion it to be much [dearer] or worse than before, though Nanjan Chitty tells every body & [he] accordingly wrote hither & to Pondicherry that He will so[ll the] Cloth at P<sup>a</sup>. 40  $\frac{3}{4}$  Corge if the Money is advanc'd him, &  $40\frac{3}{4}$  if [the money] is not paid till the delivery of the Cloth, which with the Juncans and Carriage will indeed come out but little dearer than it stands us in at present; but how long He will keep to this promise, & whether the Cloth is not likely to be soon made worse there being but one Seller, We must leave to your Honour &c's. consideration, as this affair stands at present We are doubtfull what to do, our Merchants tell us they have remaining in their Peoples Hands Page. 2,500, which we have directed them to keep uninvested, and in the mean time bring away all the Cloth they have, and is now making there, as soon as possible; We beg leave humbly to acquaint Yr. Honour &ct. of our Sentiments, that if there is but one Seller at Salem it must necessarily occasion the Cloth to grow dearer or worse, if there is above one buyer also, for the same Compa. for Nanjan Chitty will know how to play one Agent against another, and whether the [Em]mulation and Vanity of out doing one another in the quantities of Cloth they buy will not make them out bid one another is much to be doubted; We therefore propose if Your Honour &c. approve of it to withdraw our People from Salem, after they have got in and brought away the cloth that is now on hand, as we think they can in the Present Circumstance of matters be of no service there; but whether Your Honour &ct. shall think this proper, or what other Measures you may judge more convenient, We beg to be favour'd with particular directions as soon as possible.

We are now also oblig'd to observe to Your Honour &ct. another instance wherein Gopoll Chitty's people appear to have acted in prejudice of the Company's Interest which our Merchants were advised of this morning, by a Letter from [their] Agent at Warriarpollam, He writes them that he flad agreed with one Rashapa a co[nsidera]ble Broker there for 20, Ox loads of 8 C[aul] Cloth, that [ordina]ry good for 39 Pag<sup>s</sup>.  $\clubsuit$  Corge, but that afterwards Gopall Chi[tty] who well knew this, offer'd to give the same Broker  $39\frac{1}{2}$  [Pag<sup>s</sup>.] on this the Broker would not let our Agent have it, without He gave as much as the others had offer'd, which He could not do without advising our Merchants of it, and till their answer comes, the Cloth is deliver'd to neither, and We have directed our Merchants to write to their agent not to give more than P<sup>s</sup>. 39 the price first agreed for.

Concerning what your Honour &ct. are pleased to write Us in your favour of the 9th. Instant, that We should advise you what number of Bales We compute We shall have ready by the end of January; We beg leave to answer that in the present Situation of affairs, We are entirely at a Loss to make any tolerable Computation, We have now on hand 403 Bales and We have advice there is on the Road from Salem 133 Oxloads which makes about 100 Bales more and our Merchants. expect about 100 Bales more from thence, being the Cloth that was set about there lately and not yet finished, whether We shall get any more from Salem or not this Year, we can't for the reasons above given at present judge, therefore We shall make no computation of any more of this Cloth: The Cloth from Warriapollam, has degenerated lately so much that in two or three Parcels before the last, We have been obliged to turn out above half and the whole last Parcel entirely, the reason of its growing so bad, our People advise us is owing to the great Demands of the Dutch and Danes, which they say will be over in a Month or two, and then the Cloth will be mended, but this is very uncertain, for which & other reasons we can't pretend to judge what quantity of this Cloth We may get more, and it being also the least part of our Investment for ordinary Goods We beleive it best to leave it out in our Computation, We reckon the Cheman [ick] pollam Cloth, Soote Romalle &ct. will amount to upwards of 200 Bales more which with [that] before men[tion'd]

will make the quantity We shall [have early] by January 800 Bales, which We beleive We may d[epend] upon but hope if some of the Present Difficulties [will be] remov'd it may be 1000 Bales, or upwards.

When the Sloop Carolina arrives We shall return upon Her all the Bales We have ready if she can take them in. Hereunder is our List of Cloth on hand.

The Ships arriv'd at Pondicherry from France this Year are as follows.

The Duke of Orleans Mons<sup>r</sup>. Lechesnay Commander which pased our road the 18<sup>th</sup>. of June, by our Accounts from Pondicherry, she brought 100 Chests of Silver, some Iron, Ordnance and Anchors, she saild lately to Porto Novo, where She is at Present, and is bound from thence to Acheen, The Fleury Mon<sup>r</sup>. Fremery, which passed our Road the 4<sup>th</sup>. of this Month, she brought 141 Chests of Silver and some Iron Ordnance, The Chauvelin Mons<sup>r</sup>. Drake past Us the next day, she has landed 56 Cheste of Silver and is bound to Bengall in a few days.

The Argonaut Mons<sup>r</sup>. [Bafay]

& The Maurepas Mons<sub>r</sub>. Renaudays

but we have yet no Account of what they have brought, these are all the Ships as We understand they expect from France this Year, one of their early Ships being as they judge sail'd directly to Bengall. We are with much respect

> which past our Road the 12 Instant,

|           | HONBLE SIR & SIRS           |
|-----------|-----------------------------|
|           | Your most Obedient Servants |
|           | JAMES HUBBARD.              |
|           | EDWARD CROKE.               |
| 139       | THOMAS EYRE.                |
| 96        | Edward Harris.              |
| 168       | ROBERT ALLEN.               |
|           | CHARLES FLOYER.             |
| 403 Bales |                             |
|           | 96<br>168                   |

P.S. We have just now receiv'd advice that the Arg[on]aut has brought 90 Chests of Silver & the Maurepas [6]0.

### Nº. 65.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>B</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &OT. COUNCIL.

# HONBLE SIR & SIRS

We have receiv'd your favours of the 13<sup>th</sup>. and 21<sup>st</sup>. of August, the former by the Sloop Carolina, who arriv'd here the 29<sup>th</sup>. of that month, and We have receiv'd the Stores &c<sup>t</sup>. sent on her agreable to the Invoice.

We have strictly caution'd our Merchants not to trouble us with Idle stories concerning the Merchants employ'd by Your Honour &c<sup>t</sup>. out of Disgust or ill will to them but to act always in friendship, and concert with them that our Honourable Masters business be not impeded, and have let them know your Merchants Answers to what they told us, and We lately wrote concerning Fonapa & Gopol Chitty's engagements with Nanjan Chitty &c<sup>t</sup>. to which they replied they have no manner of disgust against Gopol Chitty or any other of Your Merchants and only acquainted us with the advices they had receiv'd from Salem & Warriapollam, finding the-Company's business under their management, at a full stand, or at least much interrupted in both of those places, the Causes of which as they appear'd to them, they thought necessary to inform us of, and that what they then told Us, was only the purport of Advices thay had received, and not invented by them, and they did beleive and Yet see no reason to beleive otherwise, but that it was really true, as to what We mention'd concerning Ponapa it was wrote to our Merchants in July last ' by a Conicoply of ours, and another of theirs at Salem, our Conicoply is now here and assures us that Tombe Tonnapa, Gomasta to Ponnapa Chitty [did] borrow of Nanjan Chitty a sum of Money at Interest with which He bought cloth of the Brokers, and agreed besides Interest to allow to Nanjan Chitty [fan]ams @ Pie[ce] (which indeed is a little short of 2 or  $2\left[\frac{1}{2} \operatorname{Pagod}\right]$  as  $\mathcal{P}$  Corge, but the Conicoply says, he could not b[e sure at] that time what the Agreement was exactly) and that He had got 30 Ox loads of Cloth ready, which He had sent away about  $\frac{1}{2}$  a. day's Journey, but Nanjan Chitty being doubtfull of recovering the Money he ow'd him, stopt the Cloth on that Account, so that indeed that Cloth has not beed sent to Ponapa Chitty, but this Conicoply does insist it was bought, and such an Agreement as above mention'd was made by Ponapa Chittys Agent, the Truth of which We cannot be sure of, however We can't help thinking the probability of it is not much lessen'd by Nanjan Chitty's writing to Ponapa, and inviting him to employ him, and sending to his Agent the same order He did to others, not to pay any more Money to the Brokers, these being both subsequent Acts to the first restraint, on which Account the above Allowance is said to be given, and as that restraint was taken off by Nanjan Chitty, on the opposition he found made against it, and every Body permitted to buy and make Cloth as before, it can't be supposed. but if Panapah's Agent did then buy any, He did it in the same manner as others without giving any allowance to Nanjan Chitty, and therefore upon Nanjan Chitty's resolving to lay on the restraint a second time, as observed in a former Letter, it seems as reasonable Nanjan Chitty should send the same order to Ponapab's Agent as to ours and the French; As to Gopal Chitty's engagements with Nanjan Chitty, thô He so directly asserts the Contrary, We have heard so much of it from several Hands, and our Salem Conicoply that is now here confirms the main of what the Peon that was sent on purpose from Salem related, that it seems to Us too likely to be true, thô whether it was by the intervention of Sasashalum, (which was talk'd of when the Peon came away from thence) or not, does not appear, no[r does] it seem very material. We now beg [lea]ve to obs[erve to Your] Honour &ct. a Circumstance or two that gives us too [much re]ason to suspect it, one is that about a Month [ago a Bra]miny arriv'd here from Nanjan Chitty with a Letter to Solicit our Merchants to come into his Measures, to whom they gave no manner of encouragement to expect such a thing, but after two or three Days stay, that Braminy went away without calling upon our People for an answer to his Masters Letter, and set out from Custora Chitty's House in Company with 5000 Pagodas, He then sent to Salem: and this Braminy meeting a Peon of ours on the road, told him as the peon informs us that though We did not mind his Master others did, and He should not want Money for the Cloth He should make, We are also inform'd that Custora Chitty has acknowledged that those Pag<sup>®</sup>. 5000 were sent to Nanjan Chitty, which though be did not indeed in direct terms own to the Deputy Governour in a discourse he had with him a few Days since, Yet he did own that He had given orders to Rangapa Chitty, to whom he said the Mony was sent, to buy what Cloth Nanjan Chitty had ready, and did also acknowledge that the above Money when it arrived at Salem was paid to Nanjan Chitty, in whose Hands it is at present, though He pretends this was done without his orders, which does not seem very probable; From all these circumstances We can't but think there is too much reason to beleive that Gopol Chitty has been some how concern'd with Nanjan Chitty notwithstand<sup>g</sup>. his assertions to the Contrary : however Custora Chitty has now assured the Deputy Governour, he will for the future have nothing to do with Nanjan Chitty, but Act in the same manner as our People do, if so, We are still in hopes that all matters will be again settled at Salem in a little time, and that the Cloth may then be bought there on as good terms as before.

We have ask'd our Merchant Shacup Tombe who was the Person sent to Pondicherry to talk with the French Merchants, how he [cam]e to tell us that He thought Sasashilum did no business at Salem, [and] that therefore He did not discour[se] with him when He did with the other Merchants. His answer [was] that He was assured He was to provide no 9 Caul C[loth for the] Contract with the French, & therefore did suppose [had] little if any thing at Salem at present, though he knew very well He had Gomastas there & used to do a good deal of Business there formerly, but as He did not now provide any of the same sort of Cloth at Salem as We; He thought it needless to speak to him, besides He now adds another reason which He did not then mention, that is that Veraga Chitty and Kistnama being his Men at Salem, were reckon'd by every body to be link't in with Nanjan Chitty, and therefore for that reason He also thought it of no use to speak with him; We are indeed assured that the 9 Caul Cloth for Pondicherry is provided wholely by their Old Merchants, and the  $8\frac{1}{2}$  Caul by Sasashilum, part of which We are now inform'd He does provide at Salem, and part at Out Salem a place a good 'deal of this side of the other.

As to what your Honour &ct. mentions that you shou'd be glad to employ but one set of People in the providing Cloth to the southward, if our Merchants would have enter'd into larger engagements, We beg leave to reply We are sorry We have not been able to persuade them to engage more largely, nor to get one or two other substantial Merchants to join with them for the greater security of the larger sums of Money, that must necessarily be advanced them upon maks. greater Investments, and that thereby Your Honr. &ct. were necessitated to employ other Merchants in providing Cloth this way, because We really think so many buyers at the same Towns, and of the same brokers, will hardly do so well as if there was but one buyer for our Honourable Masters in each, especially as the Cloth is now bought for them, that is, on Brokerage by our Merchants, and We suppose in the same manner by your Merchants too, which may possibly occasion the several Agents not to be so solicitous to keep the Price down, or to be so Carefull about the goodness of it, they being to have their Brokerage upon it cost it what it will. as their own Interest would have le[t] them to do formerly, when a price was contracted for; B[ut We] are in hopes We may be able hereafter to bring [other] Merchants to join with those two We have at present [from the] grater encouragement you have been pleased to a [llow for] Brokerage lately than what they had before, and that thereby We may be enabled to make a larger provision of Goods than hitherto, but the season being so far advanc'd, and both your Merchants and ours having Sums of Money in the Brokers Hands at Salem, Warriapollam & Chiminaickpollam too, which must be rec<sup>d</sup>. back in Goods, render it, We think impracticable to make any alteration or set about any new Proposal this Year; We dont find upon enquiry that the French have above one buyer at Salem or elsewhere, that is their Old Merchants for 9 Caul Cloth, thô they have another that is Sasashilum for  $8\frac{1}{2}$  Caul, nor do We know of any European Nation but the English and French only, that buy any Goods at Salem or Chemanaikpollam.

As to the large Investment made by our neighbours at Pondicherry and our Honourable Masters Expectations to come in at least for an Equal share with them, We beg leave to say their Investment Consists of a Vast Variety of Goods, which if we were allow'd to provide, and to take in such Cloth as they do, We would not doubt of being able to get full as many Goods as they do, We beleive our quantity of 9 Caul Cloth both for last Year and this, as far as it is gone is near as much as the French have brought in, though we turn out a great deal for not being so good as it should be, and a great deal for short Measure, all of which We are assured are taken by their People, but the largest part of their Investment, We are told consists of Fine Goods, Handkerchiefs, Ginghams, Demitys and a Number of other Sorts; This leads us to observe to Your Honour &c'. that thô We upon receipt of your Letter of the 10<sup>th</sup>. July last, did immediately order our Merchants to set about providing the Fine and Middling Cloth at the Price y[ou] mention'd, and they assure us [they did] send Money for providing them accordingly yet We have[not], 1738-39-19

73.

[br]ought in [fi]ue sort or the other as yet, the reason [for the] delay, our Merchants tells us is that they being of [...] agreeing with any of the French Sorts of Goods the Weavers are oblig'd to set their Looms new on purpose and therefore none of the Cloth is yet finished, whereas had they been of any of the sorts the French Merchants provide, our Merchants would have been able to have brought in a good deal by this time: upon this We spoke to our Merchants to bring us musters of the French Fine Long Cloth, which they have done, and We shall send Your Honour &c<sup>t</sup>. by the Carolina a Piece of 12, 15 & 18 Cauls for your Honour &c<sup>ts</sup>. judgement, whether they will do for our Honourable Masters, the 12 Caul Cloth will cost deliver'd here, exclusive of Brokerage & Land Customs and Dustore, about 55 or 56  $\oplus$  Corge, the 15 Caul Cloth 75 or 76 the 18 Caul about 116, the Merchants Brokerage on all will be as on the fine Cloth We were before directed to provide that is  $1\frac{3}{4} \oplus$  Corge; We also send on the same sloop one P<sup>s</sup>. of 10 Caul Cloth, which we think will be a better sort of Middling Cloth, and will cost exclusive of Brokerage &c<sup>t</sup>. 474  $\oplus$  Corge the Brokerage to be the same as the Middling 1 Pag:  $\oplus$  Corge; If your Honour &c<sup>t</sup>. approve of these Goods be pleased to favour' us with your Directions thereupon and We will set about providing them out of Hand.

We shall upon occasion of any Complaint of our Merchants hereafter, regarding Gopol Chitty, follow Your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>18</sup>. directions, by sending for Custora Chitty & settling all disputes with him, but We are in hopes no occasion of Complaint will happen for the future and have caution'd our Merchants very strictly not to give any room for it on their sides.

We inclose our Storekeeper's Indent for Stores wanting which We beg Your Honour &c<sup>t</sup>. will be pleased to supply Us with.

We also inclose our Accounts of Expences for July last and Cash Account for August, Ballance of which is Pag<sup>8</sup>. 12339. 15. 39. We are with much respect

FORT ST. DAVID

Hoñble Sir & Sirs

· 3<sup>D</sup>. Septem<sup>B</sup>. 1739.

[Your most] obedient servants JAMES HUBBARD

&et.

INDENT OF STORES WANTING AT FORT S'. DAVID,

| Bolt Iron       | ••• | ••• |     | 71 Inches round | 3 Candy    |
|-----------------|-----|-----|-----|-----------------|------------|
| D°.             | ••• |     |     | 6 <u>1</u>      | 3          |
| <b>D°.</b> .    | ••• | ••• | ••• | 4 <u>1</u>      | 2          |
| <b>D</b> º.     | ••• | ••• | ••• | 31              | 1          |
| Dº.             | ••• | ••• |     | $2\frac{1}{2}$  | 1          |
|                 |     |     |     |                 | - 10 Candy |
| Iron flat bar   | ••• |     | ••• | 3 Inches broad  | õ          |
| Dº.             |     | ••• | ••• | $2\frac{1}{2}$  | 3          |
|                 |     |     |     |                 | <u> </u>   |
| Iron double bar |     | ••• | ••• | * * *           | 3          |
| Iron square bar |     | ••• | ••• | ***             | · 2        |
| Bod Iron        |     | ••• | ••• | ***             | 2          |
|                 |     |     | •   |                 |            |

25 Candys

| ىر ئىسىمە سەمەمەمەر بىرىمەر بەمەمەمەمەمەمەمەمەمەمەمەمەمەمەمەمەمەمەم |         |                  |        |     |         |                  |                                      |
|---|---------|------------------|--------|-----|---------|------------------|--------------------------------------|
| INDENT OF   | STORES  | W                | ANTING | AT  | Fort    | S <sup>r</sup> . | DAVIDcont.                           |
| Nails   |         |                  |        | ];  |         |                  | 1 +                                  |
| Do.   | •••     | • • •            | •••    | 2   | 2       | •••              | 1                                    |
| $\mathbf{D}^{\circ}$ .  | • • •   | •••              |        | 2   | Ľ       | •••              | 1                                    |
| , <b>D</b> •.   | · · · · | •••              | •••    | ้รั | 2       | •••              | 1                                    |
| $\mathbf{D}^{\circ}$ .  | •••     | •••              | ***    | 4   |         | •••              | 1                                    |
| D'.   | •••     | •••              | ***    | 5   |         | •••              | 1                                    |
| To  |         | • • •            | •••    | 6   |         | •••              | -                                    |
| $\mathbf{D}^{0}$ .  | •••     | •••              | •••    | 7   |         | •••              | 1                                    |
| D°.   | ***     | •••              | **     | 8   |         | •••              |                                      |
| D*.   | • • •   | •••              |        | 0   |         | •••              | 1 ക                                  |
| Stool Vymono  |         |                  |        |     |         |                  | 9<br>1                               |
| Steel Europe  | •••     | •••              | •••    | ••  | •       |                  | $\frac{1}{2}$                        |
| Sheet Lead  | •••     | •••              | ***    | ••  | •       |                  |                                      |
| Lead  | •••     | •••              | •••    | ••  | •       |                  | 10                                   |
| Hatchets  | •••     | •••              | •••    | ••  | 1       |                  | 36                                   |
| Padlocks  | •••     | •••              | •••    | ••  | •       |                  | 24                                   |
| Grind Stones la   | rge     | •••              | ***    | ••  | •       |                  | 2                                    |
| Small Scales &  | Weight  | ts               |        | ••  | •       |                  | 1 Set                                |
| Europe Powder   | for sm  | all              | Arms.  | ••  | •       |                  | 5 Barrells                           |
| Europe Cannon   |         | r                | •••    | ••• |         |                  | 15 or 3 Candy                        |
| Powder Hornes   |         |                  | •••    | ••  | •       |                  | 20                                   |
| Half Hour Gla   | sses]   | •••              | ***    | ••  | •       |                  | 12                                   |
| Tin Lantho[rns]   | ]       | •••              |        | ••  | •       |                  | 12                                   |
| Gimbletts   | • • •   | ,                |        | ••  | •       |                  | 12                                   |
| Pump leather  | •••     | •••              | •••    | • • | •       |                  | 2 Hides                              |
| FILES OF SEVERAL  | SORTS V | /iz <sup>t</sup> |        |     |         |                  |                                      |
| Trianguler  |         |                  |        | ę   | 0       |                  | •                                    |
| Herring bone  | •••     | •••              | •••    |     | 3       |                  |                                      |
| Smoothing Files   | •••     | •••              | •••    | 1   | 3       |                  |                                      |
| Flatt   | 5       | •••              | •••    |     |         |                  |                                      |
| I TAUD  | •••     | •••              |        | ė   | 3<br>10 | ,                |                                      |
| EUROPE CORDAGE.   |         |                  |        | -   | - 12    | i i              |                                      |
|   |         |                  |        |     |         |                  |                                      |
| Hawsers of  | •••     | •••              | •••    |     | 7 Inc   |                  | 1                                    |
| Coils of  | •••     | •••              |        |     | 4 Inc.  |                  | 1                                    |
| D°. of  | •••     | •••              | •••    | ŝ   | 3 Incl  | aes              | 2                                    |
|   |         |                  |        |     |         |                  |                                      |
| Chaulk  | •••     | 741              |        | ••  | •       |                  | 100 lb.                              |
| Musquetts   | •••     | •••              | •••    | ••  | •       |                  | 288                                  |
| Cartouch Boxes  |         | • • •            | •••    | ••• |         |                  | 300                                  |
| Flints  | ***     | •••              | •••    |     | •       |                  | 20000                                |
| Drums   | •••     | •••              | •••    | ۰.  | •       |                  | 6                                    |
| Fowling Pieces  |         | •••              | •••    | ••  | •       |                  | . 10                                 |
| Cartridge Paper   |         | •••              | •••    | ••  | •       |                  | 2000 Quire.                          |
| FORT ST. DAVID  |         |                  |        |     |         | E                | RORS EXCEPTED                        |
| 31 <sup>sr</sup> . August 1739.                                     |         |                  |        |     |         | 771              |                                      |
| A I MOUNDE TINN   |         |                  |        |     |         |                  | ₽                                    |
|   |         |                  |        |     |         | Cı               | ARLES FLOYER<br>Stork <sup>7</sup> . |

75

•

## Nº. 66.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>B</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &CT. COUNCIL.

# HONELE SIR & SIRS

This serves to inclose Invoice of the Contents and Bill of Lading for 162 Bales. laden on Sloop Carolina on our Honourable Masters Accou[n]t, togeather for some old arms that are unfit for service here, and a Parcel of bad Flints, as by the Invoice inclosed, which We desire may be exchanged & better sent in room of them, as specified in our Indent for stores.

We send also on that Vessel the musters of Fine Long Cloth provided by the-French at Pondicherry, as mention'd in our last for your Honour &c<sup>ts</sup>. Inspection.

We are with much respect

FORT Sr. DAVID

4<sup>TH</sup>. SEPTEM<sup>B</sup>. 1739.

P.S.

We send inclosed our Account Current with Your Presidency

for the last Year.

Hereunder is our List of Cloth on hand

| At the Washers | ••• | 227불            |
|----------------|-----|-----------------|
| At the Beaters | ••• | $69\frac{1}{2}$ |
| Embaled        | ••• | 259             |

Bales 556

HONBLE SIR & SIRS,

Your most Obedient Servants

JAMES HUBBARD. ELWARD CROKE. EDWARD HARRIS. THOMAS EYRE. ROBERT ALLEN. CHARLES FLOYER.

# Nº. 67.

To the Honele Richard Benyon Esq<sup>2</sup>. President and Governour &o<sup>7</sup>. Council of Fort S<sup>7</sup>. George.

#### Hoñble Sir & Sirs

The above is Duplicate of what We wrote you yesterday by the sloop Carolina. This is only to Inclose the Duplicate Invoices and second Bill of Lading for 162 Bales of Callicoes, and stores laden on that vessel on our Honble Masters Account. We are with much respect

#### FORT ST. DAVID

5 SEPT<sup>®</sup>. 1739.

#### HONBLE SIR & SIRS

Your most obedient Servants

JAMES HUBBARD. Edward Croke. Thomas Eyre. Edward Harris. Robert Allen. Charles Floyer.

### Nº. 68.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESC<sup>8</sup>. PRESIDENT AND GOVERNOUR &C<sup>7</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>7</sup>. GEORGE.

# Hoñble Sir & Sirs

The Princess Augusta arriv'd here the 28<sup>th</sup>. Ultimo in the Evening and brought your favour of the 23<sup>d</sup>. of the same which inclosed Invoice and Bill of Lading for the Treasure and stores which was safely deliver'd [exce]pt the Gunney's that are sent to Ingeram having a sufficient number here for the Bales We [may have] [r]eady by Christmass.

Inclosed is Bill of Lading for one hundred thirty four Bales of Sallamp[ores] [sent on] the Princess Augusta, amount<sup>s</sup> to Pagodas [ . . . j 9. 10 fana[ms] [The w]hite Cloth has been sorted to numbers, but the B[rown not] it being impossible to judge to what num[bers . . .] Musters are White, but We hope the Cloth in General will prove agreable to Your Honour &c<sup>t</sup> as no pains nor Care has been wanting that it might meet with your approbation, and are very sorry We should forfite our word to your Honour &c<sup>t</sup> which We hope you will excuse as the large quantity We have been obliged to turn out has been the Cause that the Number of Bales is so small.

We have order'd the Princess Augusta according to your Honour &c<sup>ts</sup>. directions to Coranga, M<sup>r</sup>. Prince likewise having advis'd us that that was the safest Place for the Ship, and the most convenient for Shipping of his Bales, and upon Captain Gorings request He and his Mates being strangers upon the Coast, We have put on board him one of our ablest Syrangs to shew him the proper anchoring place; the Captain's sailing orders comes enclosed with his receipt for six old Guns, which He desired for Kintlidge, and are mention'd at the foot of our Invoice.

We are extreemly sorry to acquaint Y<sup>I</sup>. Honour &c<sup>t</sup>. of the little hopes We have of procuring the Fine Cloths you order'd. The French paying such extravigant prices for all sorts, and taking in short and Narrow, good and bad, that the Wcavers though our utmost endeavours have been used, cannot be brought to bring any to us, and the sallampores Ordinary that are turn'd out by M<sup>I</sup>. Pitt at Uppara for being short and bad the French gladly take in : By which means M<sup>I</sup>. Prince informs Us that they have now in their Godowns at Yanam Nine hundred Bales of all sorts of Callicoes.

Vizia Ram Rouze and Chittaram Rouze are return'd from Rajamundrum, where they have been a considerable time attending our Nabob, and are now a making a War on the Margale Rajah, who they want to de[pose], for some affront receiv'd from him, and it is thoug[ht] they will succeed; This being what at present offers, We beg leave to su[bsc]ribe with great respect.

### VIZAGAPATAM

14 AUG<sup>T</sup>. 1739.

P.S. We have desir'd Captain Goring to [send] Us six of his Guns with their Carriages P<sup>z</sup>. [ . . . in] the room of the six old ones put on [board the] Princess

Augusta: As We do not know [ . . .] We request Your Honour &c<sup>t</sup>. wi[ll] Account that our Factory may [ . . .] them.

## HONBLE SIR AND SIRS

Your most obedient humble servants.

[CHARLES SIMPSON.]

### Nº. 69.

TO THE HONBLE RICHAED BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &CT. COUNCIL.

# HONELE SIR & SIRS

This serves to inclose Duplicate of our General Letter by the Princess Augusta, as likewise copy of Her Invoice & Bill of Lading, and Captain Gorings sailing orders, with our Cash and Paymasters Accounts for the Month of June & July.

We request your Honour &c<sup>ts</sup>. will send Us the Warehouse Keepers Account of the Cloth taken in with the Acco<sup>t</sup>. Current of this Settlement, and we cannot close our General Books without them.

Inclosed is a List of what Wares & Stores We are in want of, if a proper Conveyance offers to send them. This being the Present needfull, We crave leave to subscribe with great respect.

# HONELE SIR & SIRS

Your most Obed<sup>\*</sup>. humble servants

45<sup>™</sup>. August 1739.

**VIZAGAPATAM** 

CHARLES SIMPSON.

A LIST OF STORES & WARES WANTING AT THIS FACTORY.

BROAD CLOTH SUPER FINE VIZT.

| Scarlet   |            | •••    | •••   | •••    | *** |                   | 6 Pieces. |
|-----------|------------|--------|-------|--------|-----|-------------------|-----------|
| Blue      |            |        | •••   | • • •  | ••• | <b>2</b>          |           |
|           | •••        | •••    |       | •••    | ••• | 2                 |           |
| Yellow .  | •••        | •••    | • • • |        |     | <b>4</b>          |           |
|           |            |        |       |        |     |                   | 8 Pieces  |
| BROAD CLO | TH FI      | NE .   |       |        |     |                   |           |
| Scarlet   |            | • • •  | •••   | •••    | ••• |                   | 12 Pieces |
| BROAD CLO | тн Ов      | DINARY |       |        |     |                   |           |
| Red .     | ••         | •••    |       | •••    |     |                   | 12 Pieces |
| Green .   |            | •••    | •••   |        | ••• |                   | 12 Pieces |
| BROAD CLO | ոս Мլ      | TOTING |       |        |     |                   |           |
|           |            | DDDIAU |       |        |     | 3                 |           |
| Yellow    |            | •••    |       | 4.4.9. | ••• | 3                 |           |
| .1 6110 W | •••        | ***    | •••   | •••    | *** | 0                 | 6 Pieces  |
| Perpetuan | ORS O      | RDINAR | v     |        |     |                   | 0 1 10005 |
| 1         |            |        | •     |        |     | 5                 |           |
| ~         |            | •••    |       | ***    | *** | 5                 |           |
| OICEN .   |            | •••    | ***   | ***    | ••• |                   | 10 Pieces |
| GOODS FOR | PACK       | ING    |       |        |     |                   | IV LICCES |
| Twine .   |            |        | ***   | •••    | ••• | 6 Candy           |           |
| VELVETS   |            |        |       |        |     |                   |           |
| Crimson   |            |        |       |        |     | 10                |           |
| ~         |            |        |       |        | ••• | 10                |           |
|           |            |        | •••   | •••    | ••• | 10                |           |
|           |            | •••    |       |        | ••• |                   | 30 Yards  |
| Petty Mee | RCHANI     | DIZR   |       |        |     |                   | ev zurus  |
| Telliscop |            |        |       |        |     | 6                 |           |
| GENERAL S |            | •••    |       |        | ••• | -                 |           |
| Half hou  |            | 0000   |       |        |     | 12                |           |
| Wood O    |            |        | •••   | •••    | *** | 4 Jars.           |           |
| Europe 1  |            | •••    | ***   | •••    | ••• | 4 Jars.<br>6 Pair |           |
| Red Lea   | Y<br>NOCV9 | * • •  | •••   | •••    | ••• |                   |           |
| White I   |            |        | •••   | •••    | ••• | 5 Maund           |           |
| white T   | <i>.</i>   | •••    | •••   | •••    | ••• | 5 Dº.             |           |

| A LIST OF ST                                  | CORES &  | WAI     | RES WAN | TING A     | T THIS | FACTORY—cont. |
|---|----------|---------|---------|------------|--------|---------------|
| GUNNERS STORES<br>Cartouch Box<br>Cartouches. | es 100   | each    | of one  | doz        |        |               |
| Europe Corda<br>of each 1 C                   |          | , 6, 7  | & 8 In  | ches,      | ,      |               |
| Armory Stores.                                |          |         |         |            |        |               |
| Drum Lines                                    | •••      | •••     | •••     | •••        | 12     |               |
| D°. Snares                                    | •••      | •••     | •••     | • • •      | 6      |               |
| D°. Heads                                     | •••      | •••     | •••     | •••        | 12     |               |
| Anchors of 6, 7                               | , 8, 9 8 | \$ 10 H | [undred | s <i>.</i> |        |               |
| Gun Powder Co                                 | untry 3  | 10 Can  | ıdy.    |            |        |               |

CHARLES SIMPSON.

### Nº. 70.

To the Honele Richard Benyon Esq<sup>b</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONELE SIR & SIRS

I am now to advise Your Honour &c<sup>t</sup>. that the Princess Augusta came to a[n anchor] in Coranga Road the 18<sup>th</sup>. Instant, and agreable to the [dire]ctions given me in your Hono[ur] &c<sup>ts</sup>. Letter of the 23<sup>d</sup>. Ultimo all possible Care shall be taken [not to] detain [her] here longer than is necessary f[or shipping] off the Honourable Company's Bales, hoping th[at if we are not hinder'd] in our Business by bad weather (which I am apprehensive We shall by the Violent Rains that set in this morning) to Dispatch Her to Your Honour &c<sup>t</sup>. in three or four days, with One hundred and fifty Bales of White Cloth. I am with the utmost Respect.

# INGERAM

22<sup>»</sup>. Aug<sup>\*</sup>. 1739.

HONBLE SIR & SIRS

Your most obedient & most hum servant

RICHARD PRINCE.

### Nº. 71.

To the Honele Richard Benyon Esq<sup>B</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

### Honele Sir & Sirs

I have receiv'd your Honour &c<sup>1</sup>. favour of the 23<sup>d</sup>. Ultimo, with the General Letters for Vizagapatam & Ingeram, which were immediately forwarded.

In answer to your Honour &c<sup>18</sup>. observation of no more than twenty three Bales being brought in, within the space of two months, I can only say it is no more than what is usual, having found by experience that more Cloth is brought in from September to January, than from January to September.

The Brigantine. & Sloop have been Dispatch'd with Two hundred Bales for some time, but the Winds & Freshes have prevented their getting over the Bar, & I beleive will detain them four or five days longer. Herewith comes two Copies of my Books for last Year, with my Accounts [for] May & June, I would send more, but I humbly beg leave to assure Your Honour &c<sup>t</sup>. I have not a shee[t] of B[ook] Paper in the Factory.

I am with the greatest respect

MADEPOLLAM

Hoñele Sir & Sirs, [Your Mo]st obedient Humble servant.

25<sup>\*\*</sup>. August 1739.

JOSEPH GODDARD

| LIST OF B      | ALES. |     |                |   |
|----------------|-------|-----|----------------|---|
| On board White | •••   | ••• | 200            |   |
| D°. embaled    |       | ••• | 110            | • |
| Dº. Brown      |       | ••• | 65             |   |
|                |       |     | <del>6 1</del> |   |
|                |       | I   | Bales 375      |   |

#### Nº. 72.

To the Hoñble Richard Beryon Esq<sup>B</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR & SIRS

The Galatea brought us your Honour &c<sup>15</sup>. favour of the 7<sup>th</sup>. October, to which . We made a short reply by that ship, who saild the 2<sup>d</sup>. January for Borneo. We are since favour'd with Your Letter of the 10<sup>th</sup>. February by Ship George, with the sundry Papers specified in the List of the Packet, to which We are now to give Answer, and to lay before you an account of the Affairs of this Coast since our last Advices; As also to take notice of the several orders receiv'd from the Honourable Court of Directors, namely

By the Scarborough under Date of the 6<sup>th</sup>. January 1737/8.

By the Marlborough ... the 26th. April 1738, &

By the Britannia ... the 6<sup>th</sup>. December last; The Copies of all these Letters are enter'd in our Book of Letters.

# FIRST CONCERNING SHIPPING

In our Letter by the George We acquaint'd your Honour &c<sup>t</sup>. that the Queen Caroline had 160 Tons of Pepper on board, and was shortly to proceed to Lave, accordingly We sent her thither the 16<sup>th</sup>. August, but being there Disappointed by the shallowness of the Bar, and having been able to ge[t not] more than about 30 Tons of Pepper by the First of September, We order'd Her away to Ippue, where the Barr is Deep, and the Produce of th[e place lay] ready for Her, and the Sultan was Himself present to forward Her Dispatch; from whence [she] return'd the 18<sup>th</sup>. September, and having compleated her Char[ter Party Tonn]age he[rc]We gave the Captain sailing orders the 23<sup>d</sup>. [October] We are inform'd He left S<sup>t</sup>. Helepa the 6<sup>th</sup>. March which[ . . . ] ship Arriv'd in England in a good time.

Our letter by the Galatea copy whereof comes inc[losed] gave Your Honour &c'. information of the Marlborough ['s and] Scarborough's Arrival, with the reasons of the formers, [weighing] here, and our intentions to send away the latter with a [good] Speed.

'The Marlborough being still incapable to pro[ceed]; 22<sup>d</sup>. January We thought it necessary by way of precau[tion] to protest against Captain Smith, in behalf of the Honble Company, agreable to Your Instructions by the Galatea, [with]

regard to Captain White's stay here, after he was Dispat[ch'd] having first deliver'd him sailing orders, & on the 3<sup>d</sup>. February He sail'd for Borneo, having on board Eleven Chests of Treasure with a Garbling Mill and othe[r] Utensils Consigned to M<sup>r</sup>. Joseph Hurlock who was gone before on the Galatea to prepare a Cargo of Pepper, and keep all things in readyness against [the] Marlborough's Arrival at Benjar, in persuance to resolution taken in Consultation of the 16<sup>th</sup>. December; • We make no dou[bt] but M<sup>r</sup>. Hurlock will according to our Injunctions have sent you an Account of His Transactions at Borneo, to the time of the Galatea's departure; We have lately heard by some Malay Prows come from Samarang, that both ships were safe at Benjar, and that the Marlborough was taking in Her loading so that We are now in dayly expectation of Her.

The Letters you were pleased to deliver  $M^r$ . Hurlock to be left on the Coast by Captain Westcott did not meet Him, as He came directly for Marlborough without touching any where since He left Acheen; And as We were obliged to load that h[ip here], We took early measures for it, and hired Boats to fetch up the Moco Moco Pepper, that we might be able to give Her as much as she could hold; It was all brought up safe, and the Scarborough went away the  $10^{1h}$ . February; Her Cargo co[nsisting] of 30 Tons of Redwood br[ought] from Bengall [with of] Salt Petre, and 400 Tons [...] Pepper, wh[ich was all she cou'd] take in.

[According to the dire]ctions before Us We[...] Captain We[stcott] for the Petre, [...] mentioning the low Freight of £12. 16. 8  $\oplus$  Ton and half freight for the surplus Pepper, and took separate Bills of Lading, with an Agreement for the Over Tonnage.

Captain Smith had deliver'd in a Petition the 3<sup>d</sup>. January for 100 Tons of Salt Petre, but as We were in hopes from the good reception the Prince of Wales met with at Borneo that he might obtain a full Loading of Pepper there, We thought it more proper to keep the Saltpetre for this Years shipping, agreable to what We had wrote to the Honourable Court of Directors  $\mathcal{P}$  the Queen Caroline, being sensible if He should not succeed We must still make up His Cargo here, besides that His Petition was not in the Form required.

The Britannia Captain John Somner arriv'd the 13<sup>th</sup>. July & in the Letter by that ship We observe the Hoñble Company's intentions to send us a ship by the way of Bengall, as they have done the Preceeding Years, & that We are to expect another for Benjar about the same time as the Marlborough.

Captain Somner having Petition'd for the Saltpetre left by the Scarborough, at the low Freight of £12. 16.  $8 \oplus$  Ton, We have granted his request which is enter'd after Consultation of the 20<sup>th</sup>. July.

And as soon as We receive Advice from our Resident of Moco Mcco, that the Rivers in Anacksoongey begin to be Navigable, We shall send the Ship to bring away the [Pepper] from thence; At present we are assured by the Inh[abita]nts that the Bars are every where fordable and this has [been] the most dry Season that they have known for many Years, having had no rain since the 1<sup>st</sup> of April last.

The 8<sup>th</sup> June last We recc[iv'd] a Letter from the Resident of Moco Moco advising that the George Arrived the 29<sup>th</sup>. May, and [the weather] is still continuing contrary, the first of July we [sent the] Bonitta Sloop to fetch the Packet, which she brôt[...] the George off Ippue, and Captain Taylor w[riting that he is in] want of Provisions, We order'd the Sloop back again with Water and Rice, that He might not through want of them be obliged to return to Moco Moco, which would certainly have caused him to lose His Passage this season, and she arriv'd at last the 25<sup>th</sup>. July.

At the same time arriv'd the small sloop the Hawk which We shall endeavour to employ to the best advantage, and take notice that Your Honour &c<sup>t</sup>. intend to send Us another larger sloop in September next, with the new ship. 1738-39-21

**81**:

We are sorry for the Disappointment of the late Arrival of the George, who has been near six Months in Her Passage from Madrass, which We attribute entirely to the Contrary Winds; We have Dispatched her as soon as possible and hope she will still get over in time to save Her Passage to Vizagapatam.

The South East winds sett in so early and have blown so constant, that several Dutch Vessels bound for Batavia have been kept out and four of them Were obliged, to put in at this Port, for provisions, namely,

A Brigantine called De Rotte Captain Albert V, Minnen from Padong, who has been three times drove back and return'd the last time the 22<sup>d</sup>. July.

A large Ship called the Kerkwyk, Captain Hend\*. Opmeer from Surat the same day.

The Kerkzigt Capt<sup>n</sup>. Huygh Kuyper from Bengall D<sup>o</sup>. &

The Hilverbeek Captain Ad<sup>n</sup>. Van Renseen from D<sup>o</sup>. the 24<sup>th</sup>.

We have Advice that the Honourable Company's Ship the Prince Augustus Captain Townsend bound for China saild from Batavia in [ . . . ]y last.

#### SECONDLY, GOODS FROM EUROPE, FORT ST. GEORGE, &CT.

The George brought us the 30 Bales of Long Cloth & the other Wares, which [came out] right as  $\mathcal{P}$  Invoice, The Resident [of Moco Moco being] sufficiently supplied took none out.

[...] &ct. for the present supply of Bags by [....] ceeding one by the Scarborô We had been very much stress'd tor want of some, & • when the Queen Caroline was on the Coast, We were obliged to make up all the Coarse Dungaree that was left in the Warehouse, which being but a slight Cloth they were of little service, so having an opportunity to purchase 1000 good Canvass bags brought from Batavia, We found it necessary to buy them for the Honourable Company, & they have proved very serviceable.

According to Your Honour &ct<sup>s</sup>. orders M<sup>x</sup>. Rigg's Account of the difficiences in stores shall be ballanced by Profit & Loss. And in May last M<sup>x</sup>. William Coles having in pursuance to Your Directions, taken the remains of all the stores, and presented a List of what appeared short, through Waste, Drying in and Leakage, We permitted him to write them off the Books for the reasons set forth in His report enterd in Consultation of the 11<sup>th</sup>. June.

As to the Difficiency in stores &c<sup>t</sup>. under M<sup>r</sup>. John Savages care at Moco Moco We beg leave to repeat our opinion that they have not been embezzled either by himself or His Assistants, whose Honesty and Fedelity we have no reason to doubt, from which We are rather induced to beleive the several articles have been used for the service of the Honble Company and not regularly accounted for, We have again inclosed a List of those Deficiencies, for your Perusal, and beg leave to represent our former observations thereon as follows.

| The Gunny Bags have been worn out in<br>transporting Salt, Pepper & Rice, the<br>amount of that Article is      | \$ 33 | 2   | 85  |
|---|-------|-----|-----|
| The Materi[als] have been expended on a<br>Landing place which [the deceased] has not<br>charged in his Account | 171   | ••• | 35  |
|   |       |     |     |
| On Arrack a [small] loss by Leakage<br>The Cordage is set down in the List [cut]                                | 4     |     | 65  |
| up for Junk   | 19    | 1   | ••• |

**S**2

1 On Rice a small waste of \$ 3 . . . . . . . Concerning [the] Salt He has often complain'd of the insufficien cy of the Godowns and that the Rain between . . . ] it, which Accidents together ] allowance for Waste will consid[ • . . . ]ciency of. 114 1 31 •• ][ .

The Gunner and Armourers Stores appear of such a nature that they are most likely to have been used in the Garrison and omitted to be wrote off when deliver'd out; these together with several Articles under the Head of General Stores are humbly offer'd to Your Consideration as the deceased had been long out of order.

The produce of the Treasure brought by the Marlborough and Scarborough has been Duly brought to Account, and having this Year receiv'd fifteen Chests of Pillar Bollars by the Britannia which Mony is not Current here, We have by this Conveyance consign'd to Your Honour &c<sup>t</sup>. Ten Chests amounting to \$ 40000, Forty thousand Dollars as P Bill of Lading & Invoice inclosed. We did not think it advisable to risque any more on this Ship as it is late in the season, but by the next opportunity We shall send all that We can conveniently spare.

Inclosed is an Indent of Wares which will be wanted next Year, wherein according to the Honourable Company's orders, We have inserted such Articles from Bengall as are probable Dispos'd of here, for as to piece Goods most of the former sent us are still left unsold they being in no manner of demand.

Captain Westcott having petition'd for a large Cable that was left here by the Queen Caroline We let him have it on [his] bond to pay for it in England with 50 P Cent on the Pr[ime] Cost, which was the Conditiou He requested it at.

The Wares and stores receiv'd from Bengall by the Scarborough turn'd out right excepting 2 Jarrs of Oil which were indors'd off the Invoice.

We have [such] a large stock of Salt on hand and We only purchased [...] smal Parcels last Year to prevent the [re being . . ] run in the Country and paid no [...].

# THIRDLY INVESTMENT, FOURTHLY COUNTRY GOVERNMENT.

The produce of Pepper last Season has according to the hopes that were given Us proved considerably greater than the Preceeding Year, and Anack Soongey having yielded above 1000 Bahar, the Sultan receiv'd the present of \$ 100, Order'd him by the Honourable Company; From Laye & Bentoonan were receiv'd above 340 Bahar and from Manna, We have, already fetch'd away above 270 Bah<sup>r</sup>. and there is still more coming in.

The methods We took to bring up the Pepper from Anack Soongey and the several out settlements are sett down in our Consultations, and We hope will meet with Y<sup>r</sup>. approval this Season has been so excessive Dry that the Boats cannot come out of the Rivers, and there has lately been two Tom bongons broke in attempting to pass the Barrs, one at Manna when 7 Bahar of Pepper were lost, and another at Peeno, where by the speedy assistance of the People all but 2 Bahars were saved.

• The Shoreham Sloop in coming away in March last from Manna with 130 Bahar of Pepper was missing near a fortnight and being apprehensive that the People might be obliged to go to some of the Islands near the Streights of Sunda for provisions, and run in danger of being Cut off, We thought | it ] necessary to send the Company's Sloop Bonitta in search [of her] and give the Master Instructions as mention'd in Consultation of the 3<sup>d</sup>. April to proceed as farr as Batavia and if He did not meet Her to bring Arrack for the \$200 Two hundred Dollars advanced him accordingly having mist Her, He went to Batavia from

whence He returned the 10<sup>th</sup>. June; T[he ... ] appeared in sight a few Days after He was gone [and] deliver'd [the] [ca] rgo in good Condition.

[...] at the Pangarans going [...] [...] ngey Etam last year, has had the good Effect, that several Proateems have already set about Pepper Plantations, and the old Pangaran is now again gone amongst them to renew His former injunctions to them.

The agreement with Siddee Ibrahim has so far succeeded that there are no more complaints of His harbouring our runaway slaves, and as He has given informations against several Stealers and Decoyers of Slaves, it has caus'd such a diffidence of him amongst those sort of People that they will be affraid of making application to him. It has also procured such an intercourse with the Proateems of the Eight Duscons, who were all of them shy of Us on account of the troubles in 1719, that We have opportunities of representing to them the benefits that will accrue to their Country by exciting their People to industry and persuading them to make Plantations, and the Head Proateen of Benteering has set them a good Example having planted a large number of Pepper Vines; and some other Duscons are clearing Ground for the same purpose.

Upon Ensign To Assings return from Manna He assured us that orders were given all over the Country by the Pangarans and Proateens that the Planters should take care not to gather their Pepper in future till it is full grown to prevent the Damage Arrising both to the Company and themselves, [& the] waste which such light and green Pepper occasion [ed] and the reasons He gave for receiving the former was, that he apprehended the People might be [dis]gusted if He refused it, which might prove of bad consequenonce to the Honourable Company, for that as to the Planters themselves they h[ad no] other views in it than their Eagerness of receiving th [e] [money] for it to supply their present wan [t] [and that the] Pepper has turned out much better than [before].

The Person whom We had appointed Surveyor of the several Districts to the Southward having since his return continued almost twelve Months dangerously ill, & being still in a very weak condition, We have sent Dattoo Buguess (who is the properest Person We could think of for that purpose) and have given him particular Instructions, A Translation whereof is enter'd in our Copy Book of Letters in May last.

The Dupatty of Crocup having complain'd that most of the Inhabitants of that District maintain themselves by keeping Buffaloes instead of making Pepper Plantations contrary to the Conditions on which they were permitted to Settle there a few years ago; Dattoo Bugguess together with Oran Cayo, Pangaran Munko Rajah's brother who had been made Pepper Surveyor in the room of Mmass Rattoos, were sent to call them to an account for their neglect and to threaten to turn them away from thence if they did not without delay begin Pepper Plantations, and the People have readily enter'd into a new agreement promising they would not fail to give speedy proofs of their Compliance, agreable to which We are informed they have Planted a good number of new Trees, and the Dupatty who seems earnest in the Design of improving His Country has assured us He would keep a strict Eye over them.

Shortly after the George's Departure We were acquainted that the Inhabitants of a Village called Penagee [which] lays far up in the Country intended to make some Attem[pt agai]nst those of another Village called Sooco Bajah both under Pangaran Munko Rajah's jurisdiction upon which the Pangaran immediately went with some Bugguesses to endeavour to terminate the affair by His arbitratio[n] [which his people at] Penagee refusing to submitt to He Procee [ded] [against them and] they having abandoned their [village he resolved to set] it on Fire the next Morning, thinking [that such a step] has become absolutely necessary to prevent the like disorders in future in opposing his authority. The Affair is more particularly set forth, in Consultations of the 11<sup>th</sup>. & 29<sup>th</sup>. August.

In the Month of November last the Saloomah People being dissatisfied that Dupatty Sareeo had not complied with the agreement made between them, when their differences were settled relating to his burning their village of Nappall, they complain'd against him, whereupon the Dupatty was sent for and brought up to the Fort, but in the mean time the Salloomah People being Headed by a Mallay Priest & Imposter who had found means to gain their attention & exasperated them against 'the Dupatty, were going to take their own satisfaction, and cause new commotions in the Country, but they were prevented, for We immediately dispatch'd Diong Macooley with a party of Bugguesses who dispersed them & drove the King leader out of the Country,; And the Proateens both of Koonkoy & Saloomah being met at the Fort, We caused Dupatty Sareeo to make restitution of what He had taken from them before He went out, and that affair was entirely concluded.

We took that opportunity to fine Dupatty Sareeo with two more Dupattys of Koonkoy for neglect of their Plantations, at the same time as a token of favour and for encouragement, We made some small Presents to four other Dupattys who had distinguished themselves [ by ] making very considerable Plantations.

The Pangarans [Dattoos] and all the Proateens, being then met, it was observed by them, that a principal cause of the neglect of [ the ] Pepper Plantations in that part of the Country was, that the Pangaran (Jantinelly) being often Lunatick, He did not exert himself in keeping the People to their Duty, to remedy which, they [wi]th the Co[nsent of] all Partys appointed the Pangarans So [n Dupatty Sareeo] who is the Head Proateen in Koonkoy to [have charge of that] District, and jointly to Act for the improvement of it, which done without lessening the Pangarans Authority, and Dupatty Sareeo promised to Use his earnest endeavours to promote & increase the Pepper Plantations and shortly to give proofs of His sincerity.

Two Dupattys of the Country of Moosce on the other side the Hills near the pass to Pullimbam, came to the Fort in february last and enter'd into an Agreement to Plant Pepper, for which they are to be paid no more than  $$5.2 \ppsilon$ Bahar in Moosee, but in order to induce them to bring it over the Hills, they were promised to be paid  $$8 \ppsilon$  Bahar if they deliver it at the Village of Carang Pajangee, which is but a Days Journey from them & lies on Bencoolen River, from whence they can for a small charge bring it down and receive the full Price of  $$10 \ppsilon$  Bahar for it here. The other motives inducing us to make this agreement with them were to prevent the Sultan of Pillimbam's extending His Dominions too near us, for He had already forced some of the Dupattys of that Neighbourhood where they are a free People under His subjection, and also to keep some intelligence there as it is a principal pass.

We are inform'd by one Key Mass who is in the service at Laye, that many Natives of Laboon, who had dwelt on the Borders of Pullimbam and made Pepper Plantations intended to come away on account of a quarel they have had, and that they promised to settle about laye and Bentoonam, and Plant Pepper among the rest of their Countrymen, who are already Inhabitants there.

A Proateen of the Island of Poolo Pesong and another of a Village [  $\$  .

] shoar at a small distance on this side the said Island, cam[e to] the Fort the beginning of July & requested to be admitted on the same terms as their neighbours of Cawoor to sell their Pepper and establish a Trade with the Honourable Company, declaring themselves to be the Head Rulers there; We gladly laid hold of that opportunity to extend the Limits to the southward, [which may prove of] particular Use hereafter, and enter'd into [. . .] down in Consultation of the 10<sup>th</sup>. July. We are assured that one of them has the most considerable Plantation thereabouts, and that, that Part of the Country produces near 160 Bahar Yearly.

Since that some of the Proateens of the District between Cawoor and Poolo Pesang which had not been here before are come up on the same Account, We are 1738-39-22

also told that those of the Adjacent parts of the Country will coon follow, & we shall endeavour to improve the Present good Disposition of those People to the Company's Advantage.

Dattoo Marlborough being Dead, Dattoo Saree Marajah was made in His room upon the recommendation of all the Head Men of Bencoolen, & He is gone to Benjar with Mr. Hurlock, Dattoo Amass being then sick.

The 26<sup>th</sup>. June last died Pangaran Munko Rajah, and his son has succeeded him, with the unanimous consent of the Inhabitants, who have vested the Power in Oran Cayo, (the deceas'd Pangaran's Brother) during the minority of the Young Pangaran who is now about 10 years of age, and as He has always been well attach'd to the Honble Company We hope He will educate Him in their Interest.

The Country being every where Peaceable We hope the Persons sent on the Surveys will bring a pleasing Account of the Pepper Plantations.

The 28th february last the Pepper Godown Keeper having taken the remains

represented a deficiency of 130 of Pepper. which appearing but a reasonable allowance for waste, as it is not above  $[\ldots]$  cent] on the quantitys shipped off since the last remains [he] permitted the same to be wrote off.

The amount of Pepper remaining this Day in our Godowns is 3701. 2. 8, which We shall keep for the Bengall Ship, and send the Britannia to fetch the Anak Soongey Pepper as [she] is Arriv'd [near] a month latter than the Queen Caroline did [. . .]

# FIFTHLY, BUILDINGS, REPAIRS & REVENUES.

By the George We receiv'd the Doors & Window Frames for the Moco Moco Factory in the room of those destroy'd by Fire, We have put them on board the " Britannia in order to be transported thither; and We shall do all that is in our Power with the small number of Hands We have to forward that and the other necessary Buildings.

We are sensible that the Advancement of \$ 500 made Bugginda Rajah at Moco Moco was too great & We only permitted it upon M<sup>r</sup>. Savage's representation that it was absolutely necessary to establish a manufacture of Bricks there, but We shall be very cautious in future, and not pay such sums before Hand to Mallays; We have wrote to the Resident to press Bugginda Rajah to Discharge what remains due upon that account on which He has paid about Three hundred Dollars.

Finding there would be a good deal of difficulty and loss of time in procuring and transporting from hence the necessary materials for a House at Manna We have agreed with Mallay to cutt them there, the most part lay ready to begin that Building, and We shall send down proper Persons with all expedition to compleat it, at Ippue there also Materials provided for a Pepper Godown, and when the Europe ships [goes] thither the necessary orders shall be given for Building [it.] We have also promised the People of Bentall that a Godown [shall] be built there, as soon as that at Ippue is finished.

According to [what] We advis'd in our last We have bought 52500 Pan Tyles of Captain Birkhead, which together with the Parcells bought of our Tylemakers will be as much as We shall be able to U[se for] some time.

[. . .] Your Honour &c<sup>t</sup>. could not supply us [. . .] We find ourselves much at a loss for want of Persons skillfull in laying Pantyles, for by the Experiments made on the Arrabs Guard House, it appears they have not as yet the right methods of making the coverings tight, that of the Rice Godown seems better laid, but We have had no rainy Weather to try it, for which reason We came to a resolution in Consultation of the 14<sup>th</sup>. February to cover the Pepper Godown with flatt Tyles, that it might run no Risque of any damage from rain, but We have not sett about that Work hitherto, because it is almost full of Salt petre and Pepper for which We have no other room, and it would lay liable to be pilfer'd, and wasted by Wet weather while the Roof is uncover'd, and finding We should soon be in want of another Pepper Godown, We resolved in Consultation of the 24<sup>th</sup>. April, to appropriate to that use a part of the new Walled Compound intended for Timber sheds &c<sup>t</sup>. & have accordingly taken off two Godowns, the whole 64 f<sup>t</sup>. in length and 31 broad, which We hope will be soon compleated, the Walls being done, and as that Building is absolutely necessary, We made an order to purchase the Materials wanted for it with all speed, which have been cut but could not be brought down the Rivers for want of Rain.

The Tarrass'd room over the NE: Gate fell in, in December last, and upon examination, all the Timbers in the Wall were rotten, for which reason, We had agreed to make use in future of Tea[k Tim]bers only thinking they were [procu]rable from [Batavia | and Indents were lodged there for a supply of each sortment, limiting the Price at 25 or 30 P [Cent] more than the rate of the Wood Cutt here, but the Captain acquaints us that He could not obtain any, however the Dutch Captains tell Us the afore mention'd price will be suff[icient] [encouragement] to bring them, and We shall do our en[deavour]. The Roofs of the Warehouse being quite dec [. . .] Building, and it appearing still strong enough to bear a tyled covering We order'd said room over the NE Gateway, to be repair'd and Tyled to keep the Company's Bales in till We can get the Warehouse cover'd; But as several Gentlemen at Your Board are acquainted with the condition of that Old SE Building, called the China Building, We should be glad to receive Y<sup>r</sup>. directions whether it will be proper to continue or remove it, for thô the Timbers are strong enough to support a Tyled Roof, yet as the Boards have held out many Years, We are afraid they will want frequent repairs, besides that the spot whereon it stands, is very convenient and safe for much larger & Commodious Godowns, and the more valuable as it is within the Fort Walls.

The Licences were put up at Publick Outcry as Usual and sold as follows. The Arrack Licence to M<sup>r</sup>. Charles Barbut for \$ 131 P Month.

The Ophium Licence to Diong Macooley for \$ 91  $\oplus$  D<sup>o</sup>.

The Ophium Licence Moco Moco to M<sup>r</sup>. Samuel Greenslate for \$ 30 P D.

To supply the Company's stores with Arrack this Season We have bought 25 Leaguers at  $\S$  40 each.

The 29<sup>th</sup>. September last the amount of Freight and Customs on Goods brought last year  $\mathcal{P}$  the George was paid into Cash, as was likewise the 21<sup>st</sup>. April the Customs [on] what imported by the Galatea and Scarborough [in] December.

Pangaran Munco Rajah having a House & a large Compound full of trees [j]ust by the Fort, wherein He seldom lived himself, and His People in his absence unknown to him made it a receptacle for all manner of villains, We persuaded him in April last to take the Compound of the Old Hosp[ital in lieu of] and have granted M<sup>r</sup>. W<sup>m</sup>. Coles a Leas[e . . .] ground, whereon He is building.

SIXTHLY, COMPANY'S SERVANTS, MILITARY AND THEIR ACCOUNTS.

The 16<sup>th</sup>. of August last Se Niawoo another murtherer of M<sup>r</sup>. Daniel Coles was Apprehended & both He and Se Nassib mention'd in our last have been condemn'd and beheaded.

We shall according to your permission write off the Ballance of M<sup>r</sup>. Gee's Account to Proffit & Loss: The George Arriving so late this nor the other Adjustments could not be made in last Years Books which were closed & signed in Consultation of the 31<sup>st</sup>. May.

In the Packet We have sent Copy of M<sup>r</sup>. Hawkes's Will, the ballance due to that Estate this day is \$ 125. — 59 all Charges deducted.

M<sup>\*</sup>. Innes's Goods pursuant to Your orders were sold the 6<sup>th</sup>. Instant as  $\mathfrak{P}$  particulars enter'd after the Consultation We thought it necessary to give six month's Credit to encourage People to bid for them, and shall make an end of that Account as soon as the money is collected.

The 29<sup>th</sup>. October last died Lieutenant Thomas Horne and the Executors named in his Will (Copy whereof comes in our Register Book) having refused to accept of the trust, We sold His Effects by Publick Outery, and the whole amo<sup>t</sup>. of them together with the Military debts is now paid into Cash : several Claims which [were] made on that Estate have been discharg'd as  $\mathcal{P}$  Account[ent]er'd the 12<sup>th</sup>. April last and the Ballance due thereto [this] Day is \$ as hereafter noted, which we shall [carry] to Account Current Fort S<sup>t</sup>. George, & request You will please to stop out of that sum the money advanced His Wife and Family.

M<sup>r</sup>. Henry Stirling having delivered in a Petition setting for [th that] He had been brought up in the Military in Europe and [desiring to be appointed to] the Vacancy, occasion'd by Lieutenant [Horne's death gran]ted His request, thinking He was qualified to serve the Honourable Com [pany in that] emplyment better than in writing Bu [siness] & we hope Your Honour &c<sup>t</sup>. will be pleased to approve thereof.

()n the Britannia Arriv'd three Factors and four Writers, and the Honourable Company having permitted the Writers, who came by the Duke of Lorrain in 1736 to be made Factors We have station'd them accordingly, & as soon as Mess<sup>18</sup>. Hurlock & Wheeler return, We shall appoint Residents for Manna and other out Settlements conformable to orders.

That ship brought us twenty two Recruits, but as We have sent away several Dutch men, agreable to what We wrote Your Honour &c<sup>t</sup>. besides the loss by death, We shall be glad when opportunity offers to receive a further supply.

The 26<sup>th</sup>. January last died M<sup>r</sup>. Peter Cary Factor, and M<sup>r</sup>. Robert Fitzhugh was appointed Executor in His last Will and Testament.

M<sup>r</sup>. Robert Fitzhugh Factor finding the Place did not agree with him petition'd to go home on the Scarborough and We granted his request.

In february last M<sup>r</sup>. Greenslate our Resident at Moco Moco desired leave to come to Mariborough for a few days, which as it was the most leasure time of the Year We granted, and He arriv'd the 22<sup>d</sup>. March, when He presented a receipt signed by [M]<sup>rs</sup>. Churchey & Coales for the Ballance of Cash there being [\$]6.1.12 & return'd the 6<sup>th</sup>. April.

[One] of our Monthly [Wr]iters W<sup>m</sup>. Burton having render'd himself very usefull, [&] He writes a very fair Hand and expeditiously, We request Your-Honour & c<sup>t</sup>. will be pleas'd to raise His allowance, which is no more than 10 Month, there being no other prospe[ct] of preferment for him here.

[The Effects] of Mess<sup>19</sup>. Jorden & Hodgkin's Estates [ . . . ] Cash.

M<sup>r</sup>. Charles Barbut has paid in the 22<sup>d</sup>. March \$ 200 for Account the Estate of Francis Everest Esq<sup>r</sup>.

The 3<sup>d</sup>. February Captain Westcott paid into cash \$ 2000 & 6470 Arcott

Rupees, which We brought to account at 2. 4 P Rupee, in order to make entry of them in our Books, but in the Certificate We mention'd that the sum was to be adjusted in England as the Honble Company had order'd it.

## SUPPLEMENT.

We have receiv'd the Transports & five Boys by the George, and must again repeat our great want of slaves to carry on the necessary work. We had an opportunity in March last to buy twelve able Nias Slaves who have been very servicable, and helped to supply the loss sustain'd in that Month, when upwards of 11 Coffrees died of the Measles.

Two of the Company's slaves having absented themselves in february last, with Five belonging to Private Persons, and as none of them knew the Mallay Language nor the ways to Travel the Country, We publish'd a reward of \$ 50 for apprehending the Persons who should be found to have seduced them, and they have according [ly] been taken, and We shall send them to S<sup>t</sup>. Helena [by the] first Opportunity, as We [did by] the Queen [Caroline] one of the Coffrees who had run away twice and been very troublesome.

The Hawk Sloop being very Leaky and our Carpenters assuring Us she cannot be repair'd without taking off [the] sheathing, We have caus'd Her to be hawl'd up and [ . . . ] fitted as soon as possible.

We beg leave to repeat our request for some Arrabs who are a People of very great service, in the mean time We have taken into pay six Moremen to supply the want of Arrabs till We get a recruit of them.

Captain Taylor having left some Goods last year in the Hands of Lieutenant Horne deceased, they were sold with the rest of His Effects, but upon His producing receipts signed by Lieutenant Horne for them, & finding likewise an open Account Current in the Deceased's Books specifying the same particulars, We order'd Him the payment of the Money they produced at the sail Outery, it appearing plainly that they were his property, as there were no such sortments set down in the Manifest of what brought by Lieutenant Horne, and inclosed is a small abstract by ballance whereof there is remaining this day due to that Estate \$603. 1.59.

Among the Treasure We have put up the 6470 Rupees which were paid in by Captain Westcott, so that the amount of the Invoice is \$40019. 1. 33, Forty thousand nineteen Dollars one suca and thirty three cash.

Captain Taylor has presented a Petition requesting to be paid here for maintenance of the Transports and slaves brought, but pursuant to the Hoñble Company's Directions, We have referr'd him back to Your Honour &c<sup>t</sup>. for the Payment.

He has taken up some stores that He was in want of amounting to \$10. - 12 which are placed to the Debit of ship George's Account Current an abstract whereof comes in the Packet, We wish [th] is ship a prosperous voyage, and are

FORT MARLBOROUGH

15<sup>TH</sup>, AUGUST 1739.

HONBLE SIR & SIRS,

Your Honr. &cts. most hum servants,

ROBERT LENNOX. WILLIAM RIGG. CHARLES BARBUT. WILLIAM COLES.

#### Nº. 73.

To the Honele Richard Benyon Esq".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR & SIRS

We return You thanks for the several Cargoes which at our desire You last Year Consigned to Us; and for the supply of this, We desire you will send us half the one P Cent in Arrack, and the other half in Rice, of which We are in great want occasion'd by the failure of our summer rains for four or five seasons past. 1738-39-23 M<sup>r</sup>. Pyke died here on the 28<sup>th</sup>. July last, and the Honourable Company have been pleased to appoint John Goodwin Esq<sup>r</sup>. late 2<sup>d</sup>. of Council of this Island to be Governour, which is a Change perfectly agreable both to ourselves & the Inhabitants.

Inclosed We send You the usual List of shipping and are

ST. HELENA

818. MARCH 173

HOÑBLE SIR & SIRS Your most obedient Servants, JN<sup>o</sup>. GOODWIN. D: CRISPE. JN<sup>o</sup>. BAZETT. G.G. POWELL.

LIST OF SHIPS WITH THEIR ARRIVAL TO, AND DEPARTURE FROM S'. HELENA. Ships. Departure. Arrival. Bedford 13 March 1737 5 March 1737 ••• ... • • • ... 11<sup>th</sup>. French 9 ••• Montperas ... ... ... 24 14 Harrison ••• ••• ... ... ... 14 April 1738 2 April 1738 Duke of Dorset ... • • • ... 7 Sleswick ... Dane 4 ... ... • • • 7 May Winchester 14 ... ... ... ... 20 Jupiter ... French 27... ... • • • 5 May Princess ••• Louisa 26... . . . ... 30 George 14 ... • • • ... ..... .... 30 20Hethcote ... ... . . . ... .... 31 21 Dove Dutch ••• ... ... ... French 19<sup>s</sup> June Lelly 20... ... ... ... D⁰. х 4 June Triton ... ... ••• Royal 11 ••• . . . 23 Guardian ... ... Wilmington 3<sup>d</sup>. January 27 November ••• • • • ••• 10 December 27 December A Dane ••• • • • • • • ••• Hallifax 3<sup>d</sup>. January 18 ... ••• ••• ... ••• 29 3<sup>d</sup>. February French ship ... ••• ••• • • • 19 February Queen Caroline 4 March ••• ••• • • • 19 King William ... ••• . ... ... 22Beaufort ... ... ... ... ... 25Brittannia . . . ... ... ... ... 27  $\left.\begin{array}{c} Phenix \\ S^{t}. Gerand \end{array}\right\}$ ... • • • ... 7 March French 27 .... ... 7 March Royal George. ...

#### Nº. 74.

TO THE HONELE RICHARD BENYON ESQ<sup>B</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &CT. COUNCIL.

HONBLE SIR & SIRS

We receiv'd last night Your favour of the 10<sup>th</sup>. Instant, and have directed our Merchants to bring in as much of the Ten, 12, and Fifteen Caul Cloth as they can, between this and January, agreable to Y<sup>r</sup>. Honour & c<sup>ts</sup>. orders.

We are endeavouring to get Topasses, so far as to make up One bundred above our usual Complement, which is certainly necessary in Case of any troubles, but as yet we have been able to get no more than twelve, our Neighbours at Pondicherry having for some Months past entertain'd every Topass they could meet with; We shall immediately set about an Earthen Breastwork from the NE Bastion of Cuddalore to the River side agreable to Your Honour & t. directions.

We have this Day entertain'd M<sup>r</sup>. Tho<sup>s</sup>. Cooke Junior a Monthly Writer at 10 Pag<sup>s</sup>. P Month agreable to the Liberty you gave us.

We have receiv'd advices that the greatest part of the Moors Army is [set] out from about Tanjore & Trichinopoly for Arcott, an[d that ] the Nabob designs to pas[s road] way within [la]nd, but that Subdurally Caun His [oldest son] entends to go nearer the Sea, and to call at Chelumbrum, Porto Novo, and Allimpara in his way, & will probably pass near our Bounds, We are therefore to desire Your Honour &c<sup>ts</sup>. directions, whether it will not be proper in such [a case] to send some of our Gentlemen to wait on Him [. ] as We have nothing here [fit] for Presents but Broad Cloth, and Perpetuanoes, We desire you will be pleas'd to send Us some Velvets or what other things you may think necessary on this occasion; We should be heartily glad there may be no occasion for sending a present, unless it was to be a better one than was sent the Nabob when M<sup>r</sup>. Fowke was here, which was receiv'd but very indifferently.

As our Cash is nearly Exhausted We desire Your Honour &c'. will be pleas'd to send us a fresh supply.

We are with much respect

HONBLE SIR & SIRS

Your most Obedient Servants

FORT S<sup>T</sup>. DAVID 13<sup>TH</sup>. SEPTEM<sup>3</sup>. 1739. JAMES HUBBARD. Edward Croke. Thomas Eyre. Edward Harris. Robert Allen. Charles Floyer.

### No. 75.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQR.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &CT. COUNCIL.

HONBLE SIR & SIRS

Inclosed is Duplicate of our last address under date [the]9<sup>th</sup>. May which went by Pattamar to Your Honour &c<sup>t</sup>. We have since received [Your] favour of the 28<sup>t</sup>. June with Duplicate of the l[...]<sup>th</sup>. May P Resolution.

That Ship being drove out of the Kill between the Braces in a storm on the 30<sup>th</sup> May past. We have not heard of since, but hope she is got into some of the Eastern Ports, hav[ing heard] of some ships fallen in that road[. . .]ship Your Honour &c<sup>t</sup>. sent us some more Redwood, was unfortunately lost in the River.

We send you a Bill on Captain Robert Joye for Current Rupees two hundred seven & twelve annaes (207. 12. —) being the amount of some Casks of Beef and Pork He bought at Outery belonging to our Honourable Masters and which He left unpaid when he went up to Madrass on the Devonshire, and We request your Honour &c<sup>t</sup>. will please to Demand the same of His Executors or administrators, who We hear are Resident at Madrass, and bring the Amount to our Credit.

We are

FORT WILLIAM -30<sup>th</sup> July 1739. HONBLE SIR & SIRS Your most humble Servants THOMAS BRADDYLL. FRANCIS RUSSELL. JOHN FOSTER. WILLIAM DAVIS. WILLIAM BARWELL. JOHN HALSEY. WILLIAM BUCKNALE.

CAPTAIN ROBERT JOYE. Dr. [24 Nº. 1 1 Hhd [Beef] 4 • • • • • • ... Pun<sup>n</sup>. [Do.] 5 1 17 4 ... ... ... 16 1 D⁰. [Do.] 18 4 ... ... ... Dº. D⁰. 30 l 18 4 • • • • • • 34 1 D٩. D⁰. 18 4 ... • • • ... 38 1 Dº. Dº. 18 4 ••• ... 43 1 Dº. D⁰. 18 4 ... • • • ... 7 132121 Hbd Pork 22Nº. 1 4 ... ... ... 9 j 1)°. • D°. 2012 ... ... • • • 19 1 Dº. Dº. 20 12 • • • ... • • • 1 D⁰. 26 D⁰. [20] 4] ... • • • ... 4 84 Ŀ 11 Hhds ... • • • FORT WILLIAM .]<sup>sr</sup>. Sept<sup>r</sup>. 1739. Γ. . W. D[AVIS].

Records of Fort St. George

# Nº. 76.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>E</sup>. PRESIDENT AND GOVERNOUR &0<sup>7</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>T</sup>. GEORGE.

HONBLE SIR & SIRS

The aforegoing is Duplicate of our last  $\mathcal{P}$  Ship Mercury. This serves to inclose Invoice & Bill of Lading for Eight Bales of Jugdea Bafataes for Chinting amounting to three thousand twenty five Rupees Eight annaes (Currt Rupees 3025--8) Laden on the Fanny Captain James Barton, Account our Honble Masters.

The Shaftesbury Arrived at Rogues River the 2<sup>d</sup>. Instant, and on the 5<sup>th</sup>. we receiv'd Your Honour &c<sup>ts</sup>. Packet by Her.

We have weighed off the Bullion & Rupees Your Honour &c<sup>t</sup>. sent us on this ship, the latter came out right but there is a difficiency of Oz. 2. 10, in the former, which We shall demand of the Captain here.

We can assure Your Honour &c<sup>t</sup>. that the Tutenaigue We receiv'd by the Narcissus was weigh'd off here with the greatest exactness.

We have yet no News of our Honourable Masters ship Resolution. We are

FORT WILLIAM.

9<sup>TH</sup>. AUGUST 1739.

HONBLE SIR & SIRS

6

Your most humble servants

THOMAS BRADDULL. • FRANCIS RUSSELL. JOHN FOSTER. WILLIAM DAVIS. WILLIAM BARWELL. JOHN HALSEY. WILLIAM BUCKNALE.

# Nº. 77.

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

### HONBLE SIR & SIRS.

This serves to Dispatch the Princess Augusta with One hundred & fifty nine Bales of Callicoes for which Invoice and Bill of Lading came inclosed: There is about forty Corge more at the Washers which if the Weather would have permitted should have been sent to Your Honour &c<sup>t</sup>. by this Conveyance, but as you have been pleased to advise me of Your Intentions to send this ship to the Bay after she return'd from hence, I thought it was better to let her go away with what We had been able to send aboard than to detain Her any longer. The Weather being so precarious, that in all probability it would have been five or six days before We should have been able to have shipped off the remainder of the Cloth. I am

INGERAM

Honble Sir & Sirs

Your most Obedient and most

2<sup>d</sup>, Septem<sup>b</sup>, 1739.

humble servant Richard Prince.

P.S.--

I have herewith sent Your Honour &c<sup>t</sup>. Copies [of our] last Years General Books.

## No. 78.

To THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ". PRESIDENT & GOVERNOUR &C". COUNCIL OF FORT S'. GEORGE.

HONBLE SIR & SIRS

We have receiv'd Your favours of the 16<sup>th</sup>. and 19<sup>th</sup>. of last Month, and a Letter from M<sup>r</sup>. Secretary Savage of the 17<sup>th</sup>. Accompanying the Pag<sup>s</sup>. 20,000, sent for a supply of our Cash, which We have receiv'd & it turned out right.

We have also receiv'd the Velvets, Gun & a pair of Pistols, which Your Honour &c<sup>t</sup>. have been pleased to mix with our Broad Cloth for a Present to the Nabob or Subdarally Caun, if they should come near us, We hear the Nahob is returned to Arcott, Hussain Ally Caun the Nabob's Youngest son arrived the 27<sup>th</sup>. of last Month at Trivady, where He yet continues Subderally Caun, We are inform'd is set out from the Tanjore Country, but whether He designs to March for Arcott within Land or near the Sea side We are not yet certain, though it is generally given out it will be by the latter way.

Inclosed are Our Accounts of Expences for the Month of August, and Cash Account for last Month, Ballance whereof is Pagodas 22442. 29. 11.

We are with much respect

FORT ST. DAVID

1<sup>st</sup>. October 1739.

Honble Sir & Sirs Your most obedient servants

JAMES HUBBARD &CT.

93

1738 - 39 - 24

#### Nº. 79.

To THE HUNBLE RICHARD BRNYON ESQB.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &C'. COUNCIL OF FORT S'. GEORGE.

#### HONBLE SIE & SIRS

We wrote your Honour &c<sup>t</sup>. by the Ship Tanny, under date the 9<sup>th</sup>. Ultimo, , Duplicate of which We now inclose.

We have since received your several favours by the Somerset, Normanton, Grantham & Lynn under date the 12<sup>th</sup>. & 26<sup>th</sup>. August and the 2<sup>d</sup>. September with the several Papers inclosed.

We shall have a due regard to the Indent of Goods you have desired us to send to the West Coast on the Somerset.

The Treasure &c<sup>t</sup>. P these ships not being yet landed, We cannot advise you whether it will come out right or not.

We take notice of the Number of Bales Your Honour &c<sup>t</sup>. expect to have ready for the ships We may send you in December, and We shall send you a sufficient Number from hence to compleat their Tonnage: But as We shall be in want of Tonnage here for the Quantity of Goods We have contracted for this Year, therefore in Case Your Honour &c<sup>t</sup>. should fall short of the Number You expect, We shall in stead of the 100 Ton[s of] Salt Petre which you request on that occasion send you piece Goods, and this We imagine will conduce most to our Honble Masters Advantage, as they will then have to a greater amount Home by these ships; Which We shall Dispatch early in December as you requ[est].

With regard to the surplus quantity of Salt Petre you desire to have by you, We shall take care to supply you [it] also with the Packing Stuff &c<sup>t</sup>. Indented for.

This Vessel being on Her Dispatch We have not now time to Adjust the Differences between the account Current of your Presidency & ours, but shall take care to do it.

We shall demand from Captain Bookey & Captain Gilbert the amount of what they have short deliver'd at Your Presidency.

To our great concern We have not yet heard of the Resolution althô We have sent Vessels all along the Coast to the Eastward to look out for her the Captain We sent on this search & who proceeded as far as Chittagong tells us, that he had information from some Boats which had been out to the Southward of that Place, That they heard Two ships were at an anchor near Arraccan but the Weather did not permitt him to proceed thither so We are uncertain how far this report of the Natives may be depended upon. The Richmond not arriving also puts us in pain for her safety.

We are to Advise Your Honour &c<sup>t</sup>. that by the small stock of Bullion & Rupees We have already rec<sup>d</sup>. & from what We have more to expect by the Richmond We apprehend We shall not have sufficient to begin our next Years Investment, which notice We think proper to give Your Honour &c<sup>t</sup>. thus ear[1y] & request you will accordingly supply us with [what] you can apare from Y<sup>r</sup>. own occasions early in the season, that We may be thereby better able to carry on Our Honble Masters affairs without any Impediments for want of Cash. We are

FORT WILLIAM

17<sup>TH</sup>. SEPT<sup>2</sup>, 1739.

.

Honele Sir & Sirs Your most humble servants Thomas Braddyll &c<sup>T</sup>.

:94

### Nº. 80.

# TO THE HONELE RICHARD BENYON ESQ<sup>2</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &c7. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

# HONBLE SIE & SIES

This accompanys duplicate of what wrote You Princess Augusta, as also duplicate Invoice & second Bill of Lading for the Bales that were put on board Her at this Place on Account of the Honble Company.

I must now beg leave to acquaint  $Y^r$ . Hon<sup>r</sup>. & c<sup>t</sup>. of the great quantity of Cloth that has been taken in this Year by our Neighbours the French: They have already invested Eighty thousand 80,000 Pagodas and have lately receiv'd a fresh supply of .30,000 Pagodas more, if they continue to proceed in this manner till the end of the .Year, (as it is reasonable to expect they will by the Money that has been remitted them,) the Investment of this Place, as well as that of Uppara must consequently be effected thereby, for as long as our Merchants can find a Vent for their bad Cloth they will not give themselves any trouble to persuade the Weavers to improve the Fabrick.

Since my Arrival at this Place many Complaints have been made by our Merchants & others about the Batta that is taken in the Country upon our Madrass Pagodas, this proceeds from an Order the Nabob has given to His Treasurer not to receive any Madrass Pagodas under a Batta of  $l_{\frac{1}{2}} \oplus Cent$ , which soou gave occasion to the Shroffs in the Country to demand  $3\frac{1}{2} \oplus Cent$  of the Weavers; I have several times applied to the Nabob about it, but as yet have not been able to get any redress. It is not long ago that He passed by here in his way to Peddapore, when His Duan told our Vakeel that they were obliged to allow the same Batta upon all the Madrass Pagodas, they sent to Golcunda, and till they heard from thence, could give us no further Answer thereto, but this We are sensible, was only to Amuse us it being a Scheme laid on purp[ose] to bring Money into His own Coffers which I am afraid will make it the more difficult to get it taken off. I am

INGERAM

HONBLE SIR & SIRS

9<sup>TH</sup>. SEPT<sup>R</sup>. 1739.

Y<sup>r</sup>. most Obed<sup>t</sup>. and most humble servant

RICHARD PRINCE.

#### Nº. 81.

TO THE HONELE RICHARD BENYON ESQ<sup>R</sup>. PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT S<sup>r</sup>. GRORGE &C<sup>r</sup>. COUNCIL.

HONBLE SIR & SIRS

I wrote your Honour &c<sup>t</sup>. the 25<sup>th</sup>. Ultimo advising that the Brigantine, and sloop were dispatch'd from hence with two hundred Bales on board but the strong Southerly Winds, and extraordinary Freshes, have prevented my sending them away till now.

Inclosed is Invoice, & Bill of Lading for Three hundred and forty nine Bales laden on board the Rebecca Brigantine and sloop Experience, being all they could take on board.

I am with the greatest respect

MADDEPOLLAM

Honble Sir & Sirs

15<sup>™</sup>. SEPTEM<sup>®</sup>. 1739.

Your most Obedient humble Servant

JOSEPH GODDARD.

### Nº. 82.

To the HONOURABLE RICHARD BENVON ESQ<sup>B</sup>.

PRESIDENT & GOVERN<sup>E</sup>. & CT. COUNCIL OF FORT S<sup>T</sup>. GRORGE.

#### HONBLE SIR & SIRS

We have receiv'd Your favour of the 28<sup>th</sup>. of September, inclosing Invoice & Bill of Lading for five Candy of Gunpowder sent on sloop Carolina, which arriv'd here the 6<sup>th</sup>. Instant in the evening, and the next day we receiv'd from on board Her the Gunpowder, according to Invoice and that night she saild out of our Road.

In our Letter of the 14<sup>th</sup>. of August, We gave Your Honour &c<sup>t</sup>. an Account of all the French ships that had Arriv'd at Pondicherry this Year from France which. We had been inform'd, but wrongfully, were all that were expected We shall now acquaint Your Honour &c<sup>t</sup>. what Europe Ships have since Arriv'd there, and what have been dispatch'd for France which are as follows.

Ship Triton Mons<sup>r</sup>. Boulanger Commander Arriv'd at Podich<sup>ry</sup>. the 19th: August.

Ship Jupiter Monsieur Chevery Command<sup>r</sup>. pass'd our Road Sept<sup>r</sup>. the 22<sup>d</sup>.

Ship Prince of Conty Mons<sup>r</sup>. Selle D<sup>o</sup>. Sept<sup>r</sup>. the 27.

Ship Fleury Mons<sup>r</sup>. Fremery sail'd for France the 7<sup>th</sup>. of October, her Cargo consisted of 1807 Bales of Callicoes, 300 Candy of Redwood, 300 Candy of Pepper, 500 Bags of Salt Petre & 40 Bundles of Co[tton] Thread.

Ship Triton Mons<sup>r</sup>. Boulanger sail'd for France the 9<sup>th</sup>. of October, being loaded with 2200 Bales of Coffee & 200 Candy of Sapan Wood.

Ship Jupiter Monsieur Cheverry saild for France the 12<sup>th</sup>. of October, Her Cargo was 800 bales of Callicoes & 160 Candy of Redwood, she is designed to touch at Mahee, and to take in Pepper.

Ship Prince of Conty Mons<sup>r</sup>. Selle sailld the 15<sup>th</sup>. of October for Mascarine, having [on] board some Salt Petre, Coffee Lead and Iron the Exact quantities of which We have not been Advised of; She is design'd to fill up with Coffee at Mascarine, and thence to proceed to France.

Our Paymaster and secretary have deliver'd us an account Current of the Estate of M<sup>r</sup>. Robert Cæsar dec<sup>d</sup>., ballance whereof in their Hands is Pagodas 120. 11. 70, they have also deliver'd a List of Debts due from the Estate, amounting to Pag<sup>s</sup>. 80. 7. 60, which they have enquired about, and have reason to beleive are all justly duc, but they being for small sums, the Persons concern'd are unwilling to take their Oaths; as We think We can't agreable to the orders given Us in your favour of the 23<sup>d</sup>. of October last Year, allow the Payment of them otherwise We therefore inclose the said Account Current & List of Debts for Your Hcnour & C<sup>ts</sup>. perusal, and beg Y<sup>r</sup>. directions whether the above said Gentlemen should pay into Cash the above ballance of Pag<sup>s</sup> 120. 11. 70, or whether they may not be permitted first to discharge the said Debts and Pay in only the remainder.

We are with much respect

FORT ST. DAVID 20<sup>TH</sup>. OCT<sup>R</sup>. 1739. Honble Sir & Sirs

Your most obedient humble servants

JAMES HUBBARD. EDWARD CROKE. THOMAS EYRE. EDWARD HARRIS. ROBERT ALLEN. CHABLES FLOYER.

Letters to Fort St. George, 1738-39

LIST OF DEBTS and DEMANDS ON ESTATE OF M<sup>r</sup>. ROBERT CÆSAR as has hithertooccurr'd to our Information.

| Edward Croke, as       | ₽ Note                |                 | •••        | •••                 | <b>P</b> : | 3        |    |          |
|------------------------|-----------------------|-----------------|------------|---------------------|------------|----------|----|----------|
| William Johnson,       | ballanc               | e of            | his        | Acco <sup>t</sup> . |            |          |    |          |
| Curr <sup>t</sup>      | •••                   | •••             | •••        | ****                |            | 36       |    | <b>n</b> |
| John Ernestus Gue      | ster, his 1           | note f          | o <b>r</b> |                     |            | 5        | 8  |          |
| Francis Falliet, as    | <b>₽</b> his No       | te              | •••        |                     |            | 3        |    | <b></b>  |
| William Mackneigl      | nt ₽ D°.              | •••             | •••        |                     |            | 8        |    |          |
| Zechariah Foxal 🅀      | Do.                   | •••             | •••        | •••                 |            | 4        |    |          |
| Thomas Eyre $ alpha$ D | 0.                    |                 |            |                     |            | 5        |    |          |
| Thomas Durff 🍄 D       | 0.                    | •••             | •••        | •••                 |            | <b>2</b> | 9  |          |
| Hendrick Veldins       | mending a             | a Wat           | ch         | •••                 |            | 1        | 9  |          |
| Dossery Dubash as      | ₽ his N               | ote             |            |                     |            | 10       | 5  | <u> </u> |
| Verapa                 |                       | •••             | •••        | •••                 |            |          | 16 | 60       |
| Irsha, Taylor          | •••                   | •••             |            |                     |            |          | 9  |          |
| Shaving Barber         | •••                   |                 |            | •••                 |            |          | 5  |          |
|                        | At fan <sup>s</sup> . | 18 <del>P</del> | Pago       | da                  |            | 80       | 7  | 60       |

FORT S<sup>T</sup>. DAVID 29<sup>TH</sup>. SEPT<sup>B</sup>. 1739.

Errors Excepted.

THOMAS EYRE CHARLES FLOYER.

| Acco <sup>T</sup> . CURR <sup>T</sup> . ESTATE OF M <sup>R</sup> . ROB <sup>T</sup> . C.<br>738            |       |                    |              |                    |          | 1738                                   | Contra  |       |         |                      |      |         |
|--|-------|--------------------|--------------|--------------------|----------|--|---|-------|---------|----------------------|------|---------|
|  | 8 15  |                    |              |                    |          | Octor, 31                              | By Cash rec <sup>d</sup> . for His sallary<br>[to] 25 <sup>th</sup> . September F | 2*. 5 | 10      | <u> </u>             |      |         |
| For a Coffin, Scarves &c <sup>t</sup> . as $\Psi'$<br>Bill 1<br>Bill for Materials & Coly making           | 19 14 |                    |              |                    |          | ~                                      | His Diet Mony &c <sup>t</sup> . for<br>September                                  | 8     | 2       | —<br>— 1             | 3 12 | ÷ .     |
| yº. Grave  | 9 —   | 46                 | 34           | 11                 | 46 [sic] | ]                                      | By Cash Amount sales of<br>Effects at Outery as #                                 |       |         |                      |      |         |
| ] <sup>r</sup> . 30 To Cash paid the Cryer making<br>His Out Cry<br>To Commiss <sup>n</sup> . 5 dP Cent on | •••   | •                  | <u> </u>     | 9                  |          |  | Account Particulars P.<br>Deduct what lost by the<br>desertion of some soldiers   | 156   | 8       | 4                    |      |         |
| P <sup>a</sup> . 150. 12. 4 the Amo <sup>t</sup> . Sales.  | •••   |                    | 7            | 9                  | 48       |  | before it could be collected<br>as $\bigoplus$ Acco <sup>t</sup> . Particulars    | 5     | 14      |                      |      |         |
| At fan <sup>a</sup> . 18 IP Pag: is<br>To Ballance   | •••   | Pag                | •. 42<br>120 | 12<br>11           | 14<br>70 | •                                      |   |       |         | 15                   |      | 4       |
|  |       | Pag <sup>s</sup> . | 163          | 6                  | 4        |  | At 18 Fan <sup>s</sup> . IP Pagodas is  |       | Pa<br>— | 1g <sup>s</sup> , 16 | 53 6 | 4 [sic] |
|  |       |                    |              |                    |          |  |   |       |         |                      |      |         |
|  |       |                    |              |                    |          | KCEPTED IN                             |   |       |         |                      |      |         |
|  |       |                    | For          | т S <sup>r</sup> . |          | 28 <sup>th</sup> , Sep <sup>th</sup> . | 1739.   |       |         |                      |      |         |
|  |       |                    |              |                    | ₽        |  | <i>,</i>  |       |         |                      |      |         |
|  |       |                    |              | 7                  | HOMAS    | VERE                                   |   |       |         |                      |      |         |

٠

# Nº. 83.

"To the Hoñble Rice". Benyon Esq<sup>R</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &CT. COUNCIL.

### HONBLE SIR & SIRS

This serves to inclose our Cash & Pay Master's Accounts for last month, as likewise to inform Your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>t</sup>. with the Quantity of Cloth We have ready in our Godowns & at the Wash, which is since the Dispatch of the Princess Augusta to this Day, two hundred and fourteen Corge, which We hope by Christmass to encrease to two hundred & twenty or two hundred and fifty Bales of all sorts of Cloth, and if Your Honour &c<sup>t</sup>. are not provided with a Conveyance for them M<sup>r</sup>. Simpson requests you will permitt him to load them on the Sea Horse, as she will be ready by the latter end of Novem<sup>r</sup>. and if in Case We should have any Cloth come in after that time till January, We request Your Honour &c'<sup>s</sup>. pleasure thereto, "as to the Freighting of them.

M<sup>r</sup>. Prince having wrote Us for a supply of 6000 Pagodas, six thousand Pagodas, We have complied with his request and have deliverd the sum to a Corporal and twelve Peons; This being the present needfull we are with the highest respect

Hoñble Sir & Sirs Your most Obedient Humble Servants CHARLES SIMPSON.

VIZAGAPATAM 23<sup>d</sup>, Sept<sup>b</sup>, 1739.

### Nº. 84.

To the Honble Rich<sup>p</sup>. Benyon Esq<sup>e</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &CT. COUNCIL.

# HONELE SIR & SIRS

This is to inclose our Accounts of expences for the month of september, which are considerably increas'd by repairs to the Bastions and mending Gun Carriages, which Your Honour &c<sup>t</sup>. will be pleas'd to observe by the said Accounts.

Inclosed is likewise our Cash Account for the month of October Ballance whereof is Pag<sup>a</sup>, 15685. —. 9.

We are with much respect

FORT ST. DAVID

2<sup>D</sup>. Novem<sup>B</sup>. 1739.

Hoñble Sir & Sirs Your most Obedient Servants

> JAMES HUBBARD. EDWARD CROKE. THOMAS EYRE. EDWARD HARRIS. ROBERT ALLEN. CHARLES FLOYER.

# Nº. 85.

TO THE HONBLE RICH<sup>D</sup>. BENYON ESQ<sup>B</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &CT. COUNCIL.

HONBLE SIR & SIRS

The Triton Galley imported here the 28<sup>th</sup>. Ultimo with Your favour of the 9<sup>th</sup>. of the same, which inclosed Invoice and Bills of Lading, for Wares and stores sent upon Her which were deliver'd agreable thereto.

Enclos'd comes our Cash and Paymasters Accounts for last month, and the quantity of Cloth in our Godowns and at the Wash is in all seventy two Bales.

Yesterday came in Peons from Rajamundrum, who report that Chickless Caun is cut cff, that Shawmutt Caun's two sons are in their March to Golcunda, with a large Army, and that Chickless Caun's Wife, (who has the care of that place) has sent an order by a Guzburdar to our Nabob Anaward C[aun to get all his] Forces together, and come to her Assistance, which He is not inclined to do, but is preparing to return to His Government of Chickacall; this being what at present offers, We [beg] leave to subscribe with great respect.

Vizagapatam

·8 October 1739.

|      | Honele      | Sir   | &   | Sirs       |     |
|------|-------------|-------|-----|------------|-----|
| Your | most Obedie | nt H  | un  | nble Serva | nts |
|      | CHAR        | LES S | Sem | PSON.      |     |

#### Nº. 86.

TO THE HONBLE RICH<sup>»</sup>. BENYON Esq<sup>8</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &CT. COUNCIL.

HONBLE SIR & SIRS

Since my last of the 9<sup>th</sup>. Ultimo nothing material has offerd, and this serves cheifly to send Your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>t</sup> an Account of what Cloth we have here which with what more I expect we shall get in by the 15<sup>th</sup>. December, will amount to about two hundred & fifty Bales.

Having already advised Your Honour &c<sup>t</sup>. of the proceedings of our Neighbours the French, I have now only to acquaint you that they are buying up all the Cloth they can lay their Hands on, and are in dayly expectation of the Arrival of a Sloop at Massulapatam, which they say is to bring them a further supply of forty thousand 40000 Pagodas.

I am with the greatest respect

INGERAM

20тв. Оств. 1739.

HONBLE SIR & SIRS Y<sup>r</sup>. most obedient humble servant RICHARD FRINCE.

LIST OF BALES Embaled ...

 Embaled
 ...
 40

 At the Washers
 ...
 90

Bales 130

No. 87.

TO THE HONBLE RICH". BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &OT. COUNCIL.

HONBLE SIR & SIRS

I have receiv'd  $\mathbf{Y}^r$ . Honour &c<sup>is</sup>. favour of the  $12^{th}$ . Ult<sup>mo</sup>. & am very much conc[ern'd to find]  $\mathbf{Y}^r$ . Hon<sup>r</sup>. &c<sup>i</sup>. observe that almost the whole Par[cel] of [Bales on the Brigantine Reb]ecca & Sloop Experience is damaged, the Master had what dunnage, & Matts He demanded thô He co[mplain'd] the Tarpaulins were very bad, which were what Your Honour &c<sup>i</sup>. sent to this Factory last Year; I never could persuade the Master to stay in the Brig<sup>ne</sup>. when the Bales were on board down the River, and he was too drunken and desperate to be forced to any thing He would not do, for which reasons He was discharged; This is all I can say to this misfortune. Letters to Fort St. George, 1738-39

I can only depend upon the assurances of the Merchants for the coming in of the Cloth, and as they now provide only fine, for which the French make a great demand, I can procure but very little as my order are to take only full measure, whereas the French take all as is brought, and will I beleive this Year get about fourteen or fifteen hundred Bales of sorts at Yanam, As M<sup>r</sup>. Prince can inform Your Honour & c<sup>t</sup>. I shall take care that what Cloth is ready when the Triton Galley arrives shall be immediately sent on board by a good Boat I have here of the Owners of said Vessel.

The Book Paper is come safe for which I return Your Honour &c<sup>t</sup>. thanks, and hope I shall receive a Box of stationary Ware by the first Opportunity, having only a few sheets of small Paper the Dutch sent me.

Inclos'd are my Accounts for July, August, September and October.

I am with the greatest respect

MADDEPOLLAM 6 Nov<sup>B</sup>, 1739. HOÑBLE SIR & SIRS Your most obedient Humble servant JOSEPH GODDARD.

LIST OF BALES

| At the Washers              |    |
|-----------------------------|----|
| Salampores Ord <sup>y</sup> | 21 |
| Long Cloth Ordy,            | .9 |
| D°. fine Brown              | 10 |
| Bales                       | 40 |

Nº. 88.

To THE HONBLE RICH<sup>D</sup>. BENYON ESQ<sup>R</sup>.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR & SIRS

We have receiv'd your favour of the 15<sup>th</sup>. Inst<sup>t</sup>. and agreable to Your directions shall require the several Persons that have demands upon M<sup>r</sup>. Cæsar's Estate, for which they have no other proofs than their own Notes, (which is the Case with most of them,) to take their Oaths to the truth of them, several of whom have already complied therewith, which when it is done, also by the others Mess<sup>15</sup>. Eyre and Floyer will pay in the Ballance of that Estate in our Cash, and We shall accordingly advise Your Honour &c<sup>t</sup>. thereof.

We shall punctually comply with Y<sup>r</sup>. Honour &c<sup>1s</sup>. orders, in producing the Ballance of Cash before the Council monthly, upon reading the Cash Account, which has been done with regard to the Ballance of Cash at present.

We inclose our accounts of Expences for the month of October and Cash Account for this month ballance whereof is Pagodas 10489. 3. 11 as we expect a large quantity of Cloth in dayly, We shall have occasion for a fresh supply of Cash, which we beg the favour of  $Y^r$ . Honour &c<sup>t</sup>. to send us as soon as conveniently you can.

Hereunder is a List of our Cloth on Hand.

We are with much respect.

| FORT S". DAVID  |                         | HONBLE SIF & SIRS   |
|---|-------------------------|---|
| 30 <sup>TH</sup> . Nov <sup>B</sup> . 1739.                           |                         | Your most Obedient Servants   |
| LIST OF CLOTH<br>At the Beaters<br>At the Washers<br>Embaled<br>Bales | $233\frac{1}{2}$<br>323 | JAMES HUBBARD.<br>Edward Croke.<br>Thomas Eyre.<br>Edward Harkis.<br>Robert Allen.<br>Charles Floyer. |

1738-39-26

### Nº. 89.

TO THE HONBLE RICH". BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &C". COUNCIL OF FORT Sr. GEORGE.

#### HONBLE SIR & SIRS

By the ship George that arriv'd here the 24<sup>th</sup>. Ultimo We receiv'd Your favour • of the 27<sup>th</sup>. September, which inclos'd Invoice and Bill of Lading for three Candy of Twine which was deliver'd agreable thereto, under the same Cover came duplicates of Your Honour &c<sup>ts</sup>. favour by the Triton Galley with our Account Current and Account of sortments of ours and the Ingeram Cloths.

We have brought the ship George into the River and Your Honour &c<sup>15</sup>. Orders shall punctually be observ'd in regard to her fitting as likewise to her being sent to Maddapollam.

Doctor William Gibson after a short illness departed this life the 29<sup>th</sup>. Ultimo He has died intestate, and We are under apprehensions, what He has left will not be sufficient to make good what He is indebted the shortness of time prevented our sending Your Honour &c<sup>t</sup> an account of His Effects as not being inform'd with the dealings He may have had with the Gentlemen at Ingeram and Upparra, but by the next Peons hope We shall be able to send a particular account of what He has, and what He owes : He has a parcel of Paddy unsold at Metchlepatam which He desired M<sup>r</sup>. Joseph Goddard some time since to dispose of ; We shall wait for your Honour &c<sup>ts</sup>. orders, and Instructions as to the disposal of His Effects.

By Peons overland we receiv'd Your Hon<sup>r</sup>. & c<sup>is</sup>. favour of the 12<sup>th</sup>. October, which inclosed Duplicate of what sent upon the ship George; Your orders relating to Her Dispatch as likewise to the Triton Galley, shall as near as possible be executed, and if Captain Taylor should be in want of a Filot to Conduct him to Molopolee the best We have, shall be put on [board bim] according to the Liberty granted Us by [...] care to provide a good conveyance for [...] 20<sup>th</sup>. December.

Inclosed is the state of the Merchants accounts from the prime [...] 1738 to this time.

[This] day We have in our Godowns and at the Wash One hundred and twenty Bales of Callicoes and inclosed comes our Cash and Paymasters Accounts for last month, which concludes us with due respect to be

**VIZAGAPATAM** 

11<sup>TH</sup>. NOVEMBER 1739.

HONBLE SIR & SIRS Your most ()bed<sup>t</sup>. Humble servants

CHARLES SIMPSON.

#### Nº. 90.

TO THE HONELE RICH<sup>D</sup>. BENYON ESQE. PRESIDENT AND GOVERNOUR &C<sup>T</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>T</sup>. GEORGE.

HONELE SIR & SIRS

Your favour of the 12<sup>th</sup>. October came to hand the 30<sup>th</sup>. Duplicate of which was brought me the 15<sup>th</sup>. Inst<sup>t</sup>. and having duely observ'd your Honour &c<sup>ts</sup>. directions concern<sup>g</sup>. the ship George so soon as she Arrives here no time shall be lost in sending off the Bales that I may be able to give Her as early a Dispatch as possible.

In pursuance to Your Honour &e<sup>18</sup>. orders relating to the different Rates of Exchange between the Current Coins of these Parts, I am first to acquaint you that the Madrass Pagoda now exchanges at Pag<sup>8</sup>. Pullicat 1. 7 fan<sup>8</sup>. and that the Pullicat Pagoda exchanges at Rupees 3.  $3\frac{1}{2}$  as to the French Pagoda notwithstanding the great expence they have been at, in endeavouring to obtain an order from Golcondah that it might pass Current the same as the Madrass, they have not as yet been able to Effect it.

As it is absolutely necessary that the Writings sent me out of England should be executed in presence of some of the Europe Gentlemen, I intend (having Y<sup>r</sup>. Honour &e<sup>ts</sup>. permission) to take my passage on the George; In the mean while I am with the greatest respect.

Ingeram

HONBLE SIR & SIRS

20<sup>18</sup>. Nov<sup>B</sup>. 1739.

[Y<sup>r</sup>. most obed<sup>t</sup>.] humble servant [RICHARD] PRINCE.

# Nº. 91.

TO THE HONELE RICH<sup>»</sup>. BENYON Esa".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR & SIRS

On the 31<sup>st</sup>. July last We receiv'd Your Letter dated the 30<sup>th</sup> June, with the Tellicherry and Anjengo Packets, both which were duly forwarded for Bombay; Your Honour &c<sup>\*</sup>. will perceive that the Pattamars Arriv'd at the time they agreed to.

We should have return'd these Cossids much sooner, had We not expected some Letters from Bombay to be forwarded to Your Presidency. We are

√Surat

25тн. Остев. 1739.

HONBLE SIR & SIRS

Your very Humble servants

JAMES HOPE. RICHARD LYNCH. WILLIAM LOWTHER. WILLIAM JOHNSON. JA<sup>\*</sup>. HEN<sup>\*</sup>. LAMBE.

# Nº, 92.

TO THE HONELE RICH". BENYON ESQR.

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FORT ST. GEORGE.

HONBLE SIR & SIPS

We have receiv'd Your favour of the 5<sup>th</sup>. Instant accompanying Pagodas 20000 sent for a supply of our Cash, which Arriv'd the 10<sup>th</sup>. Instant and held out right.

We send by these Tappies our General Books, ending ultimo April 1739, which should have been forwarded much sooner to Your Honour &ct. but the almost continued rains for the two last months prevented us. We send inclosed our Accomptants Calculate of the Expences & Revenues for the last Year, Compared the former of which Articles We are sorry are increas'd Pag<sup>s</sup>. 639. 5. 36 the reasons of which are set down in the said Calculate, to which We beg leave to referr.

Our Merchants have brought in good part of the soot Romals indented for, but when We came to look over them, We found large quantities of them wove of 10, 12, & 14 handkerchiefs to a peice, and as many Handkerchiefs as served to make up the peice to 15 Handkerchiefs put in loose, or slightly sowed together th[is our Merchants &] others We have enquired of assure Us [. . .] provided for Pondicherry or elsewhere, and that but a little part of these Handkerchiefs is made [in] pieces of 15 Handkerchiefs each: We beg therefore to be favoured with Your Honour &c<sup>ts</sup>. directions, whether We may take in Handkerchiefs brought in in the abovemention'd manner, if otherwise answering as to Goodness, if We do not our Merchants tell us they can't possibly make up the quantity directed to be provided this season.

Lieutenant Edward Amyand desires Yr. Honr. &cts. permission to go up to Madrass for a few days.

Hereunder is a List of our Cloth on Hand. We are with much respect.

FORT ST. DAVID

15<sup>TH</sup>. DEC<sup>e</sup>. 1739.

HONBLE SIR & SIRS

0-----Lı

| IST OF CLOTH.  |       |     |     |  |
|----------------|-------|-----|-----|--|
| Embaied        |       | ••• | 424 |  |
| At the Beaters |       |     | 100 |  |
| At the Washers | • • • | ••• | 236 |  |
|                |       |     |     |  |

Your most obedient servants JAMES HUBBARD.

Edward Croke. THOMAS EYRE. EDWARD HAREIS. ROBERT ALLEN. CHARLES FLOYER.

#### Nº. 93.

760 Bales

To THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ".

PRESIDENT AND GOVERNOUR &CT. COUNCIL OF FOR1 ST. GEORGE.

HONBLE SIR & SIRS

Our last advices went by the Sloop Nancy under date the 17th. September last, duplicate of which went on the Mary, and Triplicate is inclos'd, since then We have receiv'd Your Honr. &cts. several favours vizt. By the Ship Arlington dated the 10th. & 11th. September, of the 19th. Do. IP Ship Richmond, & of the 29th of the same # Ship Princess Augusta.

The Ships Normanton Grantham & Lynn have deliver'd to Us the Treasure &ct. laden on them, agreable to their several Invoices, but Captain Bookey is short mde Sr.

of his 2 10 of silver, and Redwood 13 33 for which We have accounted with Him  $\Theta$  qre. 1b.

here, as We have alloo the 4 slabs of Lead Poize 9 0 23 which He delivered short ••] .

[... General] Books the several Errors [. . .] in our [Acct.] Current with Your Presidency.

Your Honour &ct. will find by the Account Tonnage of these ships that there [still re]main 141 Tons to be filled up with you on each of them [which] at a Calculate of five Bales and two thirds & Ton amounts to [. .] 98 Bales; part of the Surplus Petre you request also comes on them, and the remainder you will have by the Princess Augusta and the sloops.

We are obliged for the notice of our Honourable Masters ships Arrival at S<sup>t</sup>. Helena and were pleased to find the Royal George and Lyell had so good a passage from hence.

Your Honour &c'. having mention'd the sheathing of the Princess Augusta as a necessary work We order'd Her bottom to be surveyed by two experienced Commanders who had used the Bombay service assisted by the Gunner the Master Attendt. and the Carpenter here, and inclos'd We send You Copy of their Report by which you will find it is their opinion that sheathing Her in this place will be detrimental to the Rabbet work, therefore We thought it more advisable to referr it to Your Honour &c. to do therein as you shall judge most convenient.

Having been forced to make a large Detachment from our Garrison for Bombay, and our own Europe shipping wanting Men, We have not now any Recruits to send on these ships, and are afraid We shall not be able to get the number We could

wish, However We are endeavouring all in our Power, and what men We can raise or detach without weakning too much our Garrison shall come on the Princess Augusta or by some other conveyance.

Inclosed we send You Copy of the 79<sup>t</sup>. paragraph of our Honourable Masters Commands P Richmond concerning the Rice duty which you will perceive is order'd to be deducted out of the Custom paid thereon at Madrass on producing the Jimindars Certificate of having receiv'd it here.

On the ship Normanton We have laden sundry Merchandize for England on Account our Honourable Masters amount as  $\mathcal{P}$  Abstract of the Invoice inclosed to Current Rupees Five hundred forty eight thousand seven hundred 548700, and stores for S<sup>t</sup>. Helena amounting [as]  $\mathcal{P}$  Copy of Invoice inclosed to Current [Rupees...]ty eight thirteen annas & nine [ . . .].

[ . .] also laden on Her sundry other Goods [ . . .] amounting to •Current Rupees Twenty one thousand two hundred ninety five 21295, the Invoice and first Bill of Lading for which come herewith.

We have laden on the ship Shaftesbury sundry Merchandize for England [Account] our Honble Masters amot<sup>g</sup>. to Current Rupees five hundred sixty five thousand nine hundred and thirty 565930, as  $\mathfrak{P}$  abstract of Invoice in Her Packet with sundry stores for S<sup>t</sup>. Helena amounting to Current Rupees Two hundred thirty eight, thirteen annaes, and nine pice 233. 13. 9 Copy of which Invoice is also in her Packet.

We have likewise laden on Her sundry Goods & stores for Your Presidency amounting to Current Rupees twenty one thousand and Eighty five 21085 The Invoice and Bill of Lading for which come in the Packet by that Ship.

The above Goods and stores fully compleat the Charter Party Tounage of these two ships Normanton & Shaftesbury from hence.

In each of these ship's Packets We send Your Hon<sup>r</sup>. & c<sup>t</sup>. Manifests of Private Trade landed at Fort William from them with Copy of Captain Kemeys's & Captain Bookey's Manifests of Goods laden on them for England.

M<sup>r</sup>. Salomon Margas who Dispatches these ships will send your Honour &ct. their draughts of Water with what other advices He may find necessary on their Dispatch from Ingellee.

We are with great esteem

Fort WILLIAM

6 DECEM<sup>B</sup>. 1739.

HONBLE SIR & SIRS

Your Most Humble Servants

THOMAS BRADDYLL. FRANCIS RUSSELL. JOHN FOSTER. WILLIAM DAVIS. WILLIAM BARWELL. JOHN HALSEY. WILLIAM BUCKNALL.

To THE HONBLE THOM<sup>6</sup>. BRADDYLL ESQ<sup>R</sup>.

• PRESIDENT AND GOVERNOUR &OT. COUNCIL OF FORT WILLIAM.

### HONBLE SIR & SIRS

Pursuant to an order of the 12. Instant We went on board the Princess Augusta and took a carefull survey of Her bottom as low as necessary: We did not perceive that the Worm had yet touch'd her or that their is a present necessity of sheathing Her, but if she is bound for Madrass & the West Coast which is a Place remarkable for the Worms taking soon, We think it in that Case necessary, but as 1738-39-27 it is not common to sheath ships that are Rabbit Work'd, and the Carpenter here not being accustomed to the method of doubling them, it is our opinion it might better be done at Bombay, where that kind of Work is always practised.

We are with great respect

# CALCUTTA

26: Nov<sup>B</sup>. 1739.

Honble Sir & Sirs

Your Most Obedient Humble Servants,

ROBERT TURPIN. JOHN THORP. THO<sup>9</sup>: GREG<sup>EV</sup>. WARREN (Jun<sup>r</sup>. WILL<sup>M</sup>. WEST M<sup>r</sup>. Attend<sup>t</sup>. WALLER JANSSON COMP<sup>r</sup>. Carpt<sup>r</sup>.

COPY OF THE 79<sup>TH</sup>. PARAGRAPH OF THE HONOUBABLE COMPANY'S GENERAL LETIER. TO BENGALL & [SHIP] RICHMOND DATED THE 13<sup>th</sup>. DECEM<sup>B</sup>. 1733.

[...] directions to Fort S<sup>t</sup>. George in pursuance [of the] Original Regulation made Anno 1715 That the seer and half  $\mathcal{P}$  Maund collected for us at Y<sup>r</sup>. place on all Rice exported be in future deducted out of the Five  $\mathcal{P}$  Cent Duty payable at Madrass on the Importers producing a Certificate from the Jemindar that they have paid Us the said Duty.

HENRY RUMBOLD Secry.

### No. 94.

To the Honele Rich<sup>D</sup>. BENYON Esq<sup>R</sup>. PRESIDENT AND GOVERNOUE &C<sup>T</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>7</sup>. GEORGE.

HONELE SIR & SIRS

Having been appointed by the Governour and Council of Fort William to Dispatch the Ship Normanton Captain Reginald Kemys Command<sup>r</sup>. I have this day delivered him his sailing orders; You'l find by his Bills of Lading for your Port that He has returned some of the Stores Consigned for which according to my Instructions I have protested against Him for the same Copy of which Protest I send Your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>t</sup>. Inclosed, 1 have endorsed off his Bills of Lading what Goods He has returned.

The Ship draws Eighteen foot Nine Inches Water, I wish her a successfull voyage & am

SHIP NORMANT<sup>B</sup>. OFF INGELLEE the 11 Dec<sup>8</sup>. 1739. with respect HONELE SIR & SIRS Your Most Obedt. Hum. Servant SOL<sup>2</sup>. [MAR]GAS.

KNOW ALL [MEN BY] THESE PRESENTS That I Solomon Margas in [the] service of the Honourable United East India Company Do PROTEST against you Captain Reginald Kemeys Commander of the Ship Normanton in behalf of Yourself and Owners for what damage the Honble the United East India Company may become sufferers by your refusing to receive on board the said ship Normanton your full Tonnage according to the true intent and meaning of your Charter Party Agreement made between the said Comp<sup>3</sup>. and You Reginald Kemys for Yourself

Letters to Fort St. George, 1738-39

and in behalf of Richard Pennell Esq<sup>r</sup>. & Samuel Wilson Merchants of London Charter Party Owners &c<sup>t</sup>. DATED on board the ship Normanton the 11<sup>th</sup>. December 1739.

SOL: MABGAS.

DELIVER'D in the presence of us

> SAMUEL BARLOW. Philip Parsons.

# Nº. 95.

To THE HONELE RICH". BENYON ESQR.

PRESIDENT AND GOVERNOUR OF FORT ST. GEORGE &CT. COUNCIL.

HONBLE SIR & SIRS

Having been appointed by the Gov<sup>r</sup>. & Council of Fort William to Dispatch the Shaftesbury Captain Matt<sup>w</sup>. Bookey Commd<sup>r</sup>. I have this day deliver'd him hissailing orders you'l find by His Bills of Loading for  $Y^r$ . Port, that He has returned some of the Stores Consigned You, for which according to my instructions I have protested against him for the same, Copy of which I send Your Honour &c<sup>t</sup>. inclos'd; I have endorsed off his Bills of Lading what Goods He has return'd.

The ship draws Eighteen foot & a half Water. I wish Her a successfull. Voyage, and am with respect.

HONBLE SIR & SIRS

SHIP SHAFTESBURY OFF KEDGERY THE [ . . . ]

SALOMON MARGAS.

Your most obedient humble servant

# [APPENDIX]

[**A**]

# [Previous portion lost.]

leave to entertain a greater number of Peons for so far as We shall find necessary our present Number, which is but 170, not [...]ut much inconvenience to serve on [...] since our Investments have been carried [on by way] of Brokerage, and the Cloth wash'd by the Company instead of the Merchants, which occasions the Employing of many of the Companys Peons, on those services which the Merchants People did before.

I beg leave also to advise Your Honour &c<sup>t</sup>. that at present We are much short of our Compliment of European Soldiers, having in both Company's but 100 Europe Centinels instead of 130 appointed on the last Establishment, so that it would be of great service to Us, if Your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>t</sup>. could spare us a sufficient number to make up the present deficiency.

I am with much Respect

FORT S<sup>7</sup>. DAVID 18: AUG<sup>7</sup>. 1739. Honele Sir and Sirs Your most faithfull & obd<sup>t</sup>. Servant JAMES HUBBARD.

# [**B**]

TO THE HONBLE RICHARD BENYON ESQ<sup>B</sup>.

PRESIDENT & GOVERNOUR &C<sup>T</sup>. COUNCIL OF FORT S<sup>T</sup>. GEORGE.

# HONBLE SIE & SIES

I have receiv'd Your favour of the  $21^{st}$ . of August, and have agreable to your directions remounted the Guns at Patcharee Point, and placed a Guard there, having taken in 12 Topasses on that occasion, as the keeping that Point is absolutely necessary for the protection of Tevenepatam, I hope We may be able to defend it against any Enemy that is not very powerfull, as it is near the Fort, and may receive succour from thence on any occasion, But it is but a low small point, and not so well built for Defence as a Place of that use ought to have been; This leads me to observe to Your Honour &c<sup>t</sup>. th[at though the] Guards are fully mann'd there hardly rem[ain . . . . ]100 Men for the Fort and about the same num[ber . . . . by far] too few to defend the latter, [ . . ] more men than are [ . . . ] out on Parties [ . . ] Honour &c<sup>t</sup>. are pleased to give me liberty to take in what number of Topasses I find necessary, I have advised with the Officers ther[e . . ] think that an Addition of 50 Men to [ . . ] including the 12 already taken in for l'atch[aree] is [ . . ] number that will be sufficient for those purposes, and have accordingly given directions for looking out for what good Topasses are to be had, but I doubt We shall not be able to get near that Number, The French having lately entertain'd all the Topasses that could be got.

I beg leave to observe to Your Hon<sup>r</sup>. &  $c^t$ . that there is between the NE: Bastion of Cuddalore & the River Side the space of about 250 Yards which is entirely open and that it would be next to impossible to prevent a Party of Horse from putting into the Town on that side if it continues in the manner it is, for the present security of it We judge it will be necessary to raise a Breastwork of earth with Palisades from that Bastion to the River, with a little earthen Redoubt near the River side for 3 small Guns which I beleive will be sufficient for the Present, though it is pity when our [Honourable Masters] were at so great an expence in making [secure all walls and] Bastions round the other Parts of the Town, there had [...] inclos'd it by carrying on another Curtain and [...] to the River and thence a thin Wall along the [...] side, to join with Mullims Point, and the Southermost Bastion, which would have been an effectuall security to the Place.

The Stores we have desired to be sent us as  $\mathcal{P}$  the Indent that comes in our General Letter are for the most part what We are in immediate want of, & therefore I hope Your Hon<sup>r</sup>. &c<sup>t</sup>. will be pleas'd to send them as soon as possible: Thô We return by the Carolina the Flints that are entirely useless, yet those We have are but very indifferent I must therefore beg that Y<sup>r</sup>. Hon<sup>r</sup> &c<sup>t</sup>. will be pleas'd to give [ . . . ] those that are sent us in return be good and [I remain] with all respect

FORT ST. DAVID

-3<sup>»</sup>. SEPT<sup>B</sup>. 1739.

HONELE SIR AND SIRS Your most obed<sup>4</sup>. humble serv<sup>4</sup>. JAMES HUBBARD.

# INDEX

PAGE

-

PAGE

| PAGE  | PAGE   |
|---|--|
| A   | <b>B</b> —cont.  |
| Aafonseca Io. D <sup>o</sup> 11   | Boddam, Capt. Charles 61-64, 66-68   |
| Altonseca Ic. D <sup>.</sup> II<br>Abraham Sob see Ibra <sup>m</sup> . Sob II | Boddam, Capt. Charles 61-64, 66-68<br>Bombay 11, 27, 35, 43, 46, 49, 51, 52, |
| Acheen 15, 71, 81   | 103, 104, 106  |
| Agra 33   | Boneta, [Bonitta] 56, 81, 83   |
| Aldeas 3  | Bookey, Capt. Mattw 94, 104, 105,  |
| Aleppo 11   | 107  |
| Alfantigo 6, 9  | Borneo 53, 54, 56, 62, 80, 81  |
| Allen, Robert 1, 2, 14, 16, 18-20,  | Boulanger, Mons <sup>r</sup> 96<br>Bourbon 15                                |
| 22, 23, 31, 56, 39, 45, 47, 51,<br>52, 71, 76, 91, 96, 99, 101, 104           |  |
| ••••••  | Braddyll, Thomas 12, 28–30, 33, 46,<br>91, 92, 94, 105                       |
| Allimpara 91<br>All Mangdiees 6   | Britannia 80, 81, 63, 86, 88, 90   |
| 1 T to 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1                                    | Bucknale, [Bucknall], William 46, 91,  |
| Amyand, Lieut. Edward 15, 104<br>Anacksoogey 81, 83, 86                       | 92   |
| Anderson, M <sup>r</sup> 32   | Bugginda Rajah 86  |
| Andrews, John 12, 28, 34  | Burhannal Mulhuck 33   |
| Anglesea 35   | Burton, W <sup>m</sup>   |
| Anjengo 43, 49, 103   | Butler, Cap <sup>t</sup> 15  |
| Annawardy [Anaward] Caun  | Byers, J. Čap <sup>t</sup> 3, 4, 8   |
| [Cawn] I8, 39, 100  | Byfeld, J 52   |
| Anoope Chund 33   |  |
| Appollo 15  | <b>C</b>   |
| Arcott 88, 91, 93<br>Aroonant 71  | Cæres 43   |
| A-17/11-A-10 \$114  | Cæsar, Robert 15, 96-98, 101   |
| Arracean  | Caice Wangso Deeta [Deete] 67  |
| Augusta 19  | Caiee Wergo 57-61, 65, 67  |
| Ava 3, 4, 7-10  | Calcutta (sloop) 29 33, 45, 46<br>Calcutta 19, 106                           |
|   |  |
| · · ·   | Canton 34, 35, 58, 60, 65  |
| B   | Carang Pajangee 85   |
| Balay, Mons <sup>r</sup> 71   | Carnalla 33  |
| Balay, mons $$ $ 71$<br>Bagwell, Cap <sup>‡</sup> $$ $ 35$                    | Carolina, (sloop) 3, 32, 71, 74, 76,   |
| Baker, M <sup>r</sup> 24  | 96, 108  |
| Barbut, Charles 56, 60, 87-89   | Cary, Peter 88   |
| Barlow, Samuel 107  | Caun Douram [Douran] 33  |
| Barton, Cap <sup>*</sup> . James 92   | Cawoor   |
| Barwell, William 12, 28-30, 33, 46  | Cayatongee 57-59, 61, 65-68<br>Ceres 6                                       |
| 91, 92, 105   | Ceres o<br>Chauvelin 71  |
| Battavia [Batavia] 42, 56-58, 63, 82,   | (Chelumbrum 91   |
| 83, 87  | Chemanackpollam [Chiminaick-   |
| Bay, the 37, 93   | pollam] 13, 31, 70, 73   |
| Bazett, Jn° 90<br>Beau/ort 90   | Chevery [Cheverry] Mons <sup>r</sup> 96                                      |
| Radford QA  | Chicacul [Chic Cacull, Chickacall]. 37, 39,                                  |
| Bolnidana (alaon) 28  | 100  |
| Bencoolen 54, 57-60, 62, 64,  | Chicklas [Chickless] Khan 33, 100<br>China 35, 43, 54, 57-60,                |
| 65, 68, 85, 86  | China 35, 43, 54, 57-60,<br>62, 66-68, 82, 87                                |
| Bengal [Bengall] 3, 9, 11, 12, 15-17,   | Chitaramrauz [Chittaram Rouze] 18, 77  |
| 41-43, 46, 48, 52-54,   | Chittagong 94  |
| 71, 81–83, 86, 106  | Choromandell, the Coast of 11, 21  |
| Benjar 53-57, 60, 66, 68, 81, 86  | Churchey, M <sup>r</sup> 88  |
| Bernet & Compr., Messre 3   | Clarke, Mrs 3  |
| Bentall 86  | Clarke, Cap <sup>†</sup> 3   |
| Benteering 84<br>Benteering 83 85   | Cleave, Cap <sup>t</sup> . Henry 33<br>Coales Mr 88                          |
| Bentoonan 83, 85<br>Benyon, Richard 1-4, 11-13, 16-23-25,                     | Coales, M <sup>r</sup> 88<br>Coja Aveat 7                                    |
| 26-40, 43-53, 76-80, 89-96, 99-104,   | Coja Aveat 7<br>Coja Moses 7   |
| 106, 108  | Coja Owannes Saffar 7, 8   |
| Berriman, Robert 15   | Coja Petrous Usekan [Coja Petrus]. 7, 21                                     |
| Birkhead, Cap <sup>*</sup> 86   | Coja Simon 4, 7, 8   |
| 1738-39-28  | 1  |
| 1100-09   |  |

| <b>a</b> ,  | PAGE                                    | PAGE   |
|---|---|--|
| C—cont.   |   | F-cont.  |
| Coja Zachara [Zackara]                                  | 4,7                                     | Floyer, Charles 1, 2, 14, 16, 18-20,                       |
| Coles, Daniel   | 87                                      | 22, 23, 31, 36, 39, 42, 45, 47, 48, 51,                    |
| Coles, William 56, 60, 82                               | , 67, 89                                | 52, 71, 76, 91, 96–99, 101, 104                            |
| Comaradean Khan   | 33                                      | Fort S <sup>t</sup> . David 1, 2, 16-20, 22-25,            |
| Comilly   | -49<br>91                               | 31, 32, 36, 39, 41, 45, 47, 48, 51, 52,                    |
| Constandino, George                                     | 21<br>21                                | <b>71, 74–76, 91, 93, 96–99, 101,</b> 107, 108.            |
| Constantinople  | 21                                      | Fort 8 <sup>t</sup> . George 1-4, 9, 11, 13, 16-21,        |
| Constino, Janaki<br>Cooke, Thomas (junior)              |   | 25-40, 43-49, 52, 53, 55, 56, 69, 71,                      |
| Cooke, Thomas (junior)<br>Coringa [Coranga Road] 44, 45 | , 77, 79                                | 76-80, 82, 88-96, 99, 102-104, 108-                        |
| Costus, Demetrius                                       | 21                                      | 108.   |
| Crispe, D   | 90                                      | Fort Marlborough [Marlbrô] 53, 54,                         |
|   | 84                                      | 56, 57, 60, 64, 65, 81, 88, 89.                            |
| Crocup  |   | Fort William 12, 19, 20, 28-30                             |
| 23, 31, 36, 39, 45, 47, 51, 52,                         |   | Fort William 12, 19, 20, 28-30,<br>33, 46, 91, 92, 94, 105 |
| 91, 96, 97, 99, 101, 104.                               |   | Fcster, John 12, 28-30, 33, 40, 91,                        |
| Crompton, William                                       | 40                                      | 92,105   |
| Cuddalore 14,   | 90, 108                                 | Fowke, Mr 91.  |
|   | 34                                      | Foxal, Zechariah 97  |
|   | 72, 74                                  | France 11, 15, 52, 71, 96                                  |
|   |   | Fremery, Mons <sup>r</sup> 71                              |
| D   |   |  |
| Datto Amass 54  | , 55, 86                                | G  |
| Dattoo (Bugness)  | 84                                      | Galatea 4, 52-55, 57, 60, 80,                              |
| Dattoo Marlborough                                      | 66                                      | .81, 87  |
| Dattoo Saree Marajah                                    | 86                                      | Ganjam, [Gangam] 5, 10, 44, 48                             |
| Dauphin   | 15                                      | Gee, M <sup>T</sup> S7                                     |
| Davis, William 12, 28, 30,                              |   | Geekie, Jn : 35  |
| 91.   | 92, 105                                 | George 2, 18, 53, 80-82, 84,                               |
| Delly [Dilly] 33, 37                                    | , 39, 49                                | 86-90, 102, 103.   |
| Denny, M <sup>r</sup>                                   | ់ំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំំ | Gibson, William 44, 102                                    |
| De Rotte  | 82                                      | Gilbert, Cap <sup>t</sup> 94                               |
| Devonshire 1, 2, 14                                     | , 28, 91                                | Glen, A  |
| Diaar Beeker  | 12                                      | Goddard, Joseph 2, 20, 27, 30, 57,                         |
| Diong Macooley  | 85, 67                                  | 44, 50, 80, 95, 101, 102                                   |
| Dorset Lingana  | 31                                      | Godulphin 13   |
| Dossery   | 97                                      | Golennda [Goleondah] 49, 95, 100, 103                      |
| Dove  | 90                                      | Golightly, M <sup>r</sup> . F 4.8                          |
| Drake, Mons <sup>r</sup>                                | 71                                      | Goodwin, John  |
| Duip, B. V  | 11                                      | Goostie Anapa  |
| Duke of Cumberland                                      | 20                                      | Gopol [Gopoll, Gopal] Chitty 50, C4-                       |
| Duke of Dorset  | 90                                      | Goring, Cap <sup>*</sup> . George 35, 77, 78               |
| Duke of Lorrain   | 40, 88                                  | (Jostlin Cant 95   |
| Duke of Orleans   | 71                                      | Graham, John 2, 18, 34, 39                                 |
| Dupatty Sareeo  | 85                                      | Communication (1)  |
| Durff, Thomas   | 97                                      | Constitute 04 104  |
| Dutton, Cap <sup>*</sup>                                | 3, 32                                   | Orach Dritein  |
|   |   | Areanslata Samual St SS                                    |
| E   |   | Granania Lania (1  |
| East Indies, the  | 17, 57                                  | Guester, John Ernestus 97                                  |
| England 11, 16, 17, 20,                                 | 53 57                                   |  |
| 61, 62, 60, 63,   | 68 105                                  | -  |
| <b>T1</b> .   |   | E E  |
| Etam 11, 13, 15, 38,                                    |   | <b>Hallifar</b> 42, (*)                                    |
| 44, 45, 60, 62, 66, 75, 79, 82,                         |   | Halsey, John 28-50, 33, 46, 81,                            |
| 96, 103, 104.   | 00, 00,                                 | 92.105   |
| <i>Experience</i> (sloop) 56,                           | 95 100                                  | Harrington   |
| Eyre, Thomas 1, 2, 14, 16                               | 18-20                                   | Harris, Edward 1, 2, 16, 18-20, 20, 27,                    |
| 24, 25, 31, 36, 39, 41, 45, 47,                         | 51.52                                   | 41, 45, 47, 51, 52, 71, 76, 91, 96, 60,                    |
| 71, 76, 91, 96-99, 101, 104,                            |   | 101, 104   |
| · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·                   |   | Паттівоп   |
| F   |   | Bartford 22  |
|   | ~~                                      | Hauk (sloop) 16, 19, 81, 89                                |
| Falliet, Francis  | 97                                      | Hawkes, M <sup>r</sup> 57                                  |
| Fanny   | 92<br>50                                | Hethcote   |
| Fitzhugh, Robert  | 88                                      | Hide, Lascoe 61-64, 63, 65                                 |
| Fleury  | 71                                      | Hilverbeek   |
|   |   |  |

the second s

; †

i

| 11 <b>L</b> |
|-------------|
|-------------|

|            |                          |  | H                 | cont.     |          | PAGE                | · ·                                    | <b>L</b> co            | an f            | ,              | PAG <b>B</b> -       |
|------------|--------------------------|--|-------------------|-----------|----------|---------------------|--|------------------------|-----------------|----------------|----------------------|
| Ħ          | odge                     | ***                                    |                   |           | •••      | 4                   | Lane, Thomas                           |                        |                 |                | 43, 49 <sup>.</sup>  |
|            | odgkin, M                |  |                   |           |          | 88                  | La Paix                                |                        | ***             | ••             | 15                   |
| H          | ollond, Lie              | out <sup>‡</sup> .                     |                   | •••       | •••      | 15                  | Laul, Bhaury                           | •••                    |                 | • • •          | 33.                  |
|            | olmes, W.                |  |                   | **        | •••      | 8                   | La Vigne, M. de                        | ••                     | •••             | •••            | 22<br>35-            |
| H          | ope, James               | 8                                      |                   | ***       | •••      | 103                 | Law, Stephen<br>Laye                   |                        | •••             |                | 80, 83               |
| <br>П      | opkins, U.               | •<br>• Tho                             | ·· •••            | •••       | •••      | 8                   | Leohesnay, Mons'.                      | •••                    | •••             |                | 71                   |
| • H        | orne, Lieu<br>ubbard, Ja | meg .                                  | mag               |           | 1 2      | 88, 89<br>2, 16–20, | Leek, Jacobus                          | •••                    |                 | •••            | 22                   |
| <b>A</b> 1 | 22-                      | -24. 3                                 |                   | 2, 36, 39 | ), 41, ~ | 45. 47.             | Lelly                                  |                        |                 | ***            | <b>90</b> -          |
|            | 51,                      | £2,                                    | 71, 7             | 4, 76, 91 | 1, 93,   | 96, 99,             | Le Metris, Mons <sup>r</sup> .         | •••                    |                 |                | 15.                  |
|            | 101                      | l, 104,                                | 107,              | 108.      |          |                     | Lennox, Robert                         | •••                    | 53,             | 56, 60         | ), 65, 89            |
| H          | urlock, Th               | lomas                                  | •••               | 53, 54, 8 | 57,60    | , 62–64,            | Limpo<br>London                        | •••                    |                 | •••            | 60-<br>16 53         |
| TT         |                          |  |                   | 66,       | 68, 81   | í, 86, 88           | Lowther, William                       | •••                    | •••             | •••            | 46, 53<br>103-       |
|            | assain<br>assain All     |  |                   | •••       | •••      | 6<br>93             | Lyell                                  | •••                    |                 | ••             | 104                  |
|            | yland, M <sup>r</sup> .  |  | •••               | •••       | •••      | 3,8                 | Lynch, Richard                         | •••                    | 444             |                | 103                  |
|            | ,                        |  | ***               | •••       | •••      | 0,0                 | Lynn                                   | •••                    |                 |                | 94, 104              |
| •          | •                        |  |                   | r         |          |                     |  |                        |                 |                |                      |
| TI         |                          | i                                      | g <sub>ah</sub>   | -         |          | F 10                |  | M                      |                 |                |                      |
|            | ram [Abra<br>dia         |  | 000               | •••       | ***      | 5,10<br>55,56       | Mackneight, Willia                     |                        |                 |                | 97                   |
|            | dies, the                | •••                                    | •••               | ***       | ••••     | 00, 00<br>21        | Madagascar                             |                        | ***             | •••            | 97<br>35-            |
|            | gelle                    | •••                                    | •••               |           | •••      | 12, 106             | Maddepollam [Ma                        | idapol                 | lam, M          | Iada-          | 50                   |
|            | geram                    |  |                   | 26, 28, 3 |          |                     | pollam, Madepol                        | llam                   |                 | 2,20           | , 26, 27             |
| -          |                          |  | 50,7              | 7, 79, 93 | , 95, 1  |                     |  | 36                     | 5, 50, 80       | ), 95, 1       | 101, 102             |
|            | nes, M <sup>r</sup> .    | •••                                    | •••               |           |          | 88                  | Madrass [Madrass]                      |                        |                 |                | , 11, 13,            |
|            | pue                      | • • •                                  | •••               |           |          | D, 81, 86<br>97     | 10-21,                                 | <i>२८, २</i> ।<br>१ ६० | 0,40,4<br>62 01 | o, 49,         | 52, 56,              |
|            | ba<br>pabanne            | •••                                    | •••               | •••       | •••      | 97<br>12            | Mallabar [Malabar                      | , 00,<br>1 Coa         | st. the         | ., 30,         | 102-106              |
|            | bapore                   | •••                                    | ***               | •••       | •••      | 44                  | Mandit                                 |                        |                 |                | 68                   |
|            | 1                        |  |                   |           |          |                     | Manna                                  |                        | ***             | 83, 84         | 4, 86, 88            |
|            |                          |  | J                 |           |          |                     | Margale Rajah                          |                        | •••             | •••            | 77                   |
| Ja         | cob                      |  | •••               | •••       |          | 4                   | margato                                |                        |                 | •••            | 37                   |
|            | naki, see (              |  |                   |           |          | 44 4 ·              | Margas, Solomon<br>Marlborough [Mar    | lbrA]                  | •••             |                | 105–107<br>53– 66,   |
|            | n Martens                |  |                   |           | •••      | 11                  |  | wiv]                   |                 |                | 0,81,83              |
| Ja         | nsson, Wa                | ller                                   |                   |           | •••      | 106                 | Marta (Pangaran),                      | 1                      | 57-59,          | 63, 6          | 5, 67, 68.           |
| J8<br>Ta   | ntinelly<br>Rhoarra C    | •••                                    | •••               | •••       | •••      | 85<br>33            | Martin [Martain]                       | Cap <sup>‡</sup> .,    | George          | ·              | 2, 12,               |
|            | ukeerya C<br>va          | aun                                    | •••               | •••       | ***      | 35                  | 77                                     |                        |                 |                | 17, 18               |
|            | ynson, W                 |  | •••               |           | •••      | 43, 51              | Mary                                   | •••                    | ***             |                | 43.                  |
| Jo         | bbins, Car               | o <sup>‡</sup> . Ree                   |                   |           |          | 32                  | Mary (brigantine)<br>Mascarine         | •••                    | •••             |                | 2, 23, 31<br>96-     |
| Jo         | hnson, W                 | illiam                                 |                   |           | •••      | 97, 103             | Maurepas                               | •••                    | · · · · ·       | •••            | 71                   |
| Jo         | rden, Mr                 |  | •••               |           |          | 88                  | Mazlipatam [Ma                         |                        |                 | Met-           | ••                   |
|            | ye, Cap <sup>t</sup> . ] |  |                   | ***       |          | 91, 92<br>92        | chlepatam]                             |                        |                 |                | 100, 102             |
|            | gdea<br>vpiter           | •••                                    | •••               | •••       | ***      | 90, 96              | Mediteranean, the                      | •••                    | •••             |                |                      |
|            | 21101                    | •••                                    | •••               |           |          | ••,••               | Mercury                                | ** *                   | •••             |                | 9, 46, 92            |
|            |                          |  | B                 | 7         |          |                     | Mergy<br>Mexico                        | •••                    | •••             | ***            | 15-<br>56-           |
| 17         | dacar                    |  |                   |           |          | 107                 | Milner, Mr                             | •••                    | • • •           | ***            | 15                   |
| R R        | edgery<br>emeys [Ke      | mval                                   | Can <sup>‡</sup>  | Regina    | Ja       |                     | Misenor, John                          | •••                    |                 |                | 4, 66, 68            |
| K          | ent                      | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | •••P              | •••       |          | 100, 100            | Misore                                 |                        |                 | •••            | 31, 53.              |
|            | erkwyk                   |  |                   | •-•       | *** '    | 82                  | Miss Jenny (brigan<br>Mitchell, Edward |                        | •••             |                | 3, 12, 25            |
|            | erkzigt                  | •••                                    |                   | ***       | •••      | 82                  | Mmass Rattoos                          | •••                    | •••             | •••            | 36<br>84             |
|            | ey Mass                  |  | •••               |           | •••      | 85                  | Meco Moco                              |                        |                 | -              | 2,86-88              |
|            | haroend<br>ing Willia    | •••                                    | •••               |           | ***      | 33<br>90            | Moggy                                  | •••                    | •••             |                | 43                   |
|            | ity Chund                |  | •••               | •••       | •••      | <b>4</b> 3          | Molopolee                              |                        | •••             | •••            | 102                  |
|            | stnama                   | · • • •                                | •••               | •••       | •••      | 73                  | Monson, William                        | •••                    | •••             | •••            | 19, 32               |
| K          | oonkoy                   | •••                                    | •••               | •••       | •••      | 85                  | Montperas<br>Moosee                    | ***                    | ***             |                | 90<br>85             |
|            | uyper, Caj               | p*, Hu                                 | ygh               | ***       | •••      | 82                  | Moosee<br>More, Thomas Jost            | 18                     | •••             | P + 4<br>4 + 4 | 85.<br>20-           |
| •          |                          |  |                   |           |          |                     | Morley, Jnº                            |                        | •••             | •••            | 35                   |
|            | <b>.</b> .               | <i></i>                                |                   | •         |          | _                   | Morse, Nicholas                        |                        | •••             | 1              | 9, 20, 32            |
|            | Bouchier                 | e, Mo                                  | ns <sup>r</sup> . | •••       | •••      | 15                  | Mossel, Jacob                          | •••                    | •••             |                | 11, 12               |
|            | hore                     | U.T.                                   | •••               | •••       | •••      | 33<br>1(3           | Munko [Munco] R<br>Mulna Capt Boba     | ajah<br>H              | •••             | 84<br>56 Em    | 1,86,87              |
|            | ambe, Ja¶.<br>ampo       | nen.                                   |                   | •••       | •••      | 103<br>65           | Mylne, Čept. Robe                      | 16.000                 | •••             | 00,07          | , 60, 63,<br>64, 66- |
| يغنع       | Po                       | 1790                                   | <br>3-39-         | 0         | •••      | 00 ]                | 1                                      |                        |                 |                |                      |
|            |                          | 1190                                   | -69-              | -47       |          |                     |  |                        |                 |                |                      |

| v                                       | PAGE                 | -  | PAGE   |
|---|----------------------|--|--|
| N                                       |                      | R  |  |
| Nagapatnam                              | 11, 12               | Rachell  | 43   |
| Nancy (sloop)                           | 104                  |  | 18, 37,  |
| Nanyan Chitty                           | 52, 69-73            | 49,  | 77, 100  |
| Nappall                                 | 85                   | Rangapa Chitty                                 | 72   |
| Narcissus ,.                            | 28, 29, 92<br>27, 50 | Rashapa  | 70   |
| Narsapore<br>Naudir Cooley Caun, see Th | omas 27, 50          | Kanandaya Manar                                | 95, 100<br>71                                  |
| 0.1                                     |                      |  |  |
| Nawagee                                 | 5, 10                |  | , 91, 07                                       |
| Nella Tomby                             | 13, 31               | Righy Charles                                  | 04-106<br>35                                   |
| Nellipilly                              | 39, 45               |  | , 82, 89                                       |
| Nias                                    | · 88                 | Rockingham                                     | 4  |
| Nicolao, Dimitri                        | 21                   | Rognes River, the,                             | 92   |
| Nizaramrauz [?]                         | 18                   |  | , 90,104                                       |
| Normanton                               | 94, 104-106          | Koyal Guardian                                 | ., <u>, , , , , , , , , , , , , , , , , , </u> |
|   |                      | Rumbold, Henry                                 | 106  |
| 0                                       |                      | Russell, Francis 12, 28, 30, 33                | , 46, 91,                                      |
| Opmeer, Capt. Hendk                     | 82                   |  | 92, 105  |
| Oran Cayo                               | 84,86                | RynJak, Jm. Fs                                 | 11   |
| 0 ( 0 ) <sup>1</sup>                    | 73                   |  |  |
| Out Salem                               | 10                   | S  |  |
| P                                       |                      | Sadashavarow                                   | 15   |
|   |                      | St. Gerand                                     | 90   |
| Padong                                  | 82                   | St. Gerant                                     | 15   |
| Palcon, Johazi                          | , 21                 | St. Helena 80, 89, 90, 1                       |  |
| Panhuys, J. H                           | . 11                 | Salem 13, 15, 17, 31, 51,                      | 52, 69,  |
| Parsons, Philip                         | 107                  |  | 0, 72, 73                                      |
| Patinson, Mise                          | ··· 40               | Salisbury, J                                   | 43   |
| Pattle, Thomas                          | 43,49                | Saloomah [Salloomah]                           | 85   |
| Peddapore                               | 95                   | Samarang                                       | 81   |
| Peeno                                   | 83                   | Samarang                                       | 43   |
| Peguo                                   | 4,46                 | Sanderson, John 3, 12, 18<br>Sarah Gally       | 3, 26, 37                                      |
| Penagee                                 | ·· 84                | Sarah Gally                                    | 45,46  |
| Pennell, Richard                        | 107<br>12            | Sasashalum Sasashilum                          | 9. 72. 73                                      |
| Persia                                  |                      | Savage Mr 20, 31, 36, 40                       | ), 82, 86                                      |
| Phenix                                  | 15,90<br>19          | Scartorough [Scarborð] 53, 4                   | 55, 80—  |
| Pigue Merchant<br>Pitt, M <sup>r</sup>  | 25, 77               | 88   | 3, 87, 88                                      |
| Planches, Monsieur                      |                      | Sea Horse 44                                   | 1, 48, 99                                      |
| Ponapa [Panapa, Ponnapa] Chit           | ty 69 71             | Sedgewicke, W                                  | 35   |
| Tomapa [Lanapa, Tomapa] Out             | 72,                  | Sr Zachara                                     | 32   |
| Pondicherry 15, 1                       | 6, 48, 69—71,        | Selle, Mons <sup>r</sup>                       | 96   |
|   | 6, 90, 96, 103       | Se Nassib                                      | 87 .   |
|   | 85                   | Se Niawoo                                      | . 67   |
| Porto Novo                              | 15 16, 71, 91        | Seringapatam                                   | 52   |
| Portugal                                | 11                   | Serio (Pangaran)                               | 61   |
| Portugal<br>Powell, G. G                | 90                   |  | <i>3</i> , <i>3</i> 1, <i>7</i> 3              |
| Prichard, T                             | 8                    |  | 105, 107<br>100                                |
| Prichard, T<br>Prince, Richard 3, 12,   | 18, 20, 26, 28,      | 01 13. L. COL 113. L.T. 34-                    | 3  |
| 34, 37, 40, 45, 48, 49,                 | 77, 79, 93, 95,      |  | 00   |
| 99—101, 103.                            |                      | C' L to and Manual to an                       | 27   |
| Prince Augustus                         | 82                   | Sichterman, Mynneer<br>Siddee Ibrahim          | 84   |
| Prince of Conty                         | 16                   | Siddee Ibrahim<br>Simpson, Charles 25, 26, 35, |  |
| Prince of Orange<br>Prince of Wales     | 43                   | 44, 49, 77-79, 99, 100, 102.                   | ,,   |
| Prince of Wales                         |                      | Singo Saree                                    | 57,61  |
| Princess Augusta (sloop)                | 43                   | Sleswick                                       | 90   |
| Princess Augusta 35,                    | 38, 40, 43-47        | Smart, Jonathan 3, 5, 7, 9, 10                 | . 19, 32                                       |
| 78, 79, 93, 95, 99, 104,                |                      | Smith, Cap <sup>t</sup> . Thomas. 53, 54, 57,  | 69, 61,  |
| Princess Louisa                         | 90                   | 66   | , 80, 81                                       |
| Princess Louisa (sloop) 2               | 10 10 16 17          | Somerset                                       | 94   |
| Dallianak [Dallianakta Dallianti        | 12, 13, 10, 17       | Sommer, Cap <sup>t</sup> . John                | 81   |
| Polliacat [Palliacatta, Pollicat],      | 22, 40,<br>102       | Sooco Bajah                                    | 84   |
| Dullimbon [Dillimbon ]                  |                      | pain   | 11   |
| Pullimbam [Pillimbam]                   | 85                   | Stackhouse, John 12, 19,                       | , 20, 27                                       |
| Руке, Мг                                | 90                   | Standard, Cap <sup>*</sup> . John              | 8, 8, 19                                       |
| e G                                     |                      | Stevens, Capt                                  | 5 🕻  |
| -                                       | 00.00.00.00          | Stirling, Henry                                | 88   |
| Queen Caroline 53, 80-                  | -83, 86, 89, 90      | Stonestreet, Thomas                            | 35   |
|   |                      |  |  |

.

INDEX

| 6   | PAGE          | <b>T</b>                             | PAGE-                |
|---|---------------|--------------------------------------|----------------------|
| S-cont.   |               | V—cont.                              |                      |
| Stratton, M <sup>r</sup>                        | 32            | Van Velsen, G <sup>t</sup>           | 22                   |
| Streights of Sunda                              | 83            | Veldins, Hendrick                    | 97                   |
| Subdarally [Subderally, Subdurally              |               | Velge[n], A                          | 11                   |
| Cawn  | 91, 93        | V. Minnen, Cap <sup>4</sup> . Albert | 82                   |
| Solton Boy                                      | . 17          | Vengapa Chitty                       | 15                   |
| Symotro   | 50            | Vanana Ohitta                        | 73                   |
| Q_wet   |               | Vanana                               | 97                   |
|   |               |                                      |                      |
| Sussex  | . 35          |                                      | 3, 51                |
| Syrian 3-                                       | 5, 7-9, 32    | Verwry, Willem                       | 22                   |
|   |               | Vizagapatam 3, 12, 18, 20, 20        | ), 28, .             |
| T   |               | 34, 37, 38, 44, 49, 50, 77–79, 8     | 2, 99,               |
| Takeerja Caun 🛛                                 | 33            |                                      | , 102                |
|   |               | Vizaramrauz [Vizra Ram Rouze] 3      | 9,77                 |
|   | 31, 91, 93    | Vosmaer, Andr <sup>n</sup>           | 22                   |
|   | 62, 64-66     | Vryenes, Pr. V. Sr. V                | 22                   |
|   | 81, 89        |                                      |                      |
|   | 3, 51, 103    | W                                    |                      |
| Tempest   |               |                                      |                      |
| • Tevenepatam                                   |               | Wager                                | 20                   |
| Thomas, Padre                                   | . 21          | Wake, William 4                      | 3, 51                |
| Thomas Cooley Cawn [Caun]                       | 33, 37, 39    | Wakefield 28, 2                      | 9, 33                |
| Thorp, John                                     | 106           | Walpole 53, 61, 63, 64, 6            | 7. 68                |
| To Assing                                       | 01            | Warren, Thos. Gregry                 | 106                  |
| Membe Persona                                   | 79            | Warriarpollam [Warriapollam,         |                      |
| Tomborneo Road 57, 64,                          | 65, 67, 68    | Worriapollam] 31, 70, 7              | 2 73                 |
|   | <b>F</b> AO I | TT7 1 TT7 11' 49 61                  |                      |
|   | . 94,00<br>c  |                                      |                      |
| Tornery, M <sup>*</sup>                         |               |                                      |                      |
| Townsend, Capt                                  |               | West Indies, the Spanish             | 11                   |
| Trichinopoly                                    |               | Westcott, Cap <sup>t</sup> 81, 83, 8 |                      |
|   | . 90, 96      | Wheeler, James 53, 55, 57, 59        |                      |
| Triton (galley) 3, 99                           | , 101, 102    |                                      | 6, 88                |
| Trivady   | . 93          | White, Cap <sup>t</sup>              | 81                   |
| Tullie, Cap <sup>t</sup> . Timothy              | . 7           | Whitefield, Henry                    | 3                    |
| Tarpin, Robert                                  | . 106         | Whitehill, Charles 35, 4             | 3, 49                |
|   |               | William (sloop) 29, 30, 37, 4        | 14-46                |
| υ   |               | Wilmington                           | 90                   |
| IT-mana 25 49 5                                 | 7, 95, 102    | Wilson, Samuel                       | 107                  |
| Uppara 25, 49, 7                                | , 00, 100     |                                      | 5, 90                |
| TP  |               | Wasd Alexander                       | 30                   |
| . <b>V</b>                                      |               | Wright, Cap <sup>t</sup> . Thomas 5  | , 8, 9               |
| Van Drentelen, C. L.,                           |               | wright, Cap <sup>*</sup> . 1 nomas 5 | , <sub>(</sub> , , , |
| Van Lawick                                      | . 21          | 77                                   |                      |
| Van Lint, Jan Roos                              | 01 90         | Y                                    |                      |
| Van Renseen, Cap <sup>t</sup> . Ad <sup>n</sup> | 00            | Yanam 77                             | , 101                |
| the roundoor on the set                         | 1             |                                      | ,                    |

# AGENTS FOR THE SALE OF MADRAS GOVERNMENT PUBLICATIONS

#### . IN INDIA

The Superintendent, NAZAIR KANUN HIND PRESS, Allahabad. M. C. KOTHARI, Bookseller, Publisher and Newspaper Agent, Raopur Road, Baroda. R. SUNDER PANDURANG, Kalbadevi Road, Bombay." D. E. TARAPOREVALA Sons & Co., Bombay. THACKER & Co. (LTD.), Bombay. S. WAGLE, Circulating Agent and Bookseller, No. 6, Tribhuvan Road, Girgaon. Bonnbay THE BURNA BOOK CLUB (LTD.), 243-A, Merchant Street, Rangoon, Burma. THE BOOK COMPANY, Calcutta. BUTTERWORTH & Co. (LTD.), 6, Hastings Street, Calcutta. R. CAMBRAY & Co., Calcutta. THACKER, STINK & Co., 3, Esplanade East, Calcutta. SHRT SHANKAR KARNATAKA PUSTAKA BHANDABA, Malamaddi, Dharwar. RAMAKRISHNA & SONS, Labore. THE UPPER INDIA PUBLISHING HOUSE (LTD.), LUCKNOW. THE CHRISTIAN LITEBATURE SOCIETY FOR INDIA, POSt BOX No. 501, P.T., Madras. HIGGINBOTHAMS (LTD.), Mount Road, Madras. THE LAW BOOK DEPOT (LTD.), 15 & 16, Francis Joseph Street, Madras. S. MURTHY & Co., Madras. G. A. NATESAN & Co., Madras. P. R. RAMA IVEB & Co., Madras. P. VARADACHARI & Co., Booksellers, 8, Linga Chetti Street, Madras. S. VAS & Co., Madras. THE THEOSOPHICAL PUBLISHING HOUSE, Advar (Madras). THE UNIVERSAL PUBLISHING Co., Bezwada (Madras). E. M. GOPALAKRISHNA KONE, Pudumantapam, Madura (Madras). THE MODERN STORES, Salem (Madras). THE SRIVILLIPUTTUE CO-OPERATIVE TRADING UNION (LTD.), Srivilliputtur (Madras). D. SREE KRISHNAMURTHI, Editor, "Grama Paripalana," Morrispet, Tenali, Guntur (Madras). KRISHNASWAMI & Co., Teppakulam Post, Trichinopoly Fort S. (Madras). CITY BOOK Co., Post Box No. 283, Madras. NIVASARKAR, Manager, "Hitawada," Nagpur. THE BOOKLOVERS' RESORT, Booksellers and News Agents, Taikad, Trivandrum. IN STRAITS SETTLEMENTS THE FEDERAL RUBBER STAMP Co., Penang. NOTICE Cflicial publications may be obtained in the United Kingdom e"ther direct from the office or the High Commissioner for India,

India House, Aldwych, London, W.C. 2, cr through any bookseller.